THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 299 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.7 2081 मंगलवार, 21 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राजोआना की सजा-ए-मौत पर सुनवाई 18 मार्च को

अमृतसर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट अब बलवंत सिंह राजोआना की मौत की सजा पर 18 मार्च को सुनवाई करेगा। राजोआना ने "असाधारण" और "अनुचित देरी" के आधार पर अपनी मौत की सजा माफ करने की अपील की है। याचिका में तर्क दिया गया है कि भारत सरकार ने उसकी दया याचिका पर फैसला करने में काफी समय लगाया है। वह लगभग 29 साल से जेल में है। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि राजोआना की मौत की सजा का मामला तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एस.ए. बोबडे के कार्यकाल से लंबित है। उन्होंने कहा कि राजोआना 15 साल से मौत की सजा का सामना कर रहे हैं और पिछले 29 वर्षों से जेल में बंद हैं।

आरजी कर दुष्कर्म मामला

संजय रॉय को उम्रकैद के साथ 50 हजार का जुर्माना

कोर्ट ने नहीं माना रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस

कोलकाता, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुए डॉक्टर रेप-मर्डर केस में मुख्य आरोपी संजय रॉय को मरते दम तक उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। सजा का ऐलान करते वक्त अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिरबन दास ने कहा कि ये रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस नहीं है। इसलिए इस मामले में वो अपराधी को उम्रकैद की सजा सुना रहे हैं।

संजय रॉय को उम्रकैद की सजा देने के बाद कोर्ट ने राज्य सरकार को पीड़िता के परिजनों को 17 लाख मुआवजा देने का निर्देश दिया है। इस पर पीड़िता के माता-पिता ने कहा कि उन्हें किसी तरह का मुआवजा नहीं चाहिए। संजय रॉय को बीएनएस की धारा 64, 66 और 103 (1) के तहत के दोषी पाया गया है। इन धाराओं के तहत अपराधी को अधिकतम फांसी या उम्रकैद का प्रावधान है। लेकिन जज ने उम्रकैद की सजा दी है।

सजा सुनाने से पहले जज ने संजय रॉय से कहा, मैंने तुम्हें पहले ही बताया था कि तुम पर लगाए गए सभी आरोप जैसे बलात्कार और हत्या के आरोप साबित हो चुके हैं। इस पर संजय रॉय ने कहा, मुझे बिना किसी वजह के फंसाया गया है। मैं हमेशा रुद्राक्ष की माला पहनता हूं। यदि मैं अपराध करता तो क्राइम सीन पर ही माला टूट जाती। मुझे बोलने नहीं दिया गया। कई कागजों पर जबरदस्ती साइन करवाए गए।

संजय रॉय ने कहा, मैंने अपराध नहीं किया, लेकिन दोषी ठहराया गया

संजय रॉय ने दावा किया, जब सीबीआई ने इस मामले को अपने हाथ में लिया, तो यहां रेलवे अस्पताल में मेडिकल जांच कराई गई, लेकिन उसमें कुछ भी नहीं दिखा। जज ने जब उसके परिवार के बारे में पूछा, तो उसने कहा कि उसकी मां है, लेकिन गिरफ्तारी के बाद कोई भी उससे मिलने नहीं आया। गिरफ्तारी से पहले वो पुलिस कैंप में रहता था। उसने कहा कि उसने अपराध नहीं किया है, लेकिन उसे दोषी करार दिया गया। सीबीआई के वकील ने कोर्ट में कहा, यह एक ऐसा मामला है जो दुर्लभतम श्रेणी में आता है। समाज में लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए संजय रॉय को अधिकतम सजा दी जानी चाहिए। संजय रॉय के वकील ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष को ऐसे साक्ष्य प्रस्तुत करने चाहिए, जो यह साबित कर सकें कि दोषी के सुधार की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि वो फांसी के अलावा सजा के लिए प्रार्थना करते हैं। पीड़िता के माता-पिता के वकील ने भी अधिकतम सजा की मांग करते हुए कहा कि संजय रॉय एक सिविक वालंटियर होने के नाते अस्पताल की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था, लेकिन उसने खुद ही उस पीड़िता के साथ जघन्य अपराध किया जिसकी रक्षा करने की जिम्मेदारी उस पर थी। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में संजय रॉय को ही असली अपराधी बताया था। इसके साथ ही इसको गैंगरेप की बजाए रेप बताया था। चार्जशीट के अनुसार संजय रॉय ने अकेले ही इस वारदात को अंजाम दिया था। पीड़िता से लिए गया सीमन का सैंपल उससे मैच हो गया था। सीएफएसएल रिपोर्ट से पुष्टि हुई थी कि सीमन संजय रॉय का ही है। कई भौतिक-परिस्थितिजन्य साक्ष्य, फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर साबित हुआ कि वारदात उसने ही किया है। 9 अगस्त 2024 को क्राइम सीन से मिले छोटे बाल को जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजा गया था।

कोलकाता कांड को सुलझाने में तीन चीजें सबसे अहम साबित हुईं :

फोरेंसिक रिपोर्ट में ये बाल संजय रॉय के बताए गए थे। करीब 100 गवाहों, 12 पॉलीग्राफ टेस्ट, सीसीटीवी कैमरों, फॉरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन, ईयरफोन और आरोपी के बयान के बाद चार्जशीट फाइल की गई। इसमें सीबीआई ने भी ये साफ कर दिया है कि ट्रेनी जूनियर डॉक्टर के साथ रेप हुआ था, ना कि गैंगरेप। चार्जशीट के मुताबिक, इस केस को सुलझाने में तीन चीजें सबसे अहम साबित हुई हैं। इनमें पहली, अस्पताल के सेमिनार रूम के बाहर सीसीटीवी कैमरे से मिली तस्वीरें हैं। इन तस्वीरों में 9 अगस्त की सुबह 4 बजे संजय रॉय सेमिनार हॉल के अंदर जाता दिखाई देता है। आधे घंटे बाद वो बाहर निकल जाता है। इस दौरान सेमिनार हॉल में संजय के अलावा ना और कोई दूसरा गया, न बाहर आया। दूसरी, सेमिनार हॉल से मिला संजय रॉय का मोबाइल का ईयरफोन। जो बाद में उसी के ब्लूटूथ से कनेक्ट हो गया था।

शाह पर टिप्पणी मामला

राहुल पर केस नहीं चलेगा

सुप्रीम कोर्ट की रोक, नेता प्रतिपक्ष 2019 में बोले थे-भाजपा में हत्यारा अध्यक्ष बन सकता है

रांची, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने झारखंड सरकार और भाजपा नेता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले झारखंड के चाईबासा में अपने एक भाषण के दौरान गांधी ने शाह को हत्यारा बताया था। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा ने राहुल गांधी पर अमित शाह के खिलाफ 2019 में अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप के साथ मानहानि का केस किया था।

सुनवाई के दौरान राहुल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि कई न्यायिक फैसलों में कहा गया है कि केवल पीड़ित व्यक्ति ही आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज करा सकता है। शिकायत किसी तीसरे पक्ष की ओर से दायर की गई थी। मानहानि मामले में ऐसा करना स्वीकार्य नहीं है। सिंघवी ने पूछा- यदि आप पीड़ित व्यक्ति नहीं हैं, तो शिकायत दर्ज करने के लिए प्रॉक्सी कैसे ले सकते हैं?

2018 में भी राहुल ने शाह को कहा था हत्यारा :

2018 में भी चाईबासा में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में राहुल ने कहा था, भाजपा में कोई भी हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। उस वक्त शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद थे। राहुल की इस बयान के बाद भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रताप कटियार ने चाईबासा के सीजेएम कोर्ट में केस दर्ज कराया था। चाईबासा में दायर मामले को सुनवाई के लिए रांची के एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर किया गया था। बाद में चाईबासा में एमपी-एमएलए कोर्ट शुरू होने के बाद इसे फिर से चाईबासा ट्रांसफर कर दिया गया था।

'ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए'

ताहिर हुसैन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त टिप्पणी की कि ऐसे सभी लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। इसके साथ ही पीठ ने पूर्व पार्षद और दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की याचिका पर सुनवाई 21 जनवरी तक टाल दी है, जिन्होंने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत मांगी है। मामले में न्यायमूर्ति पंकज मिथल और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने समय की कमी के कारण सुनवाई स्थगित कर दी, लेकिन जैसे ही दिन की कार्यवाही शुरू हुई, ताहिर हुसैन के वकील ने मामले का उल्लेख किया और 21 जनवरी को सुनवाई का अनुरोध किया। पीठ ने जवाब में टिप्पणी की, जेल में बैठकर चुनाव जीतना आसान है। ऐसे सभी लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। उनके वकील जानकारी देते हुए कहा कि ताहिर हुसैन का नामांकन स्वीकार कर लिया गया है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी को ताहिर हुसैन को एआईएमआईएम के टिकट पर मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए पैरोल दी थी।

आजीवन कारावास की सजा पर सीएम ममता बोलीं, हमने मृत्युदंड की मांग की थी

कोलकाता, 20 जनवरी (एजेंसियां)। आरजी कर अस्पताल की प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और हत्या मामले में दोषी संजय रॉय को उम्र कैद की सजा सुनाए जाने पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी असंतोष जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि, वह अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि, हम सभी ने मौत की सजा की मांग की थी लेकिन अदालत ने आजीवन कारावास दिया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि जांच का जिम्मा कोलकाता पुलिस से जबरन ले लिया गया। उन्होंने कहा कि यदि जांच का जिम्मा कोलकाता पुलिस के पास ही रहा होता, तो उसने निश्चित रूप से मौत की सजा सुनिश्चित की होती। मुर्शिदाबाद जिले में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने मामले में सीबीआई जांच पर सवाल उठाये। उन्होंने

कहा, हम सभी ने (दोषी के लिए) मृत्युदंड की मांग की थी, लेकिन अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामला हमसे जबरन ले लिया गया। अगर यह (कोलकाता) पुलिस के पास ही रहा होता, तो हम सुनिश्चित करते कि उसे मौत की सजा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें नहीं पता कि जांच कैसे की गई। राज्य पुलिस द्वारा जांच किये गए ऐसे ही कई मामलों में मौत की सजा सुनिश्चित की गई। मैं (फैसले से) संतुष्ट नहीं हूं। सियालदह की अदालत ने संजय रॉय को राज्य सरकार द्वारा संचालित आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के मामले में दोषी करार दिये जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सियालदह के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास की अदालत ने शनिवार को, रॉय को पिछले वर्ष नौ अगस्त को अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ हुए जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिया था। न्यायाधीश दास ने कहा कि यह अपराध दुर्लभ से दुर्लभतम श्रेणी में नहीं आता, जिससे दोषी को मृत्युदंड दिया जा सके।

आतंकियों से मुठभेड़ में घायल जवान की मौत

सोपोर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के बारामूला जिले के जालोरा गांव में चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। यह गांव सोपोर से कुछ किलोमीटर दूर है। घायल जवान को इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती किया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

रविवार को सुरक्षा बलों और पुलिस ने सोपोर में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया था। मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब सोपोर पुलिस के साथ 22 राष्ट्रीय राइफल्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 179वीं बटालियन पर आतंकियों ने फायरिंग कर दी। सुरक्षा बलों के मुताबिक रविवार शाम अंधेरा बढ़ने के बाद जालोरा के गुज्जरपति इलाके में चल रहा ऑपरेशन रोक दिया गया था।

अजित पवार बोले-सांप्रदायिकता फैलाने वालों को बर्दाश्त नहीं करेंगे, एनसीपी में शामिल नहीं होंगे दागी

जालना (महाराष्ट्र), 20 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) धर्मनिरपेक्ष राजनीति में भरोसा करती है और राज्य में सांप्रदायिकता फैलाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र हमेशा प्रगतिशील विचार और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक रहा है। राकांपा एकता और धर्मनिरपेक्षता के लिए खड़ी है।

दागी या खराब छवि वाले लोग राकांपा में नहीं होंगे शामिल :

जालना में राकांपा के जिला कार्यालय का उद्घाटन करते वक्त अजित पवार ने कहा, हम ऐसे किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो विभिन्न समुदायों में नफरत फैलाए और बांटने की राजनीति करे। उन्होंने कहा कि राकांपा में खराब छवि वाले या दागी लोगों को शामिल नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं पार्टी सदस्यों से आग्रह करता हूं कि वे हमारी पार्टी में दागी लोगों को शामिल न करें।

माझी लड़की बहिन योजना को लेकर कही ये बात

इसके अलावा, अजित पवार ने 'माझी लड़की बहिन योजना' के लिए जो महिलाएं पात्र नहीं हैं, उनसे अपील की कि वे स्वेच्छा से योजना का लाभ छोड़ दें। उन्होंने कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से पिछड़ी महिलाओं के लिए है। पवार ने कहा, जो लोग आयकर का भुगतान करते हैं, वे भी इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। उन्हें स्वेच्छा से इस लाभ को छोड़ देना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि पात्र लाभार्थियों को अगले महीने से उनके मासिक भत्ते मिलेंगे।

ईवीएम को लेकर विपक्षी दलों पर साधा निशाना

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर उन्होंने विपक्षी पर दोहरे रुख का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब विपक्ष दल कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में चुनाव जीतते हैं तो ईवीएम की तारीफ करते हैं, लेकिन जब हारते हैं तो उन्हीं मशीनों पर आरोप लगाते हैं। पवार ने राकांपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार रहें।

बेटे को अपने पिता को दफनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट आना पड़ रहा है, ये दुखद : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि एक बेटे को अपने पिता को दफनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट आना पड़ रहा है, ये बेहद दुखद है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने रमेश बघेल नामक याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। रमेश बघेल ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। दरअसल उच्च न्यायालय ने रमेश के पिता को (जो कि एक ईसाई पादरी थे) गांव के कब्रिस्तान में दफनाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि एक व्यक्ति को, जो उस गांव में रहा, उसे मृत्यु के बाद गांव के कब्रिस्तान में दफनाने क्यों नहीं दिया जा रहा है? शव बीती 7 जनवरी से मोर्चरी में रखा हुआ है।

राहुल की जेपी नड्डा और आतिशी को चिट्ठी

मरीजों को दिल्ली एम्स में मिले बेहतर सुविधाएं

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को चिट्ठी लिखी, जिसमें उन्होंने दिल्ली एम्स में मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलने की बात कही। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इस चिट्ठी को शेयर किया।

राहुल गांधी ने कहा कि ठिठुरती ठंड में मरीजों और उनके परिजन मेट्रो स्टेशन के नीचे सोने को मजबूर हैं, जहां न तो पीने के पानी की व्यवस्था है और न ही शौचालय की। इतनी बड़ी संख्या में मरीजों का दिल्ली एम्स आना यह भी दिखाता है कि लोग जहां रहते हैं, वहां उन्हें सस्ती और अच्छी क्वालिटी की स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने अपनी चिट्ठी में दिल्ली की मुख्यमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से इस पर तत्काल कदम उठाने की भी बात कही।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देशभर से दिल्ली एम्स आने वाले मरीजों और उनके परिवारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखा है। पिछले दिनों मैंने देखा कि ठिठुरती ठंड में ये मेट्रो स्टेशन के नीचे सोने को मजबूर हैं, जहां न तो पीने के पानी की व्यवस्था है और न ही शौचालय की। आसपास कूड़े-कचरे का भी ढेर लगा रहता है। इतनी बड़ी संख्या में मरीजों का दिल्ली एम्स आना यह भी दिखाता है कि लोग जहां रहते हैं, वहां उन्हें सस्ती और अच्छी क्वालिटी की स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

उन्होंने आगे पोस्ट में लिखा, मैं उम्मीद करता हूं कि मेरे पत्र का संज्ञान लेते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री इस मानवीय संकट को हल करने के लिए तत्काल कदम उठाएंगे। साथ ही आशा है कि केंद्र सरकार आगामी बजट में पब्लिक हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत करने के लिए ठोस पहल करेगी और उसके लिए जरूरी संसाधनों को बढ़ाएगी। बता दें कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बीते दिनों देर रात दिल्ली एम्स का दौरा किया था।

रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट्स में भरा जोश

कहा-2047 तक विकसित भारत बनाने में दें योगदान

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को एनसीसी कैडेट्स में जोश भरा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी एनसीसी कैडेट रहे हैं। पीएम मोदी ने विकसित भारत बनाने लक्ष्य तय किया है। कैडेट्स को उनके लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग करना चाहिए। रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट्स से भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने के लिए कहा।

दिल्ली छावनी में गणतंत्र दिवस को लेकर चल रहे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के शिविर के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैडेटों और अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुझे एनसीसी कैडेटों में भारत की छवि नजर आती है। एनसीसी कैडेट के अनुशासन और एकता की रक्षा मंत्री ने सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में शरीर अनेक हैं, पर आत्मा एक है। शाखाएं अनेक हैं मगर जड़ एक है। किरणें अनेक हैं, मगर प्रकाश एक है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि राजनीति में आने से पहले वह स्वयं एक छात्र, एनसीसी के कैडेट और भौतिकी के शिक्षक थे। कैडेटों की ऊर्जा और उत्साह दर्शाता है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है और होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि एनसीसी युवाओं में नेतृत्व की गुणवत्ता और अनुशासन को बढ़ावा देती है।

गणतंत्र दिवस शिविर में भाग ले रहे 2361 कैडेट :

दिल्ली छावनी में 30 दिसंबर से चले गणतंत्र दिवस शिविर में देश भर से कुल 2,361 एनसीसी कैडेट भाग ले रहे हैं। यह शिविर 27 जनवरी को प्रधानमंत्री की रैली के साथ समाप्त होगा। इस वार्षिक कार्यक्रम में 917 बालिका कैडेट भी भाग ले रही हैं।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति होंगे मुख्य अतिथि :

इस साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर प्रबोवो 25 और 26 जनवरी को भारत में रहेंगे। पहले खबर थी कि प्रबोवो भारत के बाद पाकिस्तान के दौरे पर जाने वाले हैं। हालांकि अब इंडोनेशियाई राष्ट्रपति पाकिस्तान नहीं जाकर मलेशिया की यात्रा करने वाले हैं।

शरद पवार से उद्धव ठाकरे ने की मुलाकात

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने को लेकर विपक्षी महा विकास अघाड़ी गठबंधन के बीच मतभेदों के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने सोमवार को मुंबई में एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की है। मामले में पार्टी सूत्रों ने बताया कि उद्धव ठाकरे ने दक्षिण मुंबई में सिल्वर ओक में मौजूद पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के आवास पर गए और उनसे एक घंटे से अधिक समय तक मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक, विपक्षी गठबंधन के निर्माता शरद पवार ने एमवीए के भीतर उथल-पुथल को शांत करने के लिए कदम उठाया है और हाल ही में कहा कि वह आगामी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने पर चर्चा करने के लिए गठबंधन के तीन घटकों की बैठक बुलाएंगे। शिवसेना (यूबीटी) ने घोषणा की है कि वह स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी।

'पार्टी और सरकार को बचाना मेरा कर्तव्य'

बेलगाम, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस में अंदरूनी कलह की खबरों के बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि उनका कर्तव्य पार्टी और सरकार को बचाना है। उन्होंने कहा, मेरा पहला कर्तव्य कार्यकर्ताओं की सुरक्षा करना है।

मैं अपना काम कर रहा हूं। मीडिया में कोई आपको जो झूठ बोल रहा है, उस पर विश्वास न करें। जब उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस पार्टी में कोई विद्रोह या आंतरिक कलह है, तो उन्होंने कहा, कोई विद्रोह नहीं है। किसी के साथ कोई व्यक्तिगत मतभेद नहीं है। मैं ऐसा अध्यक्ष हूं जो सभी को समान मानता है, मेरे लिए सभी एक समान हैं। मुझे सभी के साथ समान व्यवहार करना चाहिए।

राहुल गांधी से मंत्रियों की शिकायत गलत जानकारी :

कुछ मंत्रियों की तरफ से राहुल गांधी से शिकायत किए जाने के बारे में पूछे जाने पर कि रणदीप सुरजेवाला को कर्नाटक के प्रभारी महासचिव पद से हटा दिया जाना चाहिए, उन्होंने कहा, कोई गलत जानकारी देकर मीडिया की गरिमा को खराब कर रहा है।

मैं रविवार को एक वरिष्ठ विधायक के घर गया था। कुछ टीवी मीडिया ने एक नई कहानी बनाई थी कि उनका किसी से झगड़ा हुआ था। डीके शिवकुमार ने आगे कहा, फिरोज सेठ पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने विधायक के तौर पर मेरे साथ काम किया है। बेलगाम में सम्मेलन चल रहा है। उन्हें इस सम्मेलन की समिति का सदस्य बनाया गया है। संगठन के लिहाज से मैं जिला अध्यक्ष से मिलने गया था। हालांकि, मीडिया ने कुछ और ही रिपोर्ट कर दी। उन्होंने कहा, मीडिया को यह मानकर अपनी गरिमा को खराब नहीं करना चाहिए कि किसी ने कोई स्टोरी प्लांट की है। उन्होंने कहा कि मीडिया को बेलगाम में चल रहे राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम पर ध्यान देना चाहिए। कोई भी आपको जो भी बताता है वह झूठ है। कांग्रेस को सशक्त बनाने के लिए कई संघर्ष और बलिदान किए गए हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए सभी एक समान हैं। कार्यकर्ता, विधायक और मंत्री सभी एक समान हैं।

'मर्डर केस में नहीं किया समझौता' कातिल के बेटों ने मृतक के भाई को बेरहमी से पीटा, घर की छत तोड़ दी

शिवपुरी, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी के तेंदुआ थाना क्षेत्र में हत्या के मामले में राजीनामा नहीं करने पर आरोपियों ने पीड़ित परिवार पर जानलेवा हमला किया। शनिवार की रात हत्या के आरोपों में जेल में बंद आरोपियों के बेटों ने पहले मृतक के भाई की हत्या करने की कोशिश की और जब इससे भी उनका मन नहीं भरा तो मृतक के परिवार के कच्चे मकान की छत पर पत्थर फेंक कर उसे तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इस संबंध में हमने आरोपियों के परिवार के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई। हालांकि, जब राजीनामे पर बात नहीं तो हत्या के ठीक दो साल बाद यानी 18 जनवरी 2025 को आरोपी मुकेश का बेटे आकाश, विकास, आरोपी महाराज सिंह के बेटे गोलू और आरोपी राजेश के बेटे रिंकू ने प्लानिंग करके मृतक मंगल सिंह के भाई केशव धाकड़ पर जानलेवा जानलेवा हमला कर दिया। केशव अपनी पत्नी के साथ लौट रहा था। इसी दौरान आरोपी उसका इंतजार कर रहे थे। केशव को देखते उन लोगों ने हमला कर दिया था।

'यासीन मलिक के मामलों की सुनवाई के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की व्यवस्था की जाए'

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी यासीन मलिक के खिलाफ चल रहे मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू -कश्मीर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से कहा है कि वह यासीन के खिलाफ दो मामलों की सुनवाई कर रही जम्मू की विशेष अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की उचित सुविधा करें। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने रुबिया अपहरण केस और वायु सेना अधिकारी हत्या मामले में चल रही सुनवाई के दौरान आदेश दिया। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को तिहाड़ जेल में भी उचित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पीठ ने दोनों उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रारों को 18 फरवरी को अपनी स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। साथ ही सीबीआई की याचिका पर सुनवाई 21 फरवरी को तय की है।

सीबीआई ने किया था विरोध

शीर्ष अदालत जम्मू ट्रायल कोर्ट के 20 सितंबर, 2022 के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे मलिक को निर्देश दिया गया था कि उन्हें राजनेता मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रूबिया सईद के अपहरण के मामले में अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने के लिए शारीरिक रूप से पेश किया जाए। इस मामले में सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि तिहाड़ जेल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये मामले की सुनवाई करने की सुविधा पहले से उपलब्ध है। मलिक को अदालत ले जाने की जरूरत नहीं है। तिहाड़ जेल में कोर्ट लगता है, इससे पहले भी कई मामले की सुनवाई होती रही है। सीबीआई ने अपनी याचिका में कहा था कि दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद मलिक को सुरक्षा कारणों से जम्मू नहीं ले जाया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में ही जम्मू कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। मलिक तिहाड़ जेल में बंद है।

मृत बेटी पैदा हुई तो ससुरालवाले बोले-इसका डीएनए टेस्ट कराओ

सास ने उठाए वर्जिनिटी पर सवाल 5 साल सही प्रताड़ना; अब कोर्ट से न्याय की उम्मीद

इंदौर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर की एक महिला ससुराल में 5 साल तक प्रताड़ना सहती रही। शादी के अगले दिन सास ने चरित्र पर सवाल उठाए। पहली बार प्रेग्नेंट हुई तो इतना प्रताड़ित किया गया कि मिसकैरेज हो गया। ससुराल में छोटी-छोटी बातों पर उसकी पिटाई की गई। लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के चलते दूसरी बार कोख में ही बेटी की सांसें रुक गईं। तब भी पति और सास-ससुर की प्रताड़ना नहीं थमी। वे कहने लगे कि मृत बच्ची का डीएनए टेस्ट कराया जाना चाहिए। तीसरी बार में पीड़िता ने एक बच्ची को जन्म दिया तो देवर के साथ मायके भेज दिया गया। देवर महिला को अकेला छोड़कर रास्ते से ही लौट गया। इन सबके बावजूद महिला मासूम बेटी के साथ पति और सास-ससुर का रुख बदलने का इंतजार करती रही। लंबा समय बीत गया तो पीड़िता ने इंदौर जिला कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई। मामले में सुनवाई करते हुए 18 जनवरी को कोर्ट ने घरेलू हिंसा का प्रकरण दर्ज कर लिया है। महिला और बाल विकास विभाग से भी जांच रिपोर्ट तलब की है।

सैफ अली खान पर हुए हमले के बाद अलर्ट हुईं मंत्री पंकजा मुंडे

कहा- 'खुद अपने रूम लॉक करके सोएं'

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर उनके घर में चाकू से हुए हमले का मुद्दा देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मुद्दे पर महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि सैफ अली खान पर हुए हमले के बाद लोगों पर काफी ज्यादा साइकोलॉजिकल इंपैक्ट पड़ा है। वह खुद अपने घर पर रूम लॉक करके नहीं सोई थीं। इस घटना के बाद अब लग रहा है कि खुद अपने रूम लॉक करके सोएं। मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा, 'सैफ पर हुए हमले से लोगों पर काफी ज्यादा साइकोलॉजिकल इंपैक्ट हुआ है। एक बड़े स्टार पर हमला हुआ है। यह बात बहुत अंतरमुखी है। हम सोचते हैं कि जिस एरिया में हम रहते हैं, वह एरिया सुरक्षित है, वो बिल्डिंग सुरक्षित है। उसका परिणाम हुआ है कि हम भी अपने घर में लॉक नहीं करते थे, रूम लॉक नहीं करते, लेकिन अब लगता है कि अपने रूम को भी लॉक करके सोएं। यह स्थिति अब लगती है।' पंकजा ने कहा कि सैफ मामले की जांच होनी चाहिए। आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा होनी चाहिए। पुलिस की जांच में इंटरफेयर करना उचित नहीं है और उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। पंकजा ने मुंबई के प्रदूषण के संबंध में कहा कि मुंबई की प्रदूषण की स्थिति का पूरा मुआयना किया है। इन दिनों मुंबई का मौसम ठंडा हो गया था। बहुत सारे डेवलपमेंट के काम चल रहे हैं। डस्ट पार्ट हवा में हैं। इसी कारण प्रदूषण की मात्रा बढ़ी है, ग्रीन लेबल से येलो लेवल गया है। मुंबई के लीलावती अस्पताल के डॉक्टर नितिन डांगे के मुताबिक, आज सुबह सैफ अली खान की मेडिकल जांच होगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला लिया जाएगा कि सैफ को कब डिस्चार्ज करना है।

मैसूर-बेंगलुरु हाईवे पर पलटी बेकाबू होकर बस

25 यात्री घायल; 2 की हालत गंभीर

मैसूरु-बेंगलुरु, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक राज्य परिवहन निगम की एक बस सोमवार को मद्दुर के पास मैसूरु-बेंगलुरु हाईवे पर नियंत्रण खो दिया और सड़क के डिवाइडर से टकराने के बाद सर्विस रोड पर पलट गई। इस हादसे में 25 से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। बस पलटने से पहले सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। घायल यात्रियों का मद्दुर अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि दो गंभीर रूप से घायलों को मंड्या एमआईएमएस में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बस के ड्राइवर ने अचानक नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। मद्दुर ट्रैफिक पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक अन्य खबर में, कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में धर्मस्थल-सुब्रमण्य राजमार्ग पर कडपा के नुजीबलतिला गांव के पास 16 वर्षीय एक लड़के की उस समय मौत हो गई जब उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर एक पुलिया से टकरा गई। पुलिस ने इस घटना की सूचना देते हुए बताया कि मृतक की पहचान आशीष के रूप में हुई है। वह एक स्थानीय निजी स्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था। वह अपनी मोटरसाइकिल से स्कूल जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया। स्थानीय निवासियों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। स्थानीय लोगों ने दुर्घटनास्थल पर पुलिया के अवैज्ञानिक निर्माण को किशोर की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। पुलिस जांच कर रही है कि नाबालिग आशीष को मोटरसाइकिल से स्कूल जाने की अनुमति क्यों दी गई थी। कडपा के तहसीलदार ने पुलिस को मृत छात्र के माता-पिता के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है।

मदुरै में किशोर पर हमला और पैरों पर गिराने का आरोप पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया

चेन्नई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै में एक अनुसूचित जाति के किशोर पर हमला करने और उसे अपने सामने झुकने के लिए मजबूर करने के आरोप में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 16 जनवरी को एक घटना के संबंध में 19 वर्षीय लड़के द्वारा की गई शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। छह लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 351(2) और इसके अलावा एससी एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 की धारा 3(1)(आर) और 3(1)(एस) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अपनी शिकायत में किशोर ने बताया कि कुछ महीने पहले जब वह पुरत्तासी त्योहार के दौरान अपनी धोती को घुटनों पर मोड़कर गांव में घूम रहा था तो छह हिंदुओं ने उस पर आपत्ति जताई। ईसी बात को लेकर उसकी अन्य लोगों से बहस शुरू हुई जो बाद में झड़प में बदल गई। इस घटना के बाद पीड़ित कुछ दिनों के लिए अपने गांव से बाहर रहा, लेकिन पोंगल त्योहार के लिए जैसे ही वह घर वापस लौटा उसे जबरन गांव से दूर ले जाया गया और उसके साथ मारपीट की गई। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने उस पर जातिवादी टिप्पणियां कीं।

लखीमपुर हिंसा के गवाहों को धमकाने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

टेनी मामले में पुलिस से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में हुई लखीमपुर हिंसा मामले में गवाहों को धमकाने के आरोपों पर सख्ती जताई है। कोर्ट ने मुख्य आरोपी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा टेनी पर लगे गवाहों को प्रभावित करने के आरोप पर यूपी पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लखीमपुर खीरी के एसपी मामले की जांच करके पूरी रिपोर्ट सौंपे। सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने गवाहों को धमकाने के आरोपों पर सख्त नाराजगी जाहिर की। वहीं आरोपी आशीष मिश्रा के वकील सिद्धार्थ दवे ने आरोपों से इन्कार किया। आरोपी के वकील ने कहा कि हर बार जब मामला अदालत के समक्ष आता है, तो शीर्ष अदालत द्वारा दी गई जमानत को रद्द करने के लिए इस तरह के दावे किए जाते हैं। उनके मुवक्किल को अनावश्यक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। जबकि शिकायतकर्ताओं के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि उनके पास मामले में महत्वपूर्ण गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की ऑडियो रिकॉर्डिंग है। उन्होंने आरोप लगाया कि आशीष मिश्रा ने जमानत शर्तों का उल्लंघन करते हुए एक सार्वजनिक बैठक में भाग लिया। उन्होंने आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करने की मांग की। प्रशांत भूषण ने कहा कि अदालत आरोपों की सच्चाई का पता लगा सकती है। इसके बाद पीठ ने भूषण और दवे से कहा कि वे अपनी सामग्री उत्तर प्रदेश सरकार की स्थायी वकील रुचिरा गोयल को सौंप दें ताकि उसे लखीमपुर खीरी के एसपी को सौंप दिया जा सके। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा को 22 जुलाई को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था, लेकिन उसे दिल्ली और लखनऊ में न रहने का निर्देश दिया था, ताकि वह गवाहों को प्रभावित न कर सके। इसके बाद 26 सितंबर को शीर्ष अदालत ने आशीष मिश्रा को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने की इजाजत दे दी थी।

2021 को हुई हिंसा में गई थी आठ लोगों की जान

गौरतलब है कि 3 अक्तूबर 2021 को उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के लखीमपुर दौरे के विरोध में किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इसी दौरान एक कार से कुचलकर चार किसानों की मौत हो गई थी। हिंसा में एक पत्रकार की भी मौत हुई थी। इस मामले में आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी है। घटना के बाद गुस्साए किसानों ने कार के ड्राइवर और दो भाजपा कार्यकर्ताओं की भी पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।

रेत माफियाओं के हौसले बुलंद, अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर को पुलिस ने किया जब्त

शहडोल, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में ट्रैक्टर से कुचलकर रेत माफियाओं ने दो सरकारी मुलाजिमों की बीते साल हत्या कर दी थी। इसके बावजूद भी यह रेत का काला कारोबार गोहपारू क्षेत्र में बेधड़क चल रहा है। हालांकि केशवाही पुलिस ने लगातार कार्रवाई कर माफियाओं पर शिकंजा कसा है। जिसके बाद फिर एक ट्रैक्टर को रेत का अवैध परिवहन करते जब्त किया गया है।

जानकारी के अनुसार चौकी केशवाही क्षेत्रांतर्गत ग्राम खरला कसेड़ नदी की तरफ रेत का अवैध उत्खन्न कर परिवहन करने की सूचना पर पुलिस द्वारा दबिश दी गई। ट्रैक्टर बिना नंबर प्लेट के उक्त स्थान पर रेत लोड पाया गया। चालक राजबहोर साहू पिता 23 वर्ष मग्धू साहू एवं सहायक राजू नट दोनों निवासी ग्राम खमरौंध थाना अमलाई द्वारा रेत परिवहन के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। जिस पर वाहन को जब्त कर आरोपी चालक एवं वाहन मालिक के विरूद्ध बीएनएस एवं खनिज अधिनियम एवं मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। यह कार्रवाई चौकी प्रभारी आशीष झारिया के द्वारा की गई है।

20 साल तक के 14 फीसदी युवाओं को लग रही शराब पीने की लत

शिमला, 20 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में शराब का सेवन आम होता जा रहा है। प्रदेश में 14 फीसदी युवा ऐसे हैं, जिन्हें 20 साल तक की उम्र में ही शराब पीने की लत लग रही है। 31 से 40 तक की उम्र के 48 फीसदी लोग शराब के नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं और 38 फीसदी लोग 51 साल की उम्र में शराब पीना शुरू कर रहे हैं। जो इसके आदी हो जाते हैं, उनकी याददाश्त कमजोर हो रही है और हाथों में कंपकंपी होने लगती है। यह खुलासा इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) एवं अस्पताल शिमला में 44 अल्कोहलिक यूज डिसऑर्डर मरीजों पर किए अध्ययन से हुआ है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि शराब दिल और दिमाग के लिए तो धीमा जहर है ही, इसके अधिक सेवन से लिवर और फूड पाइप के कैंसर का भी खतरा बन रहा है। अध्ययन में 44 पुरुष (20 से 60 वर्ष) इलाज के लिए अस्पताल आए। इनमें उन 28 पुरुषों को शराब की लत थी, जिन्हें परिवार और रिश्तेदार उपचार के लिए लाए।

डंपर ने बाइक सवार को 15 फीट तक घसीटा, बस में लगी आग और गाड़ियों में तोड़फोड़

इंदौर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के विजयनगर चौराहे पर सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी और करीब 15 फीट तक घसीटता चला गया। मौके पर मौजूद लोगों ने डंपर को रोकने की कोशिश की, लेकिन ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। सड़क पर घायल पड़े बाइक सवार को तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया। घायल के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। विजयनगर पुलिस के मुताबिक, हादसा रेडिसन चौराहे पर हुआ।

बहू को तेल डालकर जलाया, डीएमसी में भर्ती पीड़िता की बड़ी बहन ने दिया बड़ा बयान

जगरांव, 20 जनवरी (एजेंसियां)। (पंजाब)जगरांव के थाना सिंधवा बेट के अंतर्गत आते गांव सवद्दी कला की रहने वाली एक महिला को उससे ससुराल परिवार ने तेल डालकर जला दिया। महिला लुधियाना के दयानंद अस्पताल में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रही है। महिला बयान देने में असमर्थ है, जिसके चलते पुलिस ने उसकी बड़ी बहन के बयान पर ससुराल परिवार के तीन लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता की पहचान सुखजीत कौर के तौर पर हुई है। आरोपियों में उसके पति गुरप्रीत सिंह, सास मनजीत कौर और ससुर अमरजीत सिंह का नाम शामिल है। चौकी भूदडी के इंचार्ज और इस केस के जांच अधिकारी एएसआई दलजीत सिंह का कहना है कि जल्दी ही तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस को दिए गए बयान में सुखजीत कौर की बड़ी बहन सुमनप्रीत कौर पुत्री सतपाल सिंह निवासी भिंडर खुर्द थाना धर्मकोट मोगा ने लिखवाया था कि नौ वर्ष पहले उसकी बहन सुखजीत कौर की शादी गांव सवद्दी कला के रहने वाले गुरप्रीत सिंह के साथ हुई थी। गुरप्रीत सिंह पेशे से टैंपू चालक है और छोटा हाथी पर लोगों का सामान छोड़कर ही अपने परिवार का गुजारा करता है।

जब जंगल में बाइक सवार पर हाथी ने किया अटैक, डरावना वीडियो आया सामने

तिरुनेल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के वायनाड जिले के तिरुनेल्ली अट्टापारा इलाके से एलिफैंट अटैक का एक डराने वाला वीडियो सामने आया है। एक बाइक सवार पर हाथी ने अचानक हमला कर दिया। यह घटना शनिवार की बताई जा रही है। बाइक पर अपने परिवार के साथ जा रहे व्यक्ति पर जंगल के अंदर से आए हाथी ने अचानक हमला कर दिया। घटना का वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि हाथी ने बाइक सवार पर अचानक हमला कर दिया। कुछ पल के लिए तो बाइक सवार को समझ ही नहीं आया कि क्या करे, लेकिन किसी तरह हाथ-पैर मारकर उसने अपनी बाइक को दोबारा स्टार्ट कर लिया और अपनी व परिवार की जान बचा ली। एलिफैंट अटैक का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना के दौरान कार से जा रहे एक शख्स ने वीडियो बना लिया। वहीं, एक अन्य खबर में केरल की एक अदालत ने संरक्षित वनक्षेत्र में हाथी का शिकार करने के लगभग 15 साल पुराने मामले में तीन लोगों को तीन साल की कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने कहा कि हाथी केरल का राजकीय पशु है और इसके दांतों के लिए शिकार करने के मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

सैफ अली खान केस में अवैध बांग्लादेशी की गिरफ्तारी पर बोले संजय राउत

'सबसे पहले शुरुआत शेख हसीना से होनी चाहिए'

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में आरोपी के अवैध बांग्लादेशी निकलने पर राजनीति तेज हो गई है। शिवसेना-यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि सभी बांग्लादेशियों को निकाला जाना चाहिए और इसकी शुरुआत शेख हसीना से होनी चाहिए, जिन्हें शरण दी गई है। संजय राउत ने कहा कि बीजेपी वाले दावा कर रहे हैं कि सैफ अली खान पर हमला एक अंतरराष्ट्रीय साजिश है। अंतरराष्ट्रीय साजिश क्या है? एक अभिनेता पर हमला हुआ है और लोगों को सच बताया जाना चाहिए। अगर वह बांग्लादेशी है, तो केंद्र सरकार जिम्मेदार है। यह अमित शाह की जिम्मेदारी है और उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

बीएमसी चुनाव की वजह से पैदा कर रहे हैं डर- संजय राउत

उन्होंने कहा कि सभी बांग्लादेशियों को निकाला जाना चाहिए और इसकी शुरुआत शेख हसीना से होनी चाहिए, जिन्हें शरण दी गई है। वे केवल मुंबई नगर निगम चुनावों के कारण डर पैदा कर रहे हैं। जब हम संसद में बांग्लादेशियों के खिलाफ बोलना चाहते थे, तो बीजेपी ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों का हवाला देते हुए हमें रोक दिया। शिवसेना-यूबीटी सांसद ने कहा कि 10 दिन पहले उन्होंने सैफ अली खान पर लव जिहाद का आरोप लगाया और अब वे उसके बारे में चिंतित हैं। उनके बेटे का नाम तैमूर है। उनके लोगों ने उसके बारे में भी बुरा-भला कहा। पीएम मोदी को जानकारी मिल गई और अब तैमूर उनके लिए प्यार का प्रतीक है। बता दें कि मुंबई की एक अदालत ने रविवार को सैफ अली खान पर हमला मामले में गिरफ्तार एक व्यक्ति को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया और कहा कि अंतरराष्ट्रीय साजिश से संबंधित अभियोजन पक्ष की दलील को खारिज नहीं किया जा सकता है। पुलिस ने अदालत को बताया कि कथित हमलावर बांग्लादेशी नागरिक है, और उसके कृत्य के पीछे के मकसद का पता लगाने की जरूरत है।

उत्तराखंड में बारिश का अलर्ट नैनीताल में गिरेंगे ओले चोटियों पर होगी बर्फबारी

नैनीताल, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भले ही मौसम इन दिनों मेहरबान है, लेकिन मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 22 व 23 जनवरी को प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश का असर रहने की संभावना है। नैनीताल में ओलावृष्टि, जबकि ढाई हजार मीटर से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के राज्य निदेशक डॉ। बिक्रम सिंह के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। जिसका अधिक असर 23 जनवरी को प्रदेश के लगभग सभी जिलों में रहने की संभावना है। जिस कारण हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। अधिक ऊंचाई वाले 25 सौ मीटर के ऊपरी क्षेत्रों में हिमपात होने की संभावना है, जबकि नैनीताल सरीखे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ओलावृष्टि होगी। ऊंची चोटियों में हिमपात की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण मौसम में बदलाव आएगा

भारत के इस राज्य में लिथियम की मौजूदगी का संकेत इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के निर्माण को मिलेगा बूस्ट

भुवनेश्वर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण जीएसआई के एक हालिया अध्ययन ने ओडिशा के कुछ जिलों में लिथियम की उपस्थिति का संकेत दिया है। जीएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। बता दें कि लिथियम, सीसा, एल्यूमीनियम उत्पादों और बैटरी के उत्पादन में व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली धातु है। अधिकारी ने बताया कि लिथियम के भंडार पहले कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में पाए गए हैं। जीएसआई के उप महानिदेशक पंकज कुमार ने कहा, ''इस तरह की कोई बड़ी खोज नहीं हुई है, लेकिन (ओडिशा में) लिथियम की मौजूदगी के कुछ संकेत मिले हैं। हम अभी बहुत शुरुआती चरण में हैं, इसलिए हमें कोई दावा नहीं करना चाहिए। हालांकि, भूगर्भीय रूप से बात करें तो पूर्वी घाट इलाके, जैसे नयागढ़, में कुछ संकेत मिले हैं।'' पंकज कुमार सोमवार से कोणार्क में शुरू हो रहे दो-दिवसीय राष्ट्रीय खान मंत्रियों के सम्मेलन से पहले यहां आयोजित जीएसआई की बैठक से इतर बात कर रहे थे। वहीं एक अधिकारी ने कहा, ''यदि ओडिशा में लिथियम पाया जाता है, तो इससे राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।''केंद्रीय खान सचिव वी एल कांता राव ने इस मामले में बात करते हुए बताया कि जीएसआई ड्रोन के इस्तेमाल सहित विभिन्न तरीकों से ओडिशा में खनिज भंडारों का सर्वेक्षण कर रहा है। उन्होंने कहा कि जीएसआई ने लिथियम और तांबे सहित मूल्यवान खनिज संसाधनों का पता लगाने के लिए ड्रोन के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भी उपयोग करना शुरू किया है। वी एल कांता राव ने कहा, ''ड्रोन आधारित प्रौद्योगिकियों के उपयोग से अब चीजें आसान और तेज हो रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''प्रायोगिक आधार पर भारत में दो परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
मंगलवार, 21 जनवरी, 2025 3

सुविचार: सम्पूर्ण अहिंसा अर्थात संकल्प द्वारा भी किसको दुःख न देना

पहली 'महाकुंभ पुण्य क्षेत्र यात्रा' भारत गौरव, सिकंदराबाद से रवाना

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पहली महाकुंभ पुण्य क्षेत्र यात्रा को कवर करने वाली भारत गौरव की 27वीं यात्रा सोमवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू हुई। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थलों को प्रदर्शित करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की गई थीम-आधारित पर्यटक सर्किट भारत गौरव ट्रेन रेल यात्रियों के बीच काफी सफल रही है।

भारत गौरव ट्रेन को वरिष्ठ नागरिक तपन चंद्रा, 77 वर्षीय यात्री ने आईआरसीटीसी के समूह महाप्रबंधक पी. राज कुमार की उपस्थिति में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहली महाकुंभ पुण्य क्षेत्र यात्रा, भारत गौरव ट्रेन जिसने अपनी यात्रा शुरू की, वह वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या के दिव्य/तीर्थ स्थलों को कवर करेगी। 20 जनवरी से 26 जनवरी तक 7 रातों/8 दिनों की महाकुंभ पुण्य क्षेत्र यात्रा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रेल यात्रियों को प्रयागराज में प्रसिद्ध त्रिवेणी संगम, वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, काशी विशालाक्षी और अन्नपूर्णा देवी, अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि, हनुमान गढ़ी के दर्शन करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है, जबकि यात्रियों के लिए भोंगिर, जनगांव में बोर्डिंग और डी-बोर्डिंग की सुविधा है। तेलंगाना में काजीपेट, वारंगल, महबूबाबाद, दोर्नाकल, खम्मम और मधिरा और आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा, एलुरु, राजमंड्री, समालकोट, तुनी, दुव्वाडा, विजाग (पेंदुर्थी), विजयनगरमपूरी यात्रा 7 रातों/8 दिनों की अवधि में पूरी की जाती है। इसमें सभी यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों सहित), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था (सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना - ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड दोनों) शामिल हैं।

ट्रेन में सुरक्षा (सभी कोचों में लगे सीसीटीवी कैमरे सहित), सभी कोचों में सार्वजनिक घोषणा सुविधा, यात्रा बीमा और सहायता के लिए पूरी यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी टूर मैनेजरों की मौजूदगी। आईआरसीटीसी 15 जनवरी से 21 जनवरी तक दूसरी महाकुंभ पुण्य क्षेत्र यात्रा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन भी चलाएगी, जिसका विवरण नीचे दिया गया है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के लिए यात्रियों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत गौरव ट्रेनें देश में आध्यात्मिक पर्यटन के विकास को बढ़ावा दे रही हैं।

तेलंगाना में कई स्थानों पर तापमान एक अंक तक गिरा

10 दिनों तक थी राहत

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग 10 दिनों की राहत के बाद, हैदराबाद के बाहरी इलाकों और तेलंगाना राज्य के कई जिलों में सोमवार को न्यूनतम तापमान गिरकर एकल अंक तक पहुंच गया।

रविवार शाम और सोमवार सुबह के बीच न्यूनतम तापमान का औसत शहर के बाहरी इलाके मोइनाबाद में 9.4 डिग्री सेल्सियस था, जबकि जिलों में, कुमरामभीम आसिफाबाद, आदिलाबाद, संगारेड्डी और निर्मल में कई स्थानों पर तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस और 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), हैदराबाद द्वारा सोमवार दोपहर के पूर्वानुमान में कहा गया है कि अगले 3 दिनों तक निर्मल, आदिलाबाद और मंचेरियल जिलों में अलग-अलग स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस और 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। आईएमडी-हैदराबाद ने यह भी चेतावनी दी है कि अगले 3 दिनों तक तेलंगाना के अलग-अलग इलाकों में सुबह के समय कोहरा और धुंध छाए रहने की संभावना है।

रात में चोरी करने वाला कुख्यात चोर गिरफ्तार

चालीस से अधिक वारदातों को दे चुका अंजाम

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के कमिश्नर टास्क फोर्स सेंट्रल जोन की टीम के साथ-साथ कीसरा पुलिस थाने के जवानों ने रात में चोरी करने वाले मोस्ट वांटेड, आदतन घर में सेंधमारी करने वाले अपराधी भरत कुमार शर्मा उर्फ राहुल कुमार शर्मा को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा, जब वह चोरी की गाड़ी पर सवार होकर चोरी का अपराध करने की कोशिश कर रहा था। सात संपत्ति चोरी के मामलों का पता लगाया, जिसमें पांच संपत्ति चोरी, दो मोटर साइकिल चोरी के मामले शामिल हैं। इससे पहले वह हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा और अन्य जिला थाने में 40 से अधिक संपत्ति चोरी के मामलों में शामिल था। लोहे की रॉड, स्क्रू ड्राइवर के साथ दो मोटर साइकिल जब्त की। पकड़े गया आरोपी भरत कुमार शर्मा उर्फ राहुल कुमार शर्मा कोकरवाड़ी, चारमीनार, हैदराबाद का रहने वाला है। उसके कब्जे से दो मोटर साइकिल, एक स्क्रू ड्राइवर और लोहे/स्टील की रॉड मिला है। आरोपी भरत कुमार शर्मा उर्फ राहुल कुमार शर्मा, जेल में रहते हुए चोरी के अपराधियों से परिचित हुआ, जेल से रिहा होने के बाद वह अपने सहयोगी के साथ संपत्ति चोरी का अपराध करता था। वह मोटरसाइकिल चोरी करता था और घर तोड़ने वाले उपकरण यानी लोहे की रॉड, स्क्रू ड्राइवर आदि खरीदता था और रात के समय अलग-अलग कॉलोनियों में घूमता था। मोटरसाइकिल पर घूमकर बंद घरों की पहचान करता था। बंद घर की पहचान करने के बाद, उसके साथी आस-पास के स्थानों पर लोगों की आवाजाही पर नज़र रखते हैं और उपलब्ध उपकरणों से मुख्य दरवाज़े का ताला तोड़ता था। स्क्रू ड्राइवर से अलमारी, कपबोर्ड खोलता हैं और शुद्ध नकदी, सोने के गहने, चांदी के गहने/सामान आदि की चोरी करते हैं और उसके साथी चोरी की गई संपत्ति को ठिकाने लगा देते हैं। आरोपी भरत कुमार शर्मा का जन्म और पालन-पोषण कोकरवाड़ी, चारमीनार, हैदराबाद में हुआ है। उसने

5वीं कक्षा तक पढ़ाई की। बाद में शराब, सिगरेट, गांजा पीने जैसी सभी तरह की बुरी आदतों का आदी हो गया। 2007 से उसने संपत्ति की चोरी के अपराध करना शुरू कर दिया। इससे पहले वह हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा और अन्य जिला पीएस में (40) से अधिक संपत्ति चोरी के मामलों में शामिल था। वर्ष 2015 और 2016 में आपराधिक रिकॉर्ड के कारण चारमीनार पीएस ने उसके खिलाफ पीडी अधिनियम लगाया। बीते 19 जनवरी को टास्क फोर्स सेंट्रल जोन की टीम ने आरोपियों की गतिविधियों पर नज़र रखते हुए विश्वसनीय सूचना के आधार पर आरोपी भरत कुमार शर्मा को चोरी के वाहन के साथ अपराध करने के लिए जाते समय पकड़ा। पकड़े गए आरोपी को जब्त सामग्री के साथ एसएचओ, कीसरा पीएस, राचकोंडा कमिश्नरेट को आवश्यक कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया।

कल्याणकारी योजनाओं में 'कटौती' करने वाली सरकार है कांग्रेस : केटीआर

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर एक साल के शासन में कई कल्याणकारी योजनाओं में कटौती करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बीआरएस कार्यकाल के दौरान लागू की गई कई योजनाओं को या तो कम कर दिया है या बंद कर दिया है, जिसका किसानों, महिलाओं, छात्रों और हाशिए पर पड़े समुदायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में तेलंगाना में लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ न देने के लिए कटौती और कटऑफ के अलावा कुछ नहीं हुआ है। उन्होंने प्रभावित योजनाओं की एक श्रृंखला सूचीबद्ध की। इनमें ऋण माफी, रैतु भरोसा सहायता, सिंचाई परियोजनाएं, माताओं के लिए केसीआर किट और पोषण किट शामिल हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए वादा किए गए महालक्ष्मी वित्तीय सहायता, शहीदों के परिवारों के लिए पेंशन और किरायेदार किसानों और एससी/एसटी परिवारों के लिए लाभ के कार्यान्वयन की भी आलोचना की।

टिकट कालाबाजारी से निपटने में रेलवे सुरक्षा बल की भूमिका अहम : जी.एम. ईश्वर राव

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महानिरीक्षक (आईजी)-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (पीसीएससी) आरपीएफ दक्षिणी रेलवे जी.एम. ईश्वर राव ने कहा कि भारतीय रेलवे टिकट प्रणाली में टिकट दलाली और कालाबाजारी का लगातार मुद्दा एक बड़ी चुनौती का प्रतिनिधित्व करता है, खासकर पीक यात्रा अवधि के दौरान। ये अवैध गतिविधियां न केवल वैध यात्रियों के लिए टिकटों तक न्यायसंगत पहुंच से समझौता करती हैं, बल्कि रेलवे प्रणाली में जनता के विश्वास को भी कम करती हैं। जवाब में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इस समस्या को दूर करने और रेलवे सेवाओं तक निष्पक्ष पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक और बहुआयामी रणनीति लागू की है। आरपीएफ द्वारा कई पहल की गई है। उन्होंने कहा कि आरपीएफ के साइबर सेल विसंगतियों की पहचान करने के लिए बुकिंग पैटर्न की सावधानीपूर्वक जांच करते हैं और टिकट काउंटरों और साइबर कैफ़े को लक्षित करके

सटीक कार्रवाई करते हैं। इन सक्रिय उपायों के परिणामस्वरूप अनधिकृत टिकटों को जब्त किया गया है और कई दलालों को पकड़ा गया है, जिससे उनके अवैध राजस्व स्रोतों में काफी कमी आई है। उन्नत तकनीकी उपकरणों का उपयोग करते हुए, आरपीएफ ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफ़ॉर्म की निरंतर निगरानी करता है। बल्क बुकिंग और अनियमित लेनदेन सहित संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी करके और टिकट काउंटरों पर सीसीटीवी लगाकर, आरपीएफ प्रभावी रूप से कालाबाजारी का पता लगाने और उसे रोकने की अपनी क्षमता को मजबूत करता है। आरपीएफ संदिग्ध खातों की पहचान करने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ मिलकर काम करता है। यह सहयोगी पहल एजेंट और व्यक्तिगत उपयोगकर्ता आईडी दोनों के दुरूपयोग को रोकने का प्रयास करती है, जिससे अधिक सुरक्षित और पारदर्शी टिकटिंग प्रणाली सुनिश्चित होती है।

बेंगलुरू मेट्रो के किराया बढ़ाने की योजना के बाद हैदराबाद मेट्रो पर नजर

यात्रियों को रास नहीं आया बीएमआरसीएल का फैसला

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा सभी श्रेणियों में बस किराए में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने के बाद, बेंगलुरू मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) बढ़ती परिचालन लागत का हवाला देते हुए मेट्रो किराए में लगभग 43 प्रतिशत की वृद्धि करने की योजना बना रही है। बीएमआरसीएल के अधिकारियों ने दावा किया कि मेट्रो का संचालन शुरू होने के बाद से किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया। परिचालन लागत में वृद्धि और स्टेशनों और ट्रेनों के रखरखाव, महिलाओं के लिए समर्पित कोच की पेशकश, वरिष्ठ नागरिकों और अन्य लोगों के लिए विशेष सेवाओं के प्रावधान की आवश्यकता को देखते हुए, बीएमआरसीएल ने मेट्रो किराए में वृद्धि की अनिवार्यता पर जोर दिया। बीएमआरसीएल ने किराया निर्धारण समिति की सिफारिशों के आधार पर किराए में वृद्धि का प्रस्ताव रखा। हालांकि, बीएमआरसीएल का यह फैसला यात्रियों को रास नहीं आया। कर्नाटक सरकार की तरह तेलंगाना सरकार भी राज्य में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना लागू कर रही है। ऐसे में यात्रियों को चिंता है कि तेलंगाना सरकार भी बस किराए में बढ़ोतरी कर सकती है। इसके अलावा, बीएमआरसीएल द्वारा मेट्रो किराया बढ़ाने के प्रस्ताव को देखते हुए कई लोगों को आशंका है कि हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएमआरएल) भी ऐसा ही कर सकता है। स्मरणीय है कि एचएमआरएल के प्रबंध निदेशक एनवीएस रेड्डी ने कहा था कि रियायतग्राही एलएंडटी को प्रतिवर्ष 1,300 करोड़ रुपये का भारी घाटा हो रहा है तथा पिछले कुछ वर्षों में यह घाटा 6,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

पूर्व तट रेलवे
विज्ञापन अधिकारों के लिए ई-नीलामी
नीलामी सूची सं.: WAT-Hyb-MAG-02
लॉट सं./श्रेणी: हाइब्रिड-ऑन-B-140958-24-2 (हाइब्रिड NFR-ऑन-बोर्ड हाइब्रिड)
विवरण: 20833-34 विशाखापटनम-सिकंदराबाद-विशाखापटनम वंदे भारत, 22701-02 विशाखापटनम-गुंटूर-विशाखापटनम डबल डेकर और 08551-51 विशाखापटनम-किरंदुल-विशाखापटनम एक्सप्रेस के विस्टाडोम कोचों में यात्रियों के लिए ऑन बोर्ड नि:शुल्क लाइफस्टाइल पत्रिका का वितरण।
लॉट प्रारंभ तिथि और समय: 22.01.2025 को 1100 बजे
लॉट समाप्ति तिथि और समय: 22.01.2025 को 1130 बजे
दर इकाई: वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क, यात्राएं/दिन: 1095, न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2%, लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।
उपरोक्त ई-निविदा के लिए ई-निविदा दस्तावेज सहित पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक वाल्टियर
PR-895/P/24-25

CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME
I, LINSIE MARY,D/o No JC-332776A, SUB F RICHARD AROCKIA DASS, R/o: H. No. 4/7, Bharathiyar Street, Kakkanur, Villupuram, TN-605402. Do hereby state that That, I have changed my Name from LINSIE MARY to LINSIE MARY R for all record purposes. Affidavit dated 20 Jan 2025.

I Army no:15418614-L HAV/AA Raman kumar want to change my mother name From Krishna Devi to Krishna kumari in my service documents vide Affidavit dated 15/01/2025, before moghal nagar near langer house hyderabad

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जीएचएमसी पार्क स्थल को अलग करने पर मेयर नाराज

> परिसर से सब्जी के पौधों को हटाने का निर्देश

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने जुबली हिल्स रोड नंबर 36 पर जीएचएमसी की पार्क भूमि के हस्तांतरण पर अपना गुस्सा व्यक्त किया है। सोमवार को मेयर ने डीसी प्रशांति और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ वीरान पड़े पार्क का निरीक्षण किया। मेयर के ध्यान में यह बात आई कि एक निजी व्यक्ति ने जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन के पीछे पार्क के बाहर लगे जीएचएमसी बोर्ड को हटा दिया और बोर्ड को नजरों से बचाकर जीएचएमसी पार्क में सब्जियां उगाने के लिए पाइप लाइन लगा दी। ज्ञात हुआ कि जिस व्यक्ति का पार्क के बगल में फ़्लैट है, उसने अपनी बाउंड्री पर एक बड़ी सुरक्षा दीवार बना ली है और सीढ़ी का उपयोग

करके पार्क में उतर रहा है और खाली जगह पर सब्जियां उगा रहा है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि एक निजी व्यक्ति पार्क की जगह पर कब्जा कर रहा है और सब्जियां उगा रहा है, महापौर ने नगर नियोजन अधिकारियों को तुरंत एक सर्वेक्षण करने और पार्क में परिसर की दीवार और सब्जी के पौधों को हटाने और जीएचएमसी बोर्ड स्थापित करने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने करीब 15 हजार करोड़ रुपये की बेदखल जमीन बचाई। इस अवसर पर बोलते हुए, मेयर ने चेतावनी दी कि कोई भी जीएचएमसी पार्क स्थान या खाली स्थानों की उपेक्षा नहीं करेगा। उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीईओ ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

> चुनावी प्रक्रिया से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी ने तेलंगाना में चुनावी प्रक्रिया से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सोमवार को अपने कार्यालय में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, सीईओ ने कहा कि विशेष सारांश संशोधन 2025 का अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी को किया गया था। उन्होंने मतदाता नामांकन की वर्तमान स्थिति और राज्य की मतदाता सूचियों में सटीकता और समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए की जा रही पहलों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यापक बनाने में सभी हितधारकों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। सीईओ ने यह भी घोषणा की कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी, 2025 को मनाया जाएगा, जिसमें तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से राज्य में मतदाता जागरूकता और भागीदारी को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। बैठक में भाग लेने वाले राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सीपीआई (एम) शामिल रहे।

डीएमआरएल क्रॉस रोड से मैलारदेवपल्ली रोड बनी मौत की सड़क

पिछले तीन दिनों में चली गई 4 लोगों की जान, सड़क पर बहुत कम हैं सुरक्षा उपाय

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली-डीएमआरएल चौराहा मोटर चालकों, खास तौर पर दोपहिया वाहन चालकों के लिए मौत का जाल बनता जा रहा है। पिछले तीन दिनों में एक बच्चे समेत चार लोगों की जान चली गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह सड़क छह लेन की है, जिसमें चंद्रायनगुट्टा और फिस्सलबांडा जंक्शन पर दो फ़्लाईओवर हैं। 100 फीट चौड़ी इस सड़क पर बहुत कम सुरक्षा उपाय हैं और अब लगभग 9 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर हर हफ्ते जानलेवा दुर्घटनाएं हो रही हैं।

गुलशन इकबाल कॉलोनी के निवासी और आईटी कर्मचारी मोहम्मद अब्दुल समद ने शिकायत की कि इस सड़क पर कई जगहों पर स्ट्रीट लाइटें काम नहीं कर रही हैं, क्योंकि सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं। इस वजह से, नियमित रूप से दुर्घटनाएं हो रही हैं। डीएमआरएल जंक्शन से हफीज बाबानगर तक कई जगहों पर स्ट्रीट लाइटें काम नहीं कर रही हैं। साथ ही, 'यू-टर्न' वाली जगहों पर भी अधिकारियों को अतिरिक्त रोशनी की व्यवस्था करनी चाहिए।

रियासतनगर निवासी सैयद मोइज ने कहा कि अवैज्ञानिक तरीके से यू-टर्न लेने के कारण यातायात धीमा हो जाता है और हमेशा बड़े वाहनों के दोपहिया वाहनों और कारों से टकराने का डर बना रहता है। बंदलागुडा चौराहे से लेकर पल्ले चेरुवु जंक्शन तक स्थिति बहुत खराब है। जहांगीराबाद के स्थानीय निवासी नसीर अहमद ने कहा कि इस सड़क का एक बड़ा हिस्सा कीचड़ भरा रहता है और यहां तेज गति या लापरवाही से वाहन चलाने वालों की जांच के लिए कोई सड़क सुरक्षा उपाय नहीं हैं।

हार्दिक श्रद्धांजलि
स्व. श्रीमती सरबतीदेवी
(धर्मपत्नी : स्व. श्री महावीर सिंहजी)
स्वर्गवास : रविवार, 5 जनवरी 2025
माँ

तुम्हारे व्यक्तित्व के बारे में कहने बैठे तो शब्द भी कम पड़ रहे हैं..
इसलिए आज हम सब तुम्हारे सामने नतमस्तक खड़े हैं..
माँ का आँचल छूट गया ममता से महरूम हो गए..
हम सबको अकेला छोड़कर तुम सितारों में गुम हो गए..
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : अशोक कुमार, सुनील कुमार (पुत्र)
गीता, सुनीता, कविता, बबिता, दीपा (पुत्री)
सुमित कुमार (पौत्र) माही (पौत्री) एवं समस्त बैद परिवार

छठवीं पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती जस्सीबाई सोयल
धर्मपत्नी स्व. श्री चुन्नीलालजी सोयल, मरुधर में जांणुदा
स्वर्गवास 21.01.2019
मीठी मधुर स्मृतियां आपकी, कभी नहीं मिट पाएगी। आपका व्यवहार आपकी बातें, सदैव हमें याद आएगी।। हम सबकी हार्दिक श्रद्धांजलि
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता: प्रकाश-कन्यादेवी, जितेंद्र-प्रेमकुमारी (पुत्र-पुत्रवधू), भंवरीबाई-नारायणलालजी, मोनीबाई-जीवारामजी, सुकीदेवी-अमरारामजी (पुत्री-दामाद), निर्मला-कमलेशजी, दुर्गा-दिनेशजी (पौत्री-दामाद), संतोष, सौरव, मोहित (पौत्र), कलाराम, भुराराम, कालूराम (देवर), मगराज, दीपाराम, ताराराम, अशोक, मांगीलाल, उत्तम, सुरेंद्र, नरेन्द्र, ललित एवं समस्त सोयल परिवार
: प्रतिष्ठान :
न्यू प्रकाश इलेक्ट्रिकल्स सप्लायर, अमीरपेट
9985878157, 9849315118
AAIMAA ADS

जीतन राम मांझी के बयान से सियासी बवाल

आरजेडी ने दिया ऑफर, जेडीयू ने कहा- 'सीएम नीतीश के रहते अपमान कैसे संभव'

जहानाबाद, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले जहां इंडिया गठबंधन में खींचतान की खबरें आ रही थीं वहीं अब ऐसा लग रहा है कि एनडीए में भी सब कुछ ठीक नहीं है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बयान से तो यही संकेत मिल रहा है। दरअसल, जहानाबाद में एक रैली के दौरान मांझी का दर्द छलका था। झारखंड के बाद अब दिल्ली के चुनाव में एक भी सीट नहीं मिलने पर उन्होंने यह कहा है कि हमें धोखा दिया गया, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव में ये धोखा नहीं चलने वाला। मांझी के बयान के बाद बिहार की राजनीति में बवाल मच गया है। सोमवार (20 जनवरी) को इस पर अलग-अलग दलों की ओर से इस पर प्रतिक्रिया आई है। जेडीयू नेता नीरज कुमार ने कहा कि मांझी का अपमान कौन कर सकता है। एनडीए में औकात दिखाने की जरूरत नहीं। वहीं आरजेडी ने तो जीतन राम मांझी को ऑफर तक दे दिया है कि एनडीए छोड़कर सम्मान की लड़ाई लड़िए। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने मांझी के बयान पर कहा कि बिहार में मां-पिता पालन पोषण अधिनियम लागू है। यहां कोई भी बुजुर्ग व्यक्ति को अपमानित नहीं कर सकता। सीएम नीतीश कुमार के रहते अपमान कैसे संभव है? मांझी की पार्टी केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल है बिहार के मंत्रिमंडल में भी शामिल है। नीरज कुमार ने कहा कि एनडीए के जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में उनकी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सहित जिले के नेता भाग ले रहे हैं। एनडीए में कहीं कोई दरार नहीं बल्कि करार है 2025 में फिर से नीतीश। इसमें 'हम' पार्टी की भी साझेदारी है। हालांकि जेडीयू नेता ने कहा कि दूसरे राज्यों में जीतन मांझी को सीटें क्यों नहीं मिलीं इस संदर्भ में हम कुछ नहीं कह सकते। यह भी कहा कि गठबंधन में औकात दिखाने की जरूरत किसी को नहीं पड़ेगी।

'हम लोग एक परिवार की तरह हैं'

बीजेपी ने जीतन राम मांझी और उनकी पार्टी को एनडीए का परिवार कहा है। बीजेपी के प्रवक्ता कुंतल कृष्णा ने कहा कि एनडीए एक परिवार है और परिवार के लोग ही चुनाव लड़ते हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को उखाड़कर फेंकना है। वहां किसी भी दल का उम्मीदवार हो वह एनडीए के सभी दल के उम्मीदवार हैं इसलिए इस मामले का कोई मतलब नहीं है और हम लोग एक परिवार की तरह हैं।

मांझी को तेजस्वी के साथ आने का ऑफर

दूसरी ओर आरजेडी नेता और पार्टी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि जीतन राम मांझी एक अनुभवी नेता हैं। उन्हें भारतीय जनता पार्टी का चाल चरित्र पता होना चाहिए। मांझी जिस समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं वह उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। अपने केंद्रीय मंत्री बनने के लिए अपमान सह रहे हैं। आपकी (मांझी) हैसियत और औकात बीजेपी ने बता दी। अब आप रो रहे हैं। आप कुर्सी को लात मारिए और जो लड़ाई तेजस्वी यादव दलित शोषित वंचित के लिए लड़ रहे हैं उसमें भाग लीजिए। जीतन राम मांझी के महागठबंधन में आने के सवाल पर मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि लालू यूनिवर्सिटी से ही जीतन राम मांझी निकले हैं। जीतन राम मांझी को तय करना है कि आगे क्या करेंगे। बीजेपी ने अपने सहयोगियों को ही तोड़ा और ठगा है। मांझी क्यों चक्कर में पड़े हुए हैं उनकी पार्टी को बीजेपी तोड़ देगी। बता दें कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी और जेडीयू को आंख दिखाने की कोशिश की है। सवाल यह है कि अगर बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ये हालत है तो विधानसभा चुनाव के समय मांझी की पार्टी क्या करेगी?

पवन सिंह की पत्नी ज्योति ने कर दी पीएम मोदी और सीएम नीतीश की तारीफ, क्या एनडीए में होंगी शामिल?

रोहतास, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भोजपुरी पावरस्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने पिछले दिनों बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। इसके बाद से लगातार वे सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच रोहतास में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की। इससे एक सवाल उठ रहा है कि क्या वे एनडीए में शामिल होने का मन बना रही हैं? ज्योति सिंह ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो काम किए हैं वह शायद ही कोई अन्य प्रधानमंत्री कर सके। विदेशों में भी भारत का नाम रोशन हो रहा है। मोदी जहां-जहां जाते हैं वहां 'मोदी-मोदी' के नारे गूंजते हैं। ज्योति सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए ऐसा काम किया है जो आज तक कोई नहीं कर सका। महिलाएं अब नौकरी, राजनीति और हर क्षेत्र में अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं। आज मैं रात में भी बेफिक्र होकर अपने घर जा सकती हूं। यह सब मुख्यमंत्री के कामों का ही नतीजा है। पहले के समय में महिलाएं रात में बाहर निकलने से डरती थीं। बता दें कि भोजपुरी स्टार पवन सिंह 2024 के लोकसभा चुनाव में काराकाट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे थे।

सपा के 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी, प्रिया सरोज और आजम खान का भी नाम

मिल्कीपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। विधानसभा उपचुनाव के लिए सपा ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी। इसमें पहली बार सांसद बनी 26 साल की प्रिया सरोज का भी नाम है। प्रिया सरोज क्रिकेटर रिंकू सिंह से शादी पक्की होने के बाद से सुर्खियों में हैं। जेल में बंद आजम खान का नाम भी इस लिस्ट में है। इसके अलावा, डिंपल यादव, पूर्व मंत्री आनंद सेन, प्रो. रामगोपाल यादव, पवन पांडेय जैसे नाम भी स्टार प्रचारकों में शामिल किए गए हैं। मिल्कीपुर में 5 फरवरी को वोटिंग है। 8 फरवरी को रिजल्ट आएगा। सपा ने यहां से अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को उतारा। जबकि भाजपा ने नए चेहरे चंद्रभानु को टिकट दिया। चंद्रशेखर आजाद की पार्टी ने भी यहां से संतोष कुमार उर्फ सूरज चौधरी को उतारा है। तीनों प्रत्याशी पासी समुदाय से आते हैं।

संभल हिंसा: ज्यूडिशियल कमेटी मंगलवार को दर्ज करेगी बयान, चश्मदीदों से की गई ये अपील

संभल, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल स्थित शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा की जांच को लेकर अब नई जानकारी सामने आई है। संभल में हुई हिंसा की जांच के लिए 21 जनवरी 2025, मंगलवार को तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की टीम संभल पहुंच रही है। ऐसे में ये टीम 24 नवंबर को हुई हिंसा के संबंध में जांच पड़ताल करेगी। संभल हिंसा की जांच के लिए बनाई गई तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग टीम की ओर से एक सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की गई है। जिसमें उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा की, जो कोई भी व्यक्ति उक्त घटना के संबंध में अपना कोई बयान दर्ज कराना चाहता है तो वह कल 21 जनवरी 2025 को सुबह 11 बजे से 4 बजे तक संभल में पीडब्ल्यूडी के डाक बंगले पर आकर अपना बयान दर्ज करा सकता है।

संभल हिंसा में 70 आरोपी हुए गिरफ्तार

संभल हिंसा से जुड़े 70 आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। संभल हिंसा में जिन चार युवकों की हिंसा के दौरान मौत हुई थी, उनमें से 2 की हत्या करने वाले गैंग का सरगना मुल्ला अफरोज को भी पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। मुल्ला अफरोज और उसके सहयोगियों ने ही शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान पुलिस बल पर फायरिंग की थी। ऐसे में कल तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग टीम स्थानीय लोगों को अपना बयान दर्ज कराने का मौका दे रही है। संभल के एएसपी श्रीशचंद्र हिंसा ने बताया कि हिंसा में शामिल लोगों पर लगातार कार्रवाईहो रही है। एसपी ने बताया कि मुल्ला अफरोज पुराना और शातिर बदमाश है। वह पहले भी जेल जा चुका है।

इसके साथ उसपर कई आपराधिक मुकदमे भी दर्ज हैं। 24 नवंबर को हुई हिंसा में ये अपने साथियों के साथ मौके पर मौजूद था और पुलिस बल पर फायरिंग भी कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से एक पिस्टल और कारतूस भी बरामद किए हैं। वहीं इस मामले में अभी तक 70 लोगों की गिरफ्तार हो चुकी है।

बंद कमरे में मिले फौजी की पत्नी और दो बच्चों के शव अंगीठी के धुएं से दम घुटने से मौत की आशंका

उन्नाव, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कटरा मोहल्ले में महिला और उसके दो बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। फौज में तैनात पति ने कई बार फोन मिलाया न उठने पर मुन्नी खेड़ा गांव में रहने वाले परिजनों को सूचना दी। भाई ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खटखटाया न खुलने पर छत के रास्ते अंदर पहुंचा। कमरे में तीनों मृत पड़े थे। यह देख कोहराम मच गया। पुलिस ने जांच की, प्रारंभिक जांच में बेड के पास अंगीठी रखी मिली है। धुएं से दम घुटने से मौत का अनुमान लगाया जा रहा है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कटरा निवासी आलोक सिंह सेना में सूबेदार के पद पर तैनात हैं। मौजूदा समय में वह लद्दाख में तैनात हैं। सोमवार सुबह उन्होंने अपनी पत्नी रचना सिंह उर्फ नीशू (35) को फोन मिलाया न उठने पर कई बार कॉल की लेकिन रिसीव नहीं हुआ, इस पर उन्होंने फतेहपुर 84 थानाक्षेत्र के मुन्नीखेड़ा गांव में रहने वाले परिजनों को फोन ना उठने की जानकारी दी। आलोक का छोटा भाई पंकज सुबह 10 बजे कटरा स्थित घर पहुंचा।

सरकारी अस्पताल में अचानक पहुंच गईं डीएम अस्मिता लाल

मरीजों से इलाज और खाने की क्वालिटी का लिया फीडबैक

बागपत, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने जिला संयुक्त चिकित्सालय और महिला अस्पताल का निरीक्षण किया। प्रसव कक्ष का निरीक्षण निर्देश दिए कि प्रसव कक्ष में आवश्यक उपकरण और साफ-सफाई का ध्यान रखा गया है। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में कुपोषित बच्चों और माताओं के लिए दी जा रही सेवाओं की सराहना की। जिलाधिकारी ने कहा कि स्पेशल न्यूबार्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) का निरीक्षण करते हुए नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए उपलब्ध उपकरणों और स्टाफ की जानकारी ली। ब्लड बैंक का जायजा लिया और रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रक्त की कमी जैसी समस्या को टालने के लिए नियमित रक्तदान शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। डीएम ने औषधि कक्ष का निरीक्षण के दौरान दवाइयों की उपलब्धता और वितरण प्रक्रिया को देखा। निर्देश दिए कि दवाइयों के स्टाक की नियमित समीक्षा होती रहे। बंद पड़ी लिफ्ट को देखा और संचालित कराने के निर्देश दिए, ताकि बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कैंटीन का निरीक्षण करते हुए परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की। मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर खाने के स्वाद और गुणवत्ता के बारे में फीडबैक लिया, जिसे उन्होंने संतोषजनक पाया। मरीजों और उनके स्वजन से संवाद किया। मरीजों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं और उपचार की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया।

लड़की को भगाने वाला युवक गिरफ्तार, किशोरी फिर पहुंची उसके घर; ग्रामीणों ने किया हंगामा

जौनपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जौनपुर के पवारा थाना क्षेत्र की किशोरी को तेजीबाजार के नेवढ़िया गांव निवासी दूसरे वर्ग का युवक भगा ले गया था। देर शाम किशोरी पुलिस को मिल गई। किशोरी के पिता ने तीन दिन पहले बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी सल्लू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उधर पिता ने किशोरी को अपनाने से इन्कार कर दिया। इस पर लड़की दोबारा आरोपी के घर पहुंच गई। इस पर ग्रामीणों ने विरोध जताया। उनका कहना है कि युवक का साथी भी एक किशोरी को सूरत भगा ले गया है। क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा ने बताया कि पुलिस ने पहले ही किशोरी को परिजनों को सौंप दिया था लेकिन घरवालों ने अपनाया नहीं तो किशोरी पुनः नेवढ़िया पहुंच गई। देर शाम पवारा पुलिस किशोरी को अपने साथ लेकर आई है। सोमवार को किशोरी का बयान न्यायालय में होने के बाद फिर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बीएचयू के छात्रों ने बजट पेश होने के ठीक पहले वित्त मंत्री से लगाई गुहार, रख दी ये बड़ी मांग

वाराणसी, 20 जनवरी (एजेंसियां)। 31 जनवरी से संसद का बजट सत्र प्रारंभ हो रहा है। 1 फरवरी को संसद में 2025-26 का बजट पेश किया जाएगा। इसी को लेकर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत की। इस दौरान छात्रों का कहना था कि खास तौर पर शिक्षा क्षेत्र के लिए इस बार बजट बढ़ाया जाना चाहिए। साथ ही बीते वर्षों में शोध अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए मिलने वाली स्कॉलरशिप राशि को इस बार जरूर बढ़ाया जाए। वह इस पर काफी हद तक निर्भर रहते हैं। वहीं परिसर में कुछ ऐसे भी छात्र मौजूद रहे जिन्होंने बजट से कोई उम्मीद ना जताते हुए कहा कि बीते वर्षों में हमें पूरी तरह से बजट से निराशा हाथ लगी है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के शोध छात्र अभिषेक सिंह ने कहा कि हम बीएचयू के छात्र आशावादी होते हैं। आने वाले 2025-26 के बजट को लेकर भी हम उम्मीद जता रहे हैं कि खासतौर पर शोध अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए इसमें विचार किया जाएगा। शिक्षा क्षेत्र में पिछले वर्षों की तुलना में अधिक बजट आवंटित किया जाएगा। शिक्षा क्षेत्र में कई ऐसे विषय हैं जिस पर सरकार को बेहद गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

आंख में पाप है

सीएम नीतीश कुमार के बयान क्या बोले बीजेपी सांसद राजीव प्रताप रूडी?

पटना, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रगति यात्रा कर रहे हैं। तीसरे चरण की प्रगति यात्रा के दौरान बेगुसराय में जीविका दीदियों पर दिए गए उनके एक बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसको लेकर विपक्ष उन्हें लगातार घेर रहा है। वहीं दूसरी तरफ एनडीए नेता उनका बचाव कर रहे हैं। इसी कड़ी में बीजेपी सांसद राजीव प्रताप रूडी की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि ये अपना-अपना नजरिया है। नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए काम किया है। आज सचमुच बिहार की महिलाएं अच्छी दिखती हैं। बीजेपी सांसद ने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाओं को गरीबी से बाहर निकाला है। अब महिलाएं अच्छे कपड़े पहनने की ताकत रखती हैं सज के दिखती हैं। इसको कोई अगर अन्यथा देखता है तो वैसे लोगों के आंख में पाप है। नीतीश कुमार एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने महिलाओं के लिए बहुत सेवा की है। उन्हें गरीबी से बाहर निकाला है। उनको छत, पानी, बिजली दी है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की नजरिए में पाप है ऐसे लोगों से इस राज्य की जनता को परहेज करना पड़ेगा।

पकड़ा गया कई राज्यों का गांजा तस्कर गिरोह, 5 गिरफ्तार, कार और 100 केजी गांजा बरामद

अलीगढ़, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस गांजा तस्कर और तस्करी करने वाले लोगों के खिलाफ विशेष तौर पर अभियान चलाती नजर आ रही है, जिससे गांजा तस्करों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जा सके। इसको लेकर पुलिस के द्वारा युद्ध स्तर पर यह अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही अन्य राज्यों से आने वाले नशीले पदार्थों को लेकर भी पुलिस अलर्ट है। इसका उदाहरण इस कार्रवाई से लगाया जा सकता है, जहां अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। इस गिरोह को लेकर बताया जाता है यह गिरोह अलग-अलग राज्यों से गांजा लाकर अलग-अलग जिलों में सप्लाई करता था। अलीगढ़ के कीरतपुर टोल प्लाजा के पास से अकराबाद पुलिस और नारकोटिक्स टीम ने घेराबंदी करने के बाद इस गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसमें कड़ी मशक्कत के बाद 6 गांजा तस्कर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिए हैं। साथ ही 50 लाख रुपए की कीमत का 100 किलो गांजा और अन्य सामान पुलिस के द्वारा बरामद कर लिया है।

अपर जिला सहकारी अधिकारी निलंबित, जांच में रिश्वत लेने की हुई पुष्टि, मुकदमा दर्ज

कानपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। देहात में रिश्वत लेने का मामला सामने आया था। जिसमें जिलाधिकारी ने जांच का आदेश के आदेश दिए थे। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता के नेतृत्व में जांच टीम घटित की गई। जांच में इस बात की पुष्टि हुई कि अपर जिला सहकारी अधिकारी ने रिश्वत ली है। जिलाधिकारी ने जांच रिपोर्ट आने के बाद शासन को रिपोर्ट भेजी थी। शासन ने अपर जिला सहकारी अधिकारी को निलंबित करते हुए मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है। शासन के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की गई। निलंबन के साथ मुकदमा भी दर्ज कर लिया गया।

नौकरी लगते ही पत्नी के बदले सुर, पति से मांगी एक करोड़ की रंगदारी

कानपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। शादी में पति और ससुराल वालों के द्वारा पत्नी के घर वालों से दहेज मांगने की बात तो अब तक आपने सुनी होगी, मगर कानपुर से जो मामला सामने आया है, उसे जान कर आप चौंक जाएंगे। मगर ये सच है। दरअसल, कानपुर में एक पत्नी ने अपने ही पति के साथ रहने के लिए एक करोड़ रुपये की मांग की है। बता दें कि पत्नी की सरकारी नौकरी लग गई और इसके बाद उसके सुर ही बदल गए, उसने अपने पति से ये अनोखी डिमांड कर दी है। पत्नी का कहना है कि अगर पति उसके साथ रहना चाहता है तो पहले एक करोड़ रुपये दे, तभी वह उसके साथ रहेगी। ऐसी डिमांड सुनकर पुलिस भी हैरान है। अब पीड़ित पति ने कानपुर पुलिस से मामले की शिकायत की है और केस दर्ज करवाया है। पति का कहना है कि उसकी पत्नी अपने मायके चली गई है। सरकारी नौकरी लगते ही वह बदल गई है। उसने साफ कह दिया है कि अगर वह उसके पास रहने आएगी तो उसे पहले एक करोड़ रुपये चाहिए। नहीं तो वह उसके साथ नहीं रह सकती।

दिल्ली में कुल 14 जनसभाएं कर सकते हैं सीएम योगी आदित्यनाथ, इन इलाकों पर होगा खास फोकस

लखनऊ, 20 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां जारी हैं। आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस समेत सभी दलों के नेता चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इस बीच खबर सामने आई है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के फायरब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार में कूदने वाले हैं। सूत्रों ने विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए सीएम योगी की का शेड्यूल भी शेयर किया है। सूत्रों के हवाले से खबर सामने आई है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के फायरब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ दिल्ली में फिलहाल योजना के मुताबिक 14 जनसभाएं संबोधित करेंगे। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। जानकारी मिली है कि सीएम योगी 23 जनवरी को 3 सभाएं करेंगे, 28 जनवरी को 4 सभाएं करेंगे, 30 जनवरी को 4 सभाएं करेंगे और 1 फरवरी को 3 सभाएं करेंगे। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्वी और उत्तर पूर्वी दिल्ली दिल्ली क्षेत्र में जनसभाएं करेंगे। सीएम योगी दिल्ली के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में जायेंगे। उनकी ये जनसभाएं विशेषकर मुस्लिम सीटों पर की जाएंगी। इनमें से कई सारे वो इलाके भी होंगे जहां से दिल्ली दंगों की शुरुआत हुई थी।

इन उम्मीदवारों के लिए योगी करेंगे प्रचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अजय महावल, पवन शर्मा, आशीष सूद, रवींद्र सिंह, उमंग बजाज, प्रद्युम्न राजपूत (द्वारका), करतार सिंह तंवर, गजेन्द्र यादव (महरौली), बजरंग शुक्ला, संजय गोयल, मोहन सिंह बिष्ट, कैलाश गहलोत, इत्यादि के लिए सभाएं करेंगे।

आईएएस अधिकारी के गांव में चल रहा है ठगी का खेल

नालंदा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा में साइबर ठगों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। प्ले बॉय, लोन और एस्कॉर्ट सेक्स सर्विस में नौकरी का झांसा देकर लोगों को ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन देखकर बेरोजगार और भोले-भाले लोग इसके चंगुल में फंस जाते थे। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए रंजीत पासवान के पुत्र आदित्य कुमार को गिरफ्तार किया है। पूरा मामला अस्थावां थाना इलाके के चुलिहारी खंधा गांव का है।

इस मामले में नालंदा के एसपी भारत सोनी को गांव चुलिहारी खंधा में साइबर फ्रॉड की दुकान चलाने की गुप्त सूचना मिली थी। पुलिस की टीम को छापेमारी के लिए भेजा गया। इस दौरान पुलिस ने इसी गांव के रहने वाले रंजीत पासवान के पुत्र आदित्य कुमार को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल और कई ऐसे सबूत बरामद किए जिसके आधार पर पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

मुस्लिम बहुल सीटों पर बसपा ने उतारा हिंदू कैंडिडेट, मायावती का दिल्ली से यूपी को संदेश

लखनऊ, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बसपा प्रमुख मायावती का जन्म दिल्ली में हुआ। पढ़ाई-लिखाई से लेकर नौकरी तक दिल्ली में की, लेकिन सियासी बुलंदी को उत्तर प्रदेश में छुआ। मायावती ने दिल्ली की सियासत में बसपा की जड़ें जमाने के लिए हर एक सियासी दांव आजमाए, लेकिन दिल्ली में बहुत ज्यादा कामयाब नहीं हो सकीं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बसपा एक बार फिर से पूरे दमखम के साथ किस्मत आजमा रही और 70 सीटों में से 69 सीट पर अकेले चुनाव लड़ रही है। मायावती ने दिल्ली की 69 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। दलित-मुस्लिम का सियासी प्रयोग करने वाली मायावती ने दिल्ली की किसी भी मुस्लिम बहुल विधानसभा सीट पर मुस्लिम समाज से प्रत्याशी नहीं उतारा है। चाहे वो पुरानी दिल्ली की मुस्लिम बहुल सीटें हों या फिर पूर्वी दिल्ली की सीटें। ऐसे में साफ है कि दिल्ली को फतह करने से ज्यादा मायावती का फोकस उत्तर प्रदेश की सियासत पर है, जिसके तहत ही पूरा सियासी ताना बाना बुना है। दिल्ली चुनाव से मायावती यूपी को सियासी संदेश देने की कवायद कर रही हैं। दिल्ली की कई विधानसभा सीटों पर मजबूत दलित और मुस्लिम समीकरण होने के बावजूद बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी देने के बजाय दलित और अति पिछड़ी जाति से आने वाले नेताओं पर ही दांव खेला है। इस तरह से क्या मायावती ने दिल्ली की मुस्लिम बहुल सीटों पर हिंदू उम्मीदवार उतारकर बसपा पर लगे बीजेपी के बी-टीम के नैरेटिव को तोड़ने की कवायद की है?

बसपा ने पांच मुस्लिम को दिया टिकट

बसपा ने दिल्ली की 69 विधानसभा सीटों पर चुनावी किस्मत आजमा रही, जिसमें से पांच सीट पर मायावती ने मुस्लिम को टिकट दिया है। बसपा ने दिल्ली के आदर्श नगर से मो. अब्दुल जब्बार, रिठाला से मो. नियाज खान, संगम विहार से जकिउल्लाह, तुगलकाबाद से अमजद हसन और लक्ष्मी नगर सीट से वकार चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है। इसके अलावा बाकी सीटों पर बसपा ने हिंदू उम्मीदवार उतारे हैं।

सरपंच हत्याकांड पर बवाल जारी

जालना में डिप्टी सीएम अजित पवार को दिखाए गए काले झंडे

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठा संगठन के कार्यकर्ताओं ने बीड सरपंच हत्या मामले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। जालना में सोमवार (20 जनवरी) को हुए इस प्रदर्शन में उप मुख्यमंत्री अजित पवार को काले झंडे दिखाए गए। एनसीपी की जिला इकाई के किसी कार्यक्रम में शामिल होने आए अजित पवार के सामने मराठा महासंघ के कार्यकर्ताओं ने काले झंडे लहराए हैं। मराठा महासंघ के जिला अध्यक्ष अरविंद देशमुख इस प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं।

विरोध के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड और पुलिस कस्टडी में दलित व्यक्ति सोमनाथ सूर्यवंशी की हत्या के खिलाफ नारे लगाए।

बीड के पाल मंत्री हैं अजित पवार

जानकारी के लिए बता दें कि अजित पवार बीड जिले के पालक मंत्री चुने गए हैं। अरविंद देशमुख ने कहा कि गार्जियन मंत्री होने के नाते यह अजित पवार की जिम्मेदारी है कि परभणी के सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार और बीड के संतोष देशमुख के परिवारों को न्याय दिलाएं।

क्या है सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड?

बीड जिले के मासाजोग गांव के सरपंच की 9 दिसंबर को किडनैपिंग के बाद हत्या कर दी गई थी। सरपंच संतोष देशमुख इलाके में पवनचक्की प्रोजेक्ट संचालित करने वाली एक एनर्जी कंपनी को लेकर जबरन वसूली रोकने की कोशिश कर रहे थे। आरोप है कि इसी वजह से उनकी हत्या हुई।

क्या है सोमनाथ सूर्यवंशी हत्याकांड?

वहीं, 35 वर्षीय सोमनाथ सूर्यवंशी की परभणी में 15 दिसंबर को पुलिस कस्टडी में मौत हो गई थी। परभणी हिंसा मामले में पकड़े जाने के बाद सरकारी अस्पताल में सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत हुई थी। सोमनाथ सूर्यवंशी पर आरोप था कि उसने संविधान की प्रति का अपमान किया था। राज्य सरकार ने इन दोनों घटनाओं की जांच के लिए पैनल गठित किए हैं।

तेंदुए से बचाने के लिए पिता ने लगाया गजब दिमाग! बच्चों के लिए बनाया सुरक्षा कवच

अमरेली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के अमरेली जिले में बड़ी संख्या में शेर और तेंदुए मौजूद है। अक्सर ये शिकार की तलाश में रिहायशी इलाकों में आ जाते हैं। खतरनाक जंगली जानवरों से जिले के लोग इतने ज्यादा परेशान हैं कि उन्होंने घर से बाहर निकलना बंद कर दिया है। इलाके में बच्चों को तेंदुए के उठा ले जाने के भी कई मामले सामने आ चुके हैं। बच्चों को शिकार से बचाने के लिए किसानों ने एक नई तरकीब निकली है, जो इस समय देशभर में चर्चा का विषय बनी गई है। अमरेली में जंगली जानवरों के हमले की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक के बाद एक कई हमलों की घटना सामने आ चुकी है। कई बच्चों को रात में तेंदुए सोते हुए उठाकर ले गए हैं। इस तरह की घटनाओं से इलाके में रहने वाले काफी डरे-सहमे हुए है। अमरेली में खेत में काम करने वाले मजदूरों के बीच तेंदुए का खौफ इतना बढ़ गया है कि बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए तेंदुए को नहीं, बल्कि बच्चों को ही वह पिंजरे में रख रहे हैं।

मेट्रोमोनियल साइट के जरिए 30 महिलाओं को फंसाया

1 करोड़ तक की धोखाधड़ी; शॉर्ट फिल्म बनाता था आरोपी

ठाणे, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जिले की मुंब्रा पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी हिंदी और भोजपुरी फिल्में भी बनाने का काम करता था। सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। इसे फर्जी कॉल सेंटर चलाने और महिलाओं को धोखा देने के लिए मेट्रोमोनियल साइट पर फर्जी वैवाहिक प्रोफाइल बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अब तक 30 महिलाएं इसकी शिकार हो चुकी हैं, जिनसे अनुमानित तौर पर 1 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। इसके अतिरिक्त, एक चैटिंग वेबसाइट के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 9 लैपटॉप और राउटर को मुंब्रा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने जब्त कर लिया है।

एक आरोपी पहले भी हुआ गिरफ्तार

दरअसल, मुंब्रा पुलिस ने कुछ दिन पहले मेट्रोमोनियल साइट के माध्यम से महिलाओं को फसाने वाले एक आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार किया था। उसने महिला के साथ 13 लाख 68 हजार के करीब की धोखाधड़ी की थी। आरोपी ने महिला को शादी का झांसा भी दिया था। हालांकि गिरफ्तार के बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसने मामले का पर्दाफाश किया। इसके बाद पुलिस ने दबिश देकर दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। दूसरा आरोपी हिंदी और भोजपुरी में शॉर्ट वीडियोज बनाता था। इसके अलावा यह भी महिलाओं को फंसाकर उनके साथ धोखाधड़ी करता था।

अश्लील वीडियो बनाने का भी आरोप

ठाणे पुलिस उपायुक्त सुभाष बूरसे ने बताया कि मुंब्रा पुलिस स्टेशन के साइबर सेल के अधिकारी प्रवीण सुरवाड़े और उनकी टीम लगातार इस मामले की जांच में जुटी थी। ये लोग महिलाओं को शादी का झांसा देकर ऑनलाइन फसाते थे। इस दौरान एक आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार करने के बाद उसने अपने मुख्य सूत्रधार एजाज अहमद इम्तियाज (32) के बारे में जानकारी दी। दूसरे आरोपी को उत्तर प्रदेश के लखनऊ से गिरफ्तार किया गया।

एजाज अहमद इम्तियाज हिंदी और भोजपुरी में शॉर्ट वीडियोज बनाता था। लखनऊ में 1200 स्कॉयर फिट में फैले कमरे में उसने एक वेबसाइट के जरिए अश्लील वीडियो और चैट्स का प्लेटफॉर्म तैयार किया था। आरोपी एजाज अहमद इम्तियाज को 22 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है।

शेरोन राज हत्याकांड: गर्लफ्रेंड को मौत की सजा, प्रेमी को जहर देने पर केरल की अदालत का बड़ा फैसला

तिरुवनंतपुरम, 20 जनवरी (एजेंसियां)। केरल की एक 24 वर्षीय लड़की को अपने प्रेमी की हत्या करने के मामले में मौत की सजा मिली है। तिरुवनंतपुरम की एक स्थानीय अदालत ने ग्रीष्मा नाम की इस लड़की को अपने प्रेमी शेरोन राज की हत्या के लिए फांसी की सजा सुनाई है। ग्रीष्मा ने अपने प्रेमी को 14 अक्टूबर 2022 को आयुर्वेदिक दवा में जहरीला पदार्थ मिलाकर दे दिया था। इसके चलते शेरोन की मौत हो गई। कोर्ट ने सजा सुनाते हुए कहा कि अपराध जघन्य था और दोषी के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। हालांकि, मामले में कोई चश्मदीद गवाह नहीं था, लेकिन अदालत पुलिस द्वारा बेहतरीन जांच करने के लिए पूरी टीम की प्रशंसा की। जज ने कहा कि अदालत में प्रस्तुत साक्ष्य से पता चला कि ग्रीष्मा ने शेरोन के साथ अपने रिश्ते को समाप्त करने की कोशिश की थी। ग्रीष्मा ने ये हत्या ज्योतिषीय भविष्यवाणी के डर के चलते की थी। उसे कहा गया था कि उसके पहले पति की मृत्यु हो जाएगी। इसी के चलते शांतिपूर्ण ढंग से दूसरी शादी करने के लिए उसने ऐसा किया। अदालत ने सजा सुनाए जाने के समय शेरोन के माता-पिता को भी बुलाया था, जिससे मामले की भावनात्मक गंभीरता उजागर हुई। इस मामले में ग्रीष्मा के चाचा निर्मल कुमार भी शामिल थे, जिन्हें तीन साल की जेल की सजा सुनाई गई। जब सजा सुनाई जा रही थी, ग्रीष्मा बिना बोले खड़ी रही, लेकिन अदालत कक्ष में उपस्थित शैरोन के माता-पिता फूट-फूट कर रोने लगे।

ट्रांसजेंडर प्रत्याशी राजन सिंह की जान को खतरा? हाई कोर्ट से कर दी बड़ी अपील

कालकाजी, 20 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की कालकाजी विधानसभा सीट से मुख्यमंत्री आतिशी, आम आदमी पार्टी से तो बीजेपी से रमेश बिधूड़ी चुनावी मैदान में हैं। इन दोनों के खिलाफ ट्रांसजेंडर प्रत्याशी राजन सिंह भी चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में अपनी सुरक्षा से संबंधित याचिका डाली है। सोमवार को हाई कोर्ट में ट्रांसजेंडर राजन सिंह की ओर से दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा मुहैया कराने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। हाई कोर्ट ने राजन सिंह की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर सुरक्षा संबंधित रिपोर्ट मांगी है। दरअसल राजन सिंह दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने अपनी जान पर खतरा बताते हुए दिल्ली पुलिस से सुरक्षा मुहैया कराने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

नामांकन पत्र को भी फाड़ दिया गया था- राजन सिंह

राजन सिंह ने अदालत को बताया कि उन्हें हाल ही में धमकी भरे फोन आए हैं और उनके नामांकन पत्र को भी फाड़ दिया गया था। राजन सिंह ने अदालत को बताया है कि उनका नामांकन पत्र चुनाव आयोग ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने हाई कोर्ट से कहा, ₹मैं विधानसभा चुनाव लड़ने वाला इकलौता ट्रांसजेंडर हूं और मेरी सुरक्षा को खतरा है। चुनाव तक मुझे सुरक्षा मुहैया कराई जाए। चुनाव खत्म होने के बाद भले ही सुरक्षा हटा ली जाए।

27 जनवरी को होगी मामले की अगली सुनवाई

फिलहाल दिल्ली हाई कोर्ट ने संबंधित डीसीपी को 4 दिन के भीतर राजन सिंह की थ्रेट परसेप्शन असेसमेंट करने को कहा है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 27 जनवरी को होगी। बता दें कि लगभग 15 दिन बाद ही दिल्ली में चुनाव होने वाले हैं। दिल्ली में 5 फरवरी को मतदान होगा। वहीं 8 फरवरी को वोटों की गिनती होगी। इसके लिए नामांकन का दौर खत्म हो चुका है।

भोपाल में गवर्नर के काफिले के पास खड़े व्यक्ति की ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल ने की पिटाई, अब हुए ये एक्शन

भोपाल, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल को राज्यपाल मंगुभाई पटेल के काफिले के पास खड़े एक व्यक्ति को बेरहमी से पीटने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। यह घटना भोपाल के आनंद नगर इलाके में घटी। दरअसल, शनिवार को जब गवर्नर भोपाल से कहीं जा रहे थे। इस दौरान यह पूरी घटना घटी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें ट्रैफिक कांस्टेबल वीरेंद्र शर्मा को कथित तौर पर उस व्यक्ति को धक्का देकर गिराते हुए, फिर लात-घूंसे और थप्पड़ मारते हुए दिखाया गया। वीडियो में साफ दिख रहा था कि एक व्यक्ति गवर्नर के काफिले के पास खड़ा था, इस दौरान कांस्टेबल ने उसे पहले पीछे खींचा, फिर दौड़ाया और बीच सड़क पर एक जोरदार थपड़ रसीद कर दिया। एक आम शख्स के साथ हुई इस घटना के वायरल होने के बाद लोगों में गुस्सा फैल गया। हालांकि इस बारे में पूछे जाने पर ट्रैफिक पुलिस के उपायुक्त संजय सिंह ने कहा कि कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सहायक पुलिस आयुक्त मिलन जैन को इस मामले की जांच सौंपी गई है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि घटना के पीछे क्या कारण थे और कांस्टेबल ने ऐसी कार्रवाई क्यों की। गौरतलब है कि वर्दी में ऐसी हरकत करने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी आम जनता पर पुलिस की बरबरता सामने आ चुकी है। हालांकि यह घटना पुलिस अधिकारियों के आचरण पर सवाल खड़ा करती है। पुलिसकर्मियों को जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी और पेशेवरिता बनाए रखनी चाहिए, ताकि ऐसे विवादित मामलों से बचा जा सके। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है और इसके परिणामस्वरूप और कार्रवाई की जा सकती है।

बेंगलुरु के सॉफ्टवेयर इंजीनियर से करीब 12 करोड़ की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

बेंगलरू, 20 जनवरी (एजेंसियां)। डिजिटल अरेस्ट के जरिये बेंगलुरु के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से तकरीबन 12 करोड़ की ठगी करने के मामले में बेंगलुरु पुलिस ने 2 आरोपियों को अरेस्ट करने में सफलता पाई है। तरुण और करन नाम के इन आरोपियों ने ईडी और कस्टम अधिकारी बनकर टेकी विजयकुमार को पहले डिजिटल अरेस्ट किया और फिर उनके अकाउंट में मौजूद लगभग 12 करोड़ रुपये के वेरिफिकेशन के नाम पर अलग अलग बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करवाकर इस ठगी को अंजाम दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों आरोपियों को इस बात की सूचना मिली थी कि विक्टिम विजयकुमार ने शेयर मार्केट में बड़ा निवेश किया हुआ है जिसके चलते उनके पास 11 करोड़ 84 लाख रुपये जमा हो गए थे। बेंगलुरु नार्थ डिवीजन के तहत जीकेवीके में रहने वाले इस युवक को जब तक ये पता चला कि उसके साथ डिजिटल ठगी हुई है तब तक उसकी सारी कमाई लुट गयी।

कर्नाटक बीजेपी में अंदरूनी कलह विधायक ने प्रदेश अध्यक्ष को बताया 'बच्चा'

बेंगलूरू, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक बीजेपी में अंदरूनी कलह सार्वजनिक हो गई है। दरअसल, गोकक विधायक रमेश जारकीहोली ने प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र पर करारा हमला बोला है और प्रदेश अध्यक्ष को बच्चा करार दिया है। उन्होंने दावा किया है कि विजयेंद्र लंबे समय तक पद पर काबिज नहीं रहने वाले हैं और उनके नेता बीएस येदियुरप्पा है। वहीं, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बीजेपी नेता रमेश जारकीहोली के बयान की निंदा की और अपरिपक्व बताया है। बीजेपी विधायक रमेश जारकीहोली ने बेलगावी में एक जनसभा में बोलते हुए कहा, 'इस मंच के माध्यम से मैं विजयेंद्र को एक सख्त संदेश देना चाहता हूं। विजयेंद्र, आप एक बच्चा हैं। आप प्रदेश अध्यक्ष नहीं रहेंगे। येदियुरप्पा हमारे नेता हैं और इस बारे में कोई दूसरा विचार नहीं है। जब भी मैंने येदियुरप्पा के बारे में बात की है, मैं हमेशा सतर्क और उन्होंने कभी अपमानजनक बात नहीं की है। हमने हमेशा उनसे प्यार किया है और उनका सम्मान किया है।' रैली का आयोजन जारकीहोली और उनके समर्थकों ने किया था। जारकीहोली ने दावा किया कि बीजेपी में केवल राज्य प्रमुख को लेकर मतभेद हैं, लेकिन राज्य में पार्टी को मजबूत करने के लिए सभी नेता एकजुट हैं। जारकीहोली ने कहा कि उनके पास विजयेंद्र को राज्य में घूमने से रोकने की शक्ति है। उन्होंने मांग करते हुए कहा, 'मैं आपकी तरह राजनीति करने के लिए इससे नीचे नहीं गिर सकता। मेरे मन में विजयेंद्र के लिए सम्मान नहीं है, लेकिन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए सम्मान है। पार्टी नेतृत्व को उन्हें बदलना चाहिए।'बीजेपी राज्य प्रमुख विजयेंद्र ने कोप्पल में मीडियाकर्मियों से जब जारकीहोली की टिप्पणियों के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'रमेश जारकीहोली को सावधानी से बोलना चाहिए। येदियुरप्पा एक राजनेता और कार्यकर्ता हैं।

उन्होंने अनंत कुमार के साथ मिलकर राज्य के कोने-कोने की यात्रा करके पार्टी का निर्माण किया। रमेश जारकीहोली हाल ही में पार्टी में शामिल हुए हैं। जब वे येदियुरप्पा के बारे में बोलते हैं, तो उन्हें अपनी जुबान पर नियंत्रण रखना चाहिए। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बीजेपी नेता रमेश जारकीहोली के बयान पर कहा कि यह शब्द अक्सर किसी को अनुभवहीन या अपरिपक्व बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। विधायक की ओर से इस तरह से बोलना पूरी तरह से गलत है।

बड्डाल में जांच के लिए पहुंची टीम, 44 दिन में तीन परिवारों के 17 सदस्यों की हो चुकी मौत

जम्मू, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बड्डाल गांव में पिछले 44 दिनों में तीन परिवारों के 12 बच्चों समेत कुल 17 लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। इस घटनाक्रम ने गांव में मातम का माहौल बना दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर इस मामले की जांच के लिए एक अंतर मंत्रालयीय टीम गठित की गई है, जो जांच प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। यह टीम घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कई विशेषज्ञों के साथ मौके पर पहुंची है। गांव में बच्चों समेत एक ही परिवार के कई सदस्य की मौत होने से स्थानीय लोग हैरान और चिंतित हैं। अब तक की जांच में मौतों के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है, जिससे संदेह और आशंका की स्थिति बनी हुई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस मामले को गंभीरता से लिया है, और विशेषज्ञों की एक टीम जांच के लिए भेजी गई है। टीम यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि क्या इन मौतों का कोई आपराधिक कारण है

बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में बड़ी खबर

हिरासत में आरोपी की मौत के लिए पांच पुलिसकर्मी जिम्मेदार

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की हिरासत में मौत के लिए मजिस्ट्रेटी जांच में पांच पुलिसकर्मियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। मजिस्ट्रेट ने सोमवार को अपनी जांच रिपोर्ट बॉम्बे हाईकोर्ट को सौंप दी। कोर्ट शिंदे के पिता अन्ना शिंदे की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। अन्ना शिंदे ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि उनके बेटे को पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ में मार डाला था। अक्षय शिंदे (24) को अगस्त 2024 में बदलापुर के एक स्कूल के शौचालय के अंदर दो बच्चियों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह स्कूल में अटेंडेंट था। सितंबर में तलोजा जेल से पूछताछ के लिए ले जाते समय शिंदे की कथित पुलिस गोलीबारी में मौत हो गई थी। पुलिस ने दावा किया कि उसने पुलिस वैन में मौजूद एक पुलिसकर्मी की बंदूक छीन ली, गोली चलाई और जवाबी गोलीबारी में वह मारा गया। पुलिस हिरासत में किसी आरोपी की मौत के मामले में कानून के तहत मजिस्ट्रेटी जांच शुरू की जाती है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने रिपोर्ट को देखा। पीठ ने कहा कि मजिस्ट्रेट की जांच में निष्कर्ष निकला है कि वैन में मौजूद पांच पुलिसकर्मी आरोपी की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। कानून के अनुसार, अब पांचों पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और जांच की जाएगी।

लुधियाना की पहली महिला मेयर

आप पार्षद प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर को मिला पद, राकेश पराशर बने सीनियर डिप्टी मेयर

लुधियाना, 20 जनवरी (एजेंसियां)। लुधियाना नगर निगम के वार्ड नंबर 13 से आम आदमी पार्टी की पार्षद प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर लुधियाना की पहली महिला मेयर बन गई हैं। इसके अलावा सीनियर डिप्टी मेयर के पद पर वार्ड नंबर 90 से पार्षद राकेश पराशर एवं डिप्टी मेयर के पद के लिए वार्ड नंबर चालीस से पार्षद प्रिंस जौहर को चुना गया है। गुरु नानक देव भवन में चल रहे कार्यक्रम में शहर के सभी 95 पार्षद शपथ ग्रहण कर रहे हैं। मेयर बनाने से पहले ही आप की तरफ से कांग्रेस को एक ओर झटका दे दिया गया है। वार्ड नंबर 41 की पार्षद ममता रानी ने कांग्रेस का हाथ छोड़ कर आप का झाड़ू पकड़ लिया है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रधान और कैबीनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने पार्षद ममता रानी, वरिष्ट कांग्रेसी नेता बलविंदर सिंह, मनी राम और विशाल धवन को पार्टी में शामिल किया। ममता रानी के आप ज्वाइन करने के बाद आप के पास आंकड़ा पूरा हो गया है। अब पार्टी बिना विधायकों की स्पोर्ट के ही मेयर बनाएगी।

अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही

मरीज को लगा दिया प्रतिबंधित स्लाइन, तबीयत बिगड़ी तो मचा बवाल; पहले भी हो चुका है ऐसा कांड

मेदिनीपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक गर्भवती महिला की मौत हो गई थी। इसके अलावा चार प्रसूता महिलाएं बीमार पड़ गई थीं। इसकी वजह वेस्ट बंगाल फार्मास्युटिकल्स कंपनी की रिंगर्स लैक्टेट सलाइन देने को लेकर बताई गई थी, जिसके बाद इस कंपनी की सभी सलाइन पर बैन लगा दिया गया था। अब फिर से इसी कंपनी की सलाइन को इस्तेमाल करने का मामला सामने आया है। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी दी थी कि पश्चिम बंगाल फार्मास्युटिकल के सभी सलाइन लॉक को बंद करने का आदेश दिया गया, जिसमें साफतौर पर कहा गया था कि इसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अगर कोई अस्पताल में इस सलाइन का इस्तेमाल करता है, तो उस अस्पताल के अधीक्षक को सारी जिम्मेदारी लेनी होगी। सलाइन के इस्तेमाल पर बैन के बावजूद एक बार फिर एक मरीज ने सरकारी अस्पताल में सलाइन चढ़ाने की शिकायत की है। अब पलाशिपारा (प्रीतिमय) ग्रामीण अस्पताल से ये सामने आया है, जहां डॉक्टरों की लापरवाही देखने को मिली। मरीज को वेस्ट बंगाल फार्मास्युटिकल की बैन स्लाइन चढ़ाई गई। जब इसको लेकर डॉक्टर और नर्स से सवाल किए गए, तो दोनों एक दूसरे पर आरोप लगाने लगे। डॉक्टर ने कहा कि मैंने ऑर्डर नहीं दिया। नर्स से जरूर कोई गलती हुई होगी। वहीं ड्यूटी पर मौजूद नर्स ने डॉक्टर के कहने पर सलाइन देने की बात कही। सलाइन देने के बाद मरीज की तबियत बिगड़ गई। मरीज के परिजनों ने कहा कि हमें नहीं पता कि डॉक्टर या नर्स किसने सलाइन दिया। अगर मरीज बीमार है, तो हम उसे अस्पताल लेकर आते हैं। हम नहीं जानते कि यहां क्या होता है या क्या नहीं होता है। मैं कैसे बता सकता हूं कि कोई दवा दे रहे हैं या नहीं।" अब सवाल ये है कि मनाही के बावजूद इस सलाइन का उपयोग कैसे किया जा रहा है? अगर कोई हादसा हो गया तो कौन जिम्मेदार होगा?

पेंशन स्कीम को लेकर कर्नाटक में फिर उबलने लगा गुस्सा सरकार के ऐलान के बाद भी आखिर क्यों गुस्से में कर्मचारी?

बेंगलूरू, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पेंशन स्कीम को लेकर कर्नाटक के सरकारी कर्मचारियों में गुस्सा है। उन्होंने सड़कों पर उतरने का प्लान बनाया है। ये गुस्सा न्यू पेंशन स्कीम को लेकर है। वे चाहते हैं कि सरकार इसे खत्म करे और ओल्ड पेंशन स्कीम को लाए। कर्नाटक राज्य सरकार एनपीएस कर्मचारी संघ ने कहा है कि अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो हम 7 फरवरी को धरना देंगे। संघ के मुताबिक, राज्य की कर्नाटक सरकार ने 1 जनवरी, 2023 को एनपीएस को खत्म करने का मुद्दा कैबिनेट में लाने का वादा किया था। इस बीच, सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम का ऐलान किया, लेकिन संघ को ये मंजूर नहीं है। उसकी मांग है कि ओल्ड पेंशन स्कीम को ही लागू किया जाए। कर्नाटक राज्य सरकार एनपीएस कर्मचारी संघ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अगर कर्मचारियों को कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुसार 2025-2026 के बजट में कोई आश्वासन नहीं मिला, तो हम अपने अधिकारों की मांग के लिए धरना देंगे। एसोसिएशन सरकार की उस समिति का भी विरोध कर रहा है, जिसे उन राज्यों पर अध्ययन करने के लिए गठित किया गया जहां एनपीएस को खत्म कर दिया गया और ओपीएस की वापसी हो गई। संघ का ये विरोध पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले साल भी हुआ था। तब सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था। उसने कहा था कि जिस भी कर्मचारी की भर्ती 1 अप्रैल, 2006 के बाद हुई है वो भी ओपीएस के तहत आएंगे। तब मुख्यमंत्री ने कहा था कि चुनाव (लोकसभा) से पहले मैं उस जगह गया था जहां पर कर्मचारी एनपीएस का विरोध कर रहे हैं। मैंने उनसे वादा किया था जब कांग्रेस की सरकार सत्ता में आई तो हम आपकी मांगों को पूरा करेंगे। कर्नाटक में 1 अप्रैल, 2006 के बाद सरकारी नौकरी में शामिल होने वाले कर्मचारियों की संख्या 2 लाख 78 हजार है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 21 जनवरी - 2025

20,000 में बिक रहीं दुल्हन!

रोहिंग्या शरणार्थी महिलाओं को अच्छे जीवन का लालच देकर जम्मू-कश्मीर में 'दुल्हन' के रूप में बेचा जा रहा है। दो दिन पहले कोलकाता में रेलवे पुलिस ने अब्दुल रहमान नाम के शख्स को दो बच्चियों के साथ गिरफ्तार किया है। वह इन बच्चयिों को कश्मीर ले जाने की जुगत में लगा था। जम्मू कश्मीर में रोहिंग्या महिलाओं की भारी मांग है। 52 साल के एक आदमी की फैमिली लंबे टाइम से शादी के लिए लड़की ढूंढने में लगी थी, लेकिन दुल्हन नहीं मिली। वह मानसिक रूप से कमजोर था। यहां तक कि वह खुद उठकर पानी भी नहीं पी सकता था। अचानक एक दिन मोहल्ले को पता चला कि उसकी शादी हो गई। बातें खुलीं तो निकला कि लड़की रोहिंग्या है। 20,000 में कोई उसे यहां बेच गया। जम्मू-कश्मीर में ऐसे ढेरों मामले देखने को मिल रहे हैं। कोलकाता में पकडा गाय अब्दुल रहमान बांग्लादेश का रोहिंग्या मुस्लिम है और कई साल से कश्मीर में मजदूरी करता है। उसके साथ करीब 12-12 साल की दो बच्चियां थीं, जिन्हें वो अपने साथ कश्मीर ले जा रहा था। आए दिन न जाने ऐसी कितनी ही रोहिंग्या लड़कियों को अवैध तरीके से जम्मू-कश्मीर समेत देश के कई राज्यों में लाकर जबरदस्ती 'दुल्हन' बना दिया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में यह रैकेट लंबे समय से चल रहा है। पहले बांग्लादेश और अब म्यांमार से भी रोहिंग्या लड़कियों को यहां लाकर उनकी शादी उम्र से दोगुने शख्स से करा दी जाती है। यही नहीं दिव्यांग या मानसिक रूप से अक्षम लोग, जिनकी शादी जम्मू-कश्मीर में नहीं हो पाती है, वो भी इस अवैध तरीके से दुल्हन खरीद रहे हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस के राडार पर ऐसे कई नेटवर्क हैं जिनकी पहचान कर ली गई है, जो एनजीओ की ओट में यह काम कर रहे थे। दिसंबर, 2024 तक 24 रोहिंग्या लड़कियां जम्मू में और 124 कश्मीर में 'दुल्हन' बन चुकी हैं। कई लड़कियां अच्छी लाइफ की तलाश में अपनी जिंदगी नरक बना चुकी हैं। बांग्लादेश और म्यांमार में रोहिंग्या बस्तियों में एनजीओ की आड़ में तस्कर लड़कियों की पहचान करते हैं। कम उम्र की लड़कियों पर इनकी नजर ज्यादा रहती है। मानव तस्करी में लगे लोग हर जगह फैले हैं। खासतौर से जहां रोहिंग्या मुसलमानों की बस्ती हैं। तस्कर लड़कियों को पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा के रास्ते अवैध तरीके से भारत में लाते हैं। फिर यहां से देश के अलग-अलग राज्यों में इन्हें भेजा जाता है। असम पुलिस के मुताबिक रोहिंग्या खासतौर से जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद और केरल जाते हैं। रोहिंग्या अवैध तरीके से राशन कार्ड से लेकर आधार कार्ड तक बनवा रहे हैं। जम्मू कश्मीर में अपनी लड़कियों की शादी कराकर भी रोहिंग्या वहां की नागरिकता हासिल करने की कोशिश में जुटे रहते हैं। पुलिस को दिसंबर में ही 61 से ज्यादा अवैध आधार कार्ड जम्मू में और 97 आधार कार्ड कश्मीर में मिले। जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी एस.पी.वैद के मुताबिक यहां के लोकल लोगों से रोहिंग्या लड़कियों की शादियां लंबे समय से हो रही हैं। कश्मीर से ज्यादा ये जम्मू में देखने को मिल रहा है। हमें इन्हें वापस भेजना चाहिए। हमें भी अमेरिका, यूरोप की तरह सख्त कदम उठाना चाहिए। बांग्लादेश और म्यांमार में पहले ही रोहिंग्या मुसलमानों की स्थिति सही नहीं है। ऐसे में अच्छे जीवन की तलाश में रोहिंग्या महिलाएं एक ऐसे मकड़जाल में फंस रही हैं, जिनसे बाहर निकलना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। कुछ महिलाओं की आपबीती रोंगटे खड़े करने वाली है। एक महिला बताती है, उसे कहा गया कि बंगाल में नौकरी दिलाएंगे। फिर बस और ट्रेन से लंबा सफर कर कश्मीर ले आए। अपने से तीन गुना उम्र के शख्स के साथ शादी करा दी गई। वापस जाने की बात करो तो पति बहुत मारता है। तस्करों के चंगुल में फंसी ऐसी ही दूसरी महिलाओं की भी यही कहानी है। बताते चलें कि साल 2009 में पहली बार जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्याओं का आना शुरू हुआ था। देश में जो संख्या कभी 200 थी, वो अब 50,000 के पार हो चुकी है। अकेले जम्मू-कश्मीर में ही 11,000 से ज्यादा रोहिंग्या हैं। जम्मू कश्मीर में बसने वाला पहला रोहिंग्या सईद हुसैन था, जिसे 2009 में यहां की राज्य सरकार ने बसाया था। दिल्ली, हरियाणा, असम, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में रोहिंग्याओं की संख्या बढ़ रही है। जो सरकार के लिए भी चिंता की बात है।

असहमत और सहमत

डॉ टी महादेव राव

सुबह की सैर में मेरा पड़ोसी मिल गया। साथ साथ चलते चलते हम बातें कर रहे थे। वैसे वह हमेशा किसी बात से सहमत नहीं होते। परेशान और त्रस्त जीव है, अपने देश के औसत मध्यवर्गीय जन की तरह। मैं ने कहा बहुत गर्मी है। सुबह छह बजे हैं और अभी से उमस और गर्मी परेशान कर रही है। ग्रीष्म ऋतु है और नौ तप्पा चल रहा है। गर्मी तो होगी नया क्या है मैं चुप रह गया। थोड़ी देर बाद बोला जानते हो हमारे वॉचमैन का बेटा हमारे मोहल्ले की अमीर घर की लड़की को लेकर भाग गया है। क्या हो रहा है?

नया क्या है? फिल्मों में जब ऑटो वाले और करोड़पति की लड़की में प्यार हो तो तालियां पीटकर आप लोग खुश हो जाते हैं। सच में ऐसा हो तो माथा पीटते हो? लेकिन फिल्में और जिंदगी में फर्क तो है न? फिल्मों की कहानियां भी तो जिंदगी से ली जाती हैं। यह सब सामान्य है। मुझे लगा और झेल न पाऊंगा। मैं ने पूछा इस बार आपको क्या लगता है, कौन जीतेगा इलेक्शन में? जीते कोई भी हम और आप इसी तरह मॉर्निंग वॉक करते रहेंगे। बेफजूल की बातें भी करते हुए कदम गिनेंगे। जीतने वाला नोट गिन रहा होगा। लगा मुझे कि इतनी तटस्थता किसी बहुत ज्यादा बीमार व्यक्ति में या पहुंचे हुए संत महात्मा में ही हो सकती है। मतलब अब सरकार किसकी बनेगी? किसी की भी बने। आयकर, सेवाकर, उनके मेवा कर और हैं हम चाकर उनके नौकर। कोई फ़र्क नहीं। जैसे थे बस वैसे ही रहेंगे। मैने विषय बदलना चाहा। घर में सब कैसे हैं?

उनको क्या हुआ है? मैं कमा रहा हूं और सब डटके उड़ा रहे हैं।

बच्चों की पढ़ाई कैसे चल रही है।

पढ़ाई कछुए की चाल में और खर्चे खरगोश की रफ्तार में। बुक्स की जगह फेस बुक और मेरे पास बुक पर उनका सारा ध्यान रहता है।

आपके कोई दोस्त नहीं होंगे न दफ्तर में? क्या जरूरत है सिवाय अपना खर्चा बढ़ाने के। मेरे मातहत हों या ऊपर वाले अधिकारी सभी दफ्तर में काम ही तो करने आते हैं। दोस्ती प्यार मोहब्बत थोड़ी ही करेंगे। पता नहीं क्यों हर बात पर असहमत होते इस आदमी से किसी भी बात पर सहमत होने को मजबूर करूं ऐसी ज़िद आ गई मुझ में। वह सब तो ठीक है। आपकी हॉबीज़ यानी शौक क्या हैं? कोई खेल, कोई टी वी शो या कुछ भी। कोई शौक नहीं है मेरा। समय कहां है? दफ्तर, घर, मॉर्निंग वॉक बस इसी में मजा लेता हूं।

मॉर्निंग वॉक अंतिम चरण में आ गया। मैं ने कहा चलिए यहां जूस पी लेते हैं। यहां फलों का अच्छा और ताज़ा जूस मिलता है।

हां। चलो पीते हैं। पीने के बाद मुझे रोकते हुए पड़ोसी ने पैसे दिए। मैंने कहा महंगाई काफी बढ़ गई है। सारे चीजों के दाम दुगुने हो गए हैं। उन्होंने हामी भरी हुए पर्स को जेब के हवाले किया और कहा आप बिल्कुल ठीक कहते हैं। महंगाई बहुत बढ़ गई है। मैं सहमति के इस पल ही की प्रतीक्षा कर रहा था। उनके साथ लंबे लंबे डग भरता हुआ घर की ओर चल पड़ा।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ के बाद क्या बदलेगा विश्व में?

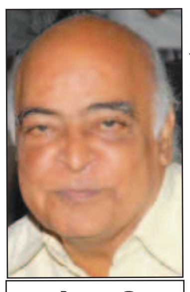

अशोक भाटिया

अगर किसी के महज सत्ता में आ जाने से पूरी दुनिया में इतना भ्रम, संदेह, भ्रम और संदेह पैदा हो गया है तो उस व्यक्ति के लिए यह गर्व की बात है या शर्म की, इस पर चर्चा करना बेमानी है। आज यानी 20 जनवरी को जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले रहे हैं तो 'आगे क्या' सवाल का काला साया पूरी दुनिया में फैला हुआ नजर आ रहा है। ट्रंप का व्यक्तित्व ऐसा है कि उन्हें इस पर गर्व होगा। यदि नेता लोगों के मन में आश्वासन का भाव पैदा करने के बजाय भय और आतंक को जन्म देता है और उस पर गर्व करता है तो यह उस समाज के पतन का संकेत है। अमेरिकी समाज अब इस गिरावट का अनुभव करेगा। यह भी माना जाता है कि लोकतंत्र में जनता के फैसले को स्वीकार करना चाहिए और इस राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे को सभी को मीठा मानना चाहिए। हालांकि, जब एक नेता जो पिछला चुनाव हारने के बाद वोट को खारिज कर देता है, जिसका हिंसक विरोध किया गया है और इसके लिए अदालत में दोषी ठहराया गया है, तो उसकी लोकतांत्रिक वफादारी संदिग्ध है।इससे इनकार नहीं किया जा सकता। ट्रम्प के साथ ऐसा ही हुआ। अब, अगले चार वर्षों के लिए, सभी धर्मों को उनका होना होगा। पिछले दो महीनों से, ट्रम्प इसे सहन करना शुरू करने से पहले ही आगे क्या होने वाला है, इसकी झलक दिखा रहे हैं। ट्रम्प ने अपनी नीति की दिशा स्पष्ट कर दी है, अमेरिकी बाजार में आने वाले विदेशी सामानों पर व्यापक टैरिफ लगाने से लेकर उन लोगों पर व्यापक प्रतिबंध लगाने तक जो उस देश में प्रवास करना चाहते हैं। वहीं, ट्रंप के नेतृत्व कौशल को तीन मुद्दों पर परखा जाएगा। इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन, जो अमेरिकी महाशक्ति को चुनौती दे रहा है, तीन मुद्दे हैं जो ट्रम्प के नेतृत्व कौशल का परीक्षण करेंगे, जिनमें से पहला ट्रम्प पहले ही खुद का दावा कर चुका है। उन्होंने कहा, यह केवल इस तथ्य के साथ था कि मैं चुना गया था कि इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष समाप्त होना शुरू हो गया था, उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने में परीक्षण किया जाएगा कि संघर्ष की लपटें बुझती रहें। यूक्रेन युद्ध पर ट्रम्प की सलाह अभी तक ज्ञात नहीं है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन किसकी बात सुनेंगे। यह असली सवाल है। पुतिन ने अतीत में ट्रम्प को पानी पिलाया है और ट्रम्प की पूर्व-राष्ट्रपति रूस यात्रा के दौरान पुतिन ने उन्हें क्या 'आपूर्ति' की थी। दूसरे, 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में पुतिन का हस्तक्षेप भी सर्वविदित है। तो सवाल यह है कि वह ट्रम्प के लिए कितनी भीख मांगेंगे। यही बात चीन के शी जिनपिंग पर भी लागू होती है। चीन और शी अजीब रसायन हैं। वे न केवल चीन को महाशक्ति बनने में रुचि रखते हैं। घड़ी को तोड़ने के लिए। इसके लिए चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था का आकार इस हद तक बढ़ा लिया है कि आज दुनिया के कई देशों के बाजारों में चीनी उत्पाद बह रहे हैं। नतीजतन, अन्य देशों-विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार घाटे नाटकीय रूप से बढ़ गए हैं। इसकी भरपाई के लिए ट्रंप चीनी उत्पादों का आयात और महंगा करना चाहते हैं। इसका मतलब है कि अमेरिकी बाजार में चीनी उत्पादों पर भारी आयात शुल्क लगाना। यह स्पष्ट है कि इस तरह के टैरिफ एकतरफा नहीं होंगे। चीन जवाब में इसी तरह के उपाय करेगा। आज, चीन संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा ऋणदाता है। यही है, चीनी सरकार ने एक बड़ा डॉलर खरीदा है या अमेरिकी बॉन्ड में काफी निवेश किया है। चीन इसे हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं करेगा। अगर ऐसा होता है, तो दुनिया को एक नए व्यापार युद्ध का सामना करना पड़ेगा। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है, यह हमारी आंखों के माध्यम से ट्रंपोदया को देखना है। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत पन्नू की हत्या पर हमारे बदले हुए रुख का 'श्रेय' इस ट्रंपूदया को जाता है। हमारी अब तक की मजबूत स्थिति है कि पन्नू की हत्या में एक भी भारतीय शामिल नहीं है। पन्नू का यह मामला कनाडा के हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद सामने आया। कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर हत्या के लिए भारत को सार्वजनिक बयान दिया। विभाग ने निज्जर की हत्या के बारे में बात की और संकेत दिया कि भारतीय द्वारा उसे मारने का प्रयास किया गया था। इसके लिए अमेरिका ने कोना निखिल गुप्ता का नाम आगे रखा। गुप्ता को जून 2023 में प्राग में गिरफ्तार किया गया था और जून 2024 में संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया गया था। हम अमरीकी प्रणाली द्वारा इतने सारे ब्यौरे प्रकट करने से बहुत परेशान थे। अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, जर्मनी आदि एक दूसरे के साथ जासूसी का आदान-प्रदान करते हैं। एक समझौता है कि निज्जर हत्या के सबूत इकट्ठा करने में अमेरिकी एजेंसियां भी शामिल थीं। इसलिए इस मुद्दे पर कनाडा को अमेरिका से दूर करने का हमारा प्रयास विफल रहा। तब यह पता चला कि अमेरिकी एजेंसियों ने सीधे भारत सरकार को फोन किया और बहुत परेशानी पैदा की। अमेरिका द्वारा इस मुद्दे पर एक कदम पीछे हटने से इनकार करने के बाद हमें 'उच्च स्तरीय जांच' की घोषणा भी करनी पड़ी।इस 'उच्च-स्तरीय जांच' की रिपोर्ट हाल ही में सौंपी गई थी, जिसमें आपको 'स्वीकार' करना था कि पन्नू हत्याकांड में एक भारतीय शामिल हो सकता है। यह कोई संयोग नहीं है कि आपको यह स्वीकारोक्ति तब करनी पड़ रही है जब ट्रम्प की ताजपोशी में कुछ दिन बाकी हैं।

इस 'उच्च-स्तरीय' समिति ने पाया कि पन्नू हत्याकांड में यह भारतीय 'आपराधिक' पृष्ठभूमि से था। हालांकि, समिति ने यह खुलासा नहीं किया है कि यह भारतीय कौन है। हालांकि, उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। इसकी सिफारिश 'उच्च-स्तरीय' समिति द्वारा भी की गई है, जिसका अर्थ है कि आपने साजिश में किसी भी तरह की भागीदारी स्वीकार नहीं की और आपने कहा था कि आपने अपनी स्थिति पूरी तरह से बदल दी है और अब हम साजिश में शामिल होने की बात स्वीकार करने से लेकर कार्रवाई की सिफारिश करने तक चले गए हैं। निवर्तमान अमेरिकी राजदूत एरिक ग्रिसेट्टी ने इस बदलाव पर भारत सरकार को बधाई दी और आगे बढ़कर उसकी कूटनीति के घावों पर नमक छिड़कते हुए कहा कि 'हम क्या करना चाहते हैं'। यह करता है। निर्विवाद ट्रम्प को श्रेय। यह सज्जन कुछ भी कह सकते हैं और साथ ही कुछ भी कर सकते हैं। इसलिए पता नहीं, अगर उन्होंने कल इस पर कोई सीधी टिप्पणी की, तो हमें बहुत परेशानी होगी। इससे बचने के लिए, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हमने हत्या में भारतीय की संलिप्तता स्वीकार की। ट्रंप ने राष्ट्रपति पद संभालने से पहले कहा था कि कनाडा अमेरिका का 51वां राज्य होगा। बयान के पीछे जो भी कारण हो, कनाडा में हलचल मच गई। जस्टिन ट्रूडो, जिन्हें ट्रम्प द्वारा निशाना बनाया गया था, को पद छोड़ना पड़ा। संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में कनाडा का क्षेत्रफल 150,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक है। दोनों नाटो के संस्थापक सदस्य हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका कनाडा की घास कैसे ले सकता है जब एक से दूसरे की रक्षा करने की उम्मीद की जाती है? लेकिन अगर ट्रम्प भारी टैरिफ लगाने का सहारा लेते हैं, तो कनाडा सत्ता में आने से पहले ही घुटने टेक देगा और आत्मसमर्पण कर देगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर डेनमार्क ने ग्रीनलैंड पर नियंत्रण नहीं छोड़ा तो अमेरिका भारी शुल्क लगाएगा। हालांकि ग्रीनलैंड का 85 प्रतिशत हिस्सा बर्फ से ढका हुआ है, लेकिन यह खनिज संसाधनों से समृद्ध है। ग्रीनलैंड के प्रधान मंत्री एग्रेड ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ जाने से साफ इनकार कर दिया है, लेकिन उन्होंने कहा है कि 'हम सहयोग के लिए तैयार हैं'। ग्रीनलैंड की आबादी मुश्किल से 57,000 है। इतने सारे लोगों को हमारे पक्ष में मोड़ना बहुत मुश्किल नहीं है। डेनमार्क निश्चित रूप से जानता है कि ट्रम्प को लेना आसान नहीं है। ट्रम्प ने कार्यालय में अपने पहले कार्यकाल के दौरान मैक्सिकन सीमा के साथ एक दीवार बनाने की धमकी दी है, और पोप द्वारा इसकी आलोचना करने के बाद, ट्रम्प ने उन्हें चेतावनी दी कि आपका इस मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है और उन्हें चीन के गतिरोध को रोकने के लिए पहले मेक्सिको पर नियंत्रण करना होगा। क्योंकि चीन मेक्सिको में अपनी फैक्ट्री में उत्पादन करता है और अमेरिका में बेचता है। इसका मतलब है कि मेक्सिको का सिरदर्द बढ़ जाएगा!

ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि इजरायल और हमास को सत्ता में आने से पहले युद्ध समाप्त करना होगा। ट्रम्प की दरार ऐसी है कि ट्रम्प इजरायल के कट्टर समर्थक हैं। अपने पहले कार्यकाल में, उन्होंने यरूशलेम को इजरायल की राजधानी के रूप में मान्यता दी और अमेरिकी दूतावास को यरूशलेम में स्थानांतरित कर दिया। बिडेन ने रूस और यूक्रेन के संबंध में यूक्रेन की मदद की। ट्रम्प इतना नहीं करेंगे।

ज्वलंत प्रश्न: युवा जोड़ों की निजता की समस्या

डॉ सत्यवान सौरभ

हाल ही में ओयो रूम्स ने घोषणा की कि अविवाहित जोड़ों को उसके साझेदार होटलों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। पायल कपाड़िया की पुरस्कार विजेता फ़िल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट एक युवा जोड़े, अनु और शियाज की यात्रा को दर्शाती है, जो निजी स्थान पाने के लिए संघर्ष करते हैं। जबकि पात्र काल्पनिक हैं, उनकी समस्या भारत भर में विवाह-पूर्व सम्बंधों में कई युवाओं द्वारा सामना की जाने वाली वास्तविकता है, जहाँ गोपनीयता एक दुर्लभ वस्तु है।हाल ही में एक लोकप्रिय होटल एग्रीगेटर ऑयो द्वारा लागू की गई नीतियों के कारण गोपनीयता के लिए संघर्ष और भी बदतर होने की उम्मीद है। भारत में युवा जोड़ों के लिए गोपनीयता का मुद्दा सामाजिक मानदंडों और कानूनी अधिकारों के बीच एक गहरे संघर्ष को उजागर करता है। ओयो रूम्स ने घोषणा की कि अविवाहित जोड़ों को अब उसके साझेदार होटलों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। होटलों को स्थानीय संवेदनशीलता के आधार पर इस नियम को लागू करने की स्वतंत्रता दी गई है।सभी जोड़ों को चेक-इन के समय ₹सम्बंध का वैध प्रमाण₹ प्रस्तुत करना होगा जो कि स्थानांतरण का तत्काल कारण है। ओयो ने बताया कि यह निर्णय नागरिक समाज समूहों और नागरिकों के अनुरोधों के कारण लिया गया जिन्होंने कंपनी से ऐसी नीति अपनाने का आग्रह किया। शुरुआत में, यह नीति केवल उत्तर प्रदेश के मेरठ के होटलों पर लागू होगी लेकिन रिपोर्ट बताती है कि ओयो रूम्स अपने आवेदन को अन्य शहरों में भी लागू कर सकती है। यह वैवाहिक स्थिति के आधार पर भेदभाव है। 'सम्बंध का वैध प्रमाण' प्रदान करने की व्यावहारिकताओं से परे, यह स्पष्ट है कि ऑयो पार्टनर होटलों को उनके वैवाहिक स्थिति के आधार पर ग्राहकों के साथ भेदभाव करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है हालाँकि, ज्वलंत प्रश्न यह है कि क्या इस नीति से प्रतिकूल रूप से प्रभावित होने वाले लोग संविधान में या अन्यथा कानूनी उपाय पा सकते हैं।

गोपनीयता और सम्बंधों पर कानूनी दृष्टिकोण विवाह-पूर्व सम्बंधों की मान्यता है। विभिन्न निर्णयों में, सर्वोच्च न्यायालय ने विवाह-पूर्व सम्बंधों में प्रवेश करने के व्यक्तियों के अधिकार को मान्यता दी है। शफीन जहान बनाम अशोकन के.एम. (2020) में, न्यायालय ने पुष्टि की कि संविधान के अनुच्छेद 21 में व्यक्तियों को अपने साथी चुनने का अधिकार शामिल है, ' चाहे विवाह के भीतर या बाहर। नवतेज सिंह जौहर बनाम भारत संघ (2018) मामले ने सभी व्यक्तियों के शारीरिक, भावनात्मक, मानसिक और यौन साहचर्य के अधिकार को मान्यता दी। सुप्रीम कोर्ट के अन्य फैसलों ने ज़ोर देकर कहा है कि अनुच्छेद 21 से प्राप्त गोपनीयता, सम्मान और स्वायत्तता के अधिकार लोगों को सहमति से, अंतरंग या यौन सम्बंधों में संलग्न होने, अपने साथी के साथ सहवास करने की स्वतंत्रता देते हैं यदि वे चुनते हैं। कई अविवाहित जोड़ों के लिए, होटल सेवाओं का उपयोग करना इन अधिकारों का प्रयोग करने का एक तरीक़ा है। विवाह पूर्व सम्बंधों में रहने वाले व्यक्तियों को छोड़कर, विभिन्न लिंगों के व्यक्ति जो दोस्त, सहकर्मी या चचेरे भाई हैं, वे भी एक साथ यात्रा कर सकते हैं और उन्हें ऑयो की सेवाओं की आवश्यकता हो सकती है।

मौलिक अधिकारों की प्रवर्तनीयता संवैधानिक योजना के तहत, संविधान के भाग III में निहित मौलिक अधिकार मुख्य रूप से राज्य और उसके साधनों के खिलाफ लागू करने योग्य हैं, न कि गैर-राज्य अभिनेताओं के खिलाफ। जब राज्य उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है तो नागरिक अदालतों से संवैधानिक उपचार मांग सकते हैं। हालांकि, ये अधिकार उन मामलों तक विस्तारित नहीं होते हैं जहाँ कोई निजी पक्ष उनके प्रयोग में बाधा डालता है। संवैधानिक अधिकारों को आम तौर पर ऊर्ध्वाधर तरीके से (यानी, राज्य के खिलाफ) लागू माना जाता है, न कि क्षैतिज तरीके से (यानी, निजी व्यक्तियों या संस्थाओं के बीच) । संविधान में तीन स्पष्ट प्रावधान शामिल हैं जो अधिकारों के पारंपरिक ऊर्ध्वाधर मॉडल से अलग हैं: अनुच्छेद 15 (2) : सार्वजनिक स्थानों और सेवाओं तक पहुँचने में धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव को रोकता है। अनुच्छेद 17: अस्पृश्यता पर रोक लगाता है। अनुच्छेद 23: मानव तस्करी और जबरन श्रम पर रोक लगाता है।

कौशल किशोर बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2023) में, सुप्रीम कोर्ट ने माना कि अनुच्छेद 21 के तहत अधिकार निजी पक्षों के खिलाफ भी लागू किया जा सकता है, जिससे क्षैतिज अधिकारों का दायरा बढ़ जाता है। जबकि अनुच्छेद 15 (2) धर्म, जाति और अन्य सूचीबद्ध आधारों पर भेदभाव को रोकता है, यह स्पष्ट रूप से वैवाहिक स्थिति को कवर नहीं करता है, जिससे ऑयो की नीति जैसे मामलों में इसकी प्रयोज्यता में अस्पष्टता बनी रहती है। निजी संस्थाओं के खिलाफ अनुच्छेद 21 को लागू करने के लिए कौशल किशोर निर्णय के निहितार्थ अस्पष्ट हैं। सुसंगत न्यायशास्त्र की कमी से यह अनिश्चित हो जाता है कि क्या अविवाहित व्यक्ति ऐसे मामलों में अनुच्छेद 21 के तहत अधिकारों का दावा कर सकते हैं।

वर्तमान क़ानून सीमित सुरक्षा प्रदान करते हैं, जैसे कि वैवाहिक स्थिति की परवाह किए बिना महिलाओं को दिए जाने वाले अधिकार हालाँकि, एक व्यापक भेदभाव-विरोधी कानून की आवश्यकता है. वैवाहिक स्थिति, धर्म या लिंग पहचान जैसी विशेषताओं पर भेदभाव न केवल होटल सेवाओं तक पहुँच को प्रभावित करता है, बल्कि आवास, रोजगार और संपत्ति के स्वामित्व को भी प्रभावित करता है। इसे सम्बोधित करने के लिए निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में समानता सुनिश्चित करने के लिए विधायी और सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता है।

सामाजिक मानदंड अक्सर बहुमत द्वारा निर्धारित किए जाते हैं और उन्हें प्राथमिकता देने से अल्पसंख्यक समुदायों के मूल्यों को कम करते हुए बहुमत के मूल्यों को बढ़ाने का जोखिम होता है। सहिष्णुता की आवश्यकता महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि सामाजिक मानदंड कठोर हो सकते हैं। समाज को अधिक सहिष्णुता को अपनाना चाहिए और कानूनी अस्पष्टताओं को स्पष्ट किया जाना चाहिए।बहुमत का अत्याचार अक्सर निजी क्षेत्र में उतना स्पष्ट नहीं होता है। किसी कार्य को सामाजिक स्वीकृति नहीं मिल सकती है, लेकिन संविधान हमें इसे करने का अधिकार देता है। कानून को-चाहे वह किसी भी रूप में हो-इस अधिकार की रक्षा करनी चाहिए।

डॉक्टर और कंपनियों का कपट जाल दवाओं की कीमत में उछाल

प्रियंका सौरभ

देश में दवाओं की क़ीमत सरकार नहीं बल्कि डॉक्टर ख़ुद तय कर रहे हैं। डॉक्टर अपने मुताबिक ब्रांड बनवाते हैं। क़ीमत फिक्स करते हैं। 38 रुपए की दवा की एमआरपी 1200 रुपए कर दी जा रही है। यह महज़ एक एग्जाम्पल है, ऐसा तमाम दवाओं में किया जा रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं, 20 साल में 40 हज़ार करोड़ से दवा का कारोबार 2 लाख करोड़ के पास पहुँच गया है। इसका बड़ा कारण वह एमआरपी में बड़े खेल को मानते हैं। 2005 से 2009 तक 50 प्रतिशत एमआरपी पर दवाएँ बिक रही थी। अगर 1200 रुपए की एमआरपी है तो डीलर को 600 रुपए में दी जाती थी। अब डॉक्टर अपने हिसाब से ही एमआरपी तय करवा रहे हैं। जबकि नियमों के अनुसार डॉक्टर दवाओं के रेट तय नहीं करते। दवाओं के रेट, दवा बनाने वाली कंपनियाँ तय करती हैं। दवाओं के रेट तय करने में कई कारक शामिल होते हैं। दवाओं पर व्यापारियों को अच्छा मुनाफ़ा होता है।

ब्रांडेड दवाओं पर रिटेलर ज़्यादा से ज़्यादा 20-25 प्रतिशत तक की छूट देते हैं। जेनेरिक दवाओं पर 50-70 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। जेनेरिक दवाएँ सस्ती होती हैं क्योंकि उन्हें महंगी जांचों से नहीं गुज़रना पड़ता। दवा खरीदते समय, दवा के रैपर पर क्यूआर कोड होना चाहिए. दवा के रैपर पर क्यूआर कोड से दवा का नाम, ब्रैंड का नाम, मैन्युफ़ैक्चरर की जानकारी, मैन्युफ़ैक्चरिंग की तारीख और एक्सपायरी की तारीख मिलती है। दवाओं या उनके अवयवों के बारे में जानकारी के लिए, डॉक्टर या फ़ार्मासिस्ट से पूछा जा सकता है।

मगर जो दवाएँ सरकार के कंट्रोल से बाहर, उनमें मनमानी दवा की क्वालिटी और एमआरपी की निगरानी के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइस अथॉरिटी काम करती है। सरकार ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के माध्यम से दवा की एमआरपी पर नियंत्रण रखती है। आवश्यक और जीवन रक्षक दवाओं के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करने के साथ डीपीसीओ की जिम्मेदारी मरीजों के लिए दवाएँ सस्ती और सुलभ कराने की भी है।

सरकार जिन दवा को डीपीसीओ के अंडर में लाती है, उनकी एमआरपी तो कंट्रोल में होती है, लेकिन सैकड़ों फॉर्मूले की दवाएँ आज भी सरकार के कंट्रोल से बाहर हैं, जिसकी एमआर पी में मनमानी चल रही है। दवाओं की कीमतों में इजाफे को लेकर सरकार की गाइडलाइन है कि एक साल में 10 प्रतिशत ही एमआरपी बढ़ाई जा सकती है। लेकिन कंपनियाँ प्रोडक्ट्स का नाम बदलकर हर साल डॉक्टरों की डिमांड वाली एमआरपी बना रही हैं। कंपनियाँ अलग डिवीजन और ब्रांड बदलकर एमआरपी अपने हिसाब से फिक्स कर देती हैं। फार्मा फैक्ट्रियों से ही देश में दवाएँ सप्लाई की जाती हैं। कंपनियों और डॉक्टरों के इस खेल में कंपनियाँ अपने मुनाफे के लिए नियमों को ताक पर रखकर डॉक्टरों के हिसाब से न सिर्फ़ दवाएँ बनाने को तैयार हो जाती है, बल्कि मनमानी क़ीमत भी तय कर देती है। यही नहीं इन कंपनियों से मोबाइल पर ही डील हो जाती है। तभी तो देश भर में डॉक्टर और हॉस्पिटल ख़ुद अपनी दवाएँ बनवा ही रहे हैं और मनमाफिक मूल्य पर बेच रहे है। डॉक्टर और हॉस्पिटल तो ख़ुद अपनी दवाएँ बनवा रहे हैं और माइक्रो पायलट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे ही एक्सपायरी निर्धारित होती है। अगर दवा में माइक्रो पायलट की क्वालिटी थोड़ी डाउन कर दी जाए तो मार्जिन बढ़ जाएगा, लेकिन एक्सपायरी का समय कम हो जाएगा। इसके पीछे कारण यह कि मटेरियल और एक्सपायरी को लेकर सरकार की कोई गाइडलाइन नहीं है। एक्सपायरी की डेट भी कंपनियाँ तय करती हैं। सरकार के कंट्रोल में जो दवाएँ हैं, इसे लेकर थोड़ी सख्ती है। बाक़ी मेडिसिन पर कोई ख़ास निगरानी नहीं है।

ये एक गंभीर विषय है कि दवा का निर्माण, आयात या बिक्री करने वाली कंपनियाँ ही दवा की कीमतें निर्धारित करती हैं।

नियमों में कहा गया है कि केवल प्रिस्क्रिप्शन वाली दवा और ओवर-द-काउंटर दवा के प्रकार जो केवल फ़ार्मेसियों में बेचे जा सकते हैं, उन्हें सभी फ़ार्मेसियों में बिल्कुल एक ही क़ीमत पर बेचा जाना चाहिए। इसलिए, की दवाओं की कीमतें फ़ार्मेसियों के बीच उतार-चढ़ाव नहीं करती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप अपना प्रिस्क्रिप्शन भरने के लिए किस फ़ार्मेसी को चुनते हैं। यही नहीं दवा बनाने वाली कंपनियों पर ये नियम सख्ती से लागू किये जाए कि वह हर साल्ट का मूल्य भारत सरकार के नियमानुसार एक जैसा निर्धारित करे चाहे ब्रांड कोई भी हो। मूल्य ब्रांड पर न होकर साल्ट पर हो ताकि डॉक्टरों और कंपनियों के काले धंधे पर लगाम लगे और मरीज को 300 रूपये का इंजेक्शन बारह हज़ार में न खरीदना पड़े।

अरबपतियों का गाँव

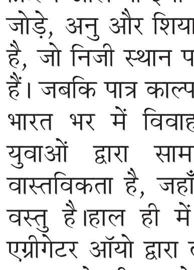

डॉ. सुरेश मिश्रा

गाँव के चौराहे पर शाम का मेला लगा था। ढोल बज रहा था, पकोड़े तले जा रहे थे, और चौपाल पर बैठा हर आदमी अपनी खस्ता जेबों की कहानियाँ सुना रहा था। तभी प्रधानजी आते हुए बोले, खबर सुनी? हमारे देश में 185 अरबपति हो गए हैं! रामदीन काका, जिनकी धोती का एक सिरा फटा हुआ था, ताली बजाते हुए बोले, वाह! अब तो सबका भला होगा। बगल में बैठा छोटू, जो रोज रिक्शा चलाकर पेट पालता था, पूछ बैठा, काका, यह अरबपति होते क्या हैं? काका ने जवाब दिया, अरे, अरबपति मतलब जिनके पास इतने पैसे हों कि गिनने के लिए कलेंडर लगाना पड़े! छोटू आँखें फाड़कर बोला, फिर तो मैं आधा अरबपति हूँ। मेरे पास गिनने लायक पैसे नहीं हैं। यह सुनकर चौपाल में ठहाका गूंजा। लेकिन प्रधानजी गम्भीर हो गए। बोले, तुम नहीं समझोगे, अरबपति बढ़ने का मतलब है देश का विकास।यह सुनकर हलवाई रामसिंह ने चिमटा उठाया और बोले, प्रधानजी, मेरे चूल्हे की आँच तो रोज ठंडी पड़ती है। यह विकास वाली आग कौन सा ईंधन जलाकर लाई जाती है? प्रधानजी ने ज़ोर से खाँसते हुए कहा, देखो, यह सब बड़े-बड़े लोग करते हैं। वे पैसा लगाते हैं, फैक्ट्रियाँ लगाते हैं, और तुम जैसे लोगों को रोज़गार देते हैं। तभी कालेज की पढ़ाई छोड़कर लौटे रवि ने सवाल दागा, तो ये अरबपति किस फैक्ट्री में पैसे लगाते हैं जहाँ मज़दूरों के हिस्से में सिर्फ वादे आते हैं? चुप्पी छा गई। प्रधानजी ने बात बदलते हुए कहा, वैसे, अगले साल और अरबपति बनेंगे। सोचो, कितनी तरक्की होगी! बुद्धू हलवाई मुस्कुराते हुए बोला, तो फिर हम जैसे लोगों की संख्या भी बढ़ेगी। हम 'सौदागर' कहलाएँगे—गरीबी बेचकर अमीरों को बधाई देने वाले। मंटू धोबी, जो पुराने कपड़े सुधारने का काम करता था, ठहाका लगाते हुए बोला, प्रधानजी, जब अगली बार आपकी गाड़ी ख़राब हो, तो मुझे अरबपति बनने का मौका दीजिए। मैं आपकी गाड़ी धक्का लगाकर धनी बन जाऊँगा। प्रधानजी को गुस्सा आ रहा था। बोले, *तुम सब सिर्फ मज़ाक कर सकते हो। जब चीन के बराबर अरबपति होंगे, तब समझोगे कि क्यों यह अच्छी बात है। तभी बूढ़े मदन काका, जो चुपचाप बीड़ी सुलगा रहे थे, बोले, चीन की बात करते हो बेटा। क्या तुम्हें मालूम है कि वहाँ मजदूर पेट भर खाता है और हमारे यहाँ फटे कपड़े पहनता है? यह सुनकर सबकी हँसी कहीं खो गई। प्रधानजी बड़बड़ाते हुए उठे और बोले, तुम सब नकारात्मक सोच वाले हो। यही कारण है कि तुम आगे नहीं बढ़ते। उनके जाते ही छोटू बोला, प्रधानजी तो अरबपतियों के लिए चुनाव लड़ेंगे। हम गरीबों के लिए कौन लड़ेगा? गाँव की चुप्पी भारी हो गई। पकोड़े ठंडे पड़ गए। चौराहे पर अँधेरा छा गया। और हर आदमी यह सोचते हुए अपने घर लौटा कि अरबपतियों के बढ़ते आँकड़े उनके बुझे चूल्हों की आँच कब जलाएँगे। गाँव के चौराहे पर शाम का मेला लगा था।

आज वक्री मंगल बदलेगा राशि

मिथुन राशि में 24 फरवरी तक वक्री होगा मंगल, जानिए सभी 12 राशियों के लिए कैसा रहेगा मंगल का असर

अभी मंगल ग्रह वक्री है और वक्री रहते हुए ये ग्रह 21 जनवरी को कर्क से मिथुन राशि में प्रवेश कर लेगा। 24 फरवरी तक मंगल मिथुन में वक्री रहेगा, इसके बाद मार्गी हो जाएगा और 2 अप्रैल को फिर से कर्क राशि में आ जाएगा। ज्योतिष की सरल भाषा में ग्रह का वक्री होना यानी ग्रह का पीछे की ओर चलना और मार्गी होना यानी आगे की ओर बढ़ना।

मंगल हमारी अपनी योजनाओं, कार्यशैली और सोच-विचार को प्रभावित करता है। मंगल के वक्री होने से कई लोगों को अपने कार्यों में संघर्ष का सामना करना पड़ेगा। काम में देरी हो सकती है। ये सतर्कता बरतने का समय है। निवेश किसी से मार्गदर्शन लेकर ही करें। मंगल के अशुभ असर को कम करने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करें। मंगल देव की पूजा करें। मंगल के मंत्र ऊँ अं अंगारकाय नमः का जप करें। मसूर की दाल का दान करें।

मेष राशि

इस राशि के लिए मंगल लाभदायक रहेगा। भाई-बहन की वजह से कोई बड़ा काम पूरा हो सकता है। सफलता मिलेगी।

वृषभ राशि

इन लोगों को आर्थिक मामलों में लाभ होगा, लेकिन फिजूलखर्ची से बचना पड़ेगा, वर्ना दिक्कतें बढ़ जाएंगी। चोट लगने का भय है। ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्या हो सकती है।

मिथुन राशि

मंगल के कारण लाभ की स्थितियां बनेंगी। सोच हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे। किसी नए काम की शुरुआत हो सकती है।

कर्क राशि

कर्क राशि के लोगों को अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा। छोटी सी लापरवाही भी बड़ी परेशानी खड़ी कर सकती है। खर्च बढ़ सकते हैं। कोर्ट संबंधी दिक्कतें आएंगी।

सिंह राशि

आय में बढ़ोतरी हो सकती है। संतान की वजह से सुखद समय व्यतीत होगा। घर-परिवार में शांति और प्रेम बना रहेगा।

कन्या राशि

पिता से सहयोग मिलेगा, कोई बड़ा काम समय पर पूरा हो सकता है। कार्य वृद्धि होगी, लेकिन लाभ भी बढ़ेगा।

तुला राशि

आपका भाग्य प्रबल रहेगा। काम में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अधिकारी संतुष्ट रहेंगे। सुखद समय रहेगा।

वृश्चिक राशि

वित्तीय मामलों में जोखिम बढ़ सकता है। किसी को उधार देने या लेने से बचें। वाहन की वजह से तकलीफ हो सकती है, चोट लग सकती है।

धनु राशि

दांपत्य जीवन का तनाव दूर हो सकता है। प्रेमियों के लिए समय अच्छा रहेगा। प्रेमी से विवाह की बात हो सकती है।

मकर राशि

शत्रु की वजह से हानि हो सकती है। पुराने रोग उभर सकते हैं। काम में देरी होगी। खान-पान का ध्यान रखें।

कुंभ राशि

संतान की वजह से सुख मिलेगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। कार्य वृद्धि हो सकती है। आय में बढ़ोतरी होने के योग हैं।

मीन राशि

माता की वजह से सुख मिलेगा। घर-परिवार में संपन्नता बनी रहेगी। धन लाभ हो सकता है, लेकिन कर्ज भी बढ़ सकता है, इसलिए सतर्क रहें।

घर-परिवार की सुख-शांति के लिए समर्पण की भावना है जरूरी

मुश्किल समय में धैर्य और सहनशीलता बनाए रखें, जीवन साथी की मदद के लिए तैयार रहें

घर-परिवार में सुख-शांति तभी रह सकती है, जब परिवार के सभी सदस्यों के बीच आपसी तालमेल, समर्पण की भावना और प्रेम हो। जब हम एक-दूसरे के सुख के लिए अपने सुख का त्याग करते हैं तो आपसी प्रेम बढ़ता है। शास्त्रों से सीखें परिवार में सुख, प्रेम और शांति बनाए रखने के लिए कौन-कौन सी बातें जरूरी हैं...

परिवार के हर सदस्य की इच्छा का मान रखें

रामायण में भगवान श्रीराम ने माता कैकेयी की इच्छा का मान रखते हुए वनवास जाना स्वीकार किया। श्रीराम परिवार के हर सदस्य की इच्छा पूरी करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। श्रीराम ने संदेश दिया है कि घर के लोगों की इच्छा पूरी करने के लिए हमें अपने सुख का त्याग करना पड़े तो भी पीछे नहीं हटना चाहिए।

हालात कैसे भी हों, धर्म का साथ न छोड़ें

महाभारत में पांडवों के जीवन में लगातार मुश्किलें आती रहीं, लेकिन उन्होंने कभी भी धर्म का साथ नहीं छोड़ा। हर स्थिति में श्रीकृष्ण के मार्गदर्शन का पालन करते रहे। श्रीकृष्ण ने भी पांडवों का साथ इसीलिए दिया था, क्योंकि वे धर्म के मार्ग पर चल रहे थे। जब हम पूरे परिवार के साथ धर्म के मार्ग पर चलते हैं, हमेशा सही काम करते हैं, तब हमें भगवान की भी कृपा मिलती है और जीवन के सभी दुख दूर होते हैं।

धैर्य, समर्पण की भावना और सहनशीलता बनाए रखें

परिवार में प्रेम, सुख-शांति चाहते हैं तो धैर्य और सहनशीलता का गुण कभी न छोड़ें। राजा हरिश्चंद्र के जीवन में कई बड़ी-बड़ी परेशानियां आईं। उनका राज-पाठ, धन-संपत्ति सबकुछ छीन गया था। यहां तक कि राजा हरिश्चंद्र को अपनी पत्नी और बेटे राहुल से भी दूर होना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी भी धैर्य और सहनशीलता का गुण नहीं छोड़ा। राजा हरिश्चंद्र की पत्नी तारामति पति का साथ देती रहीं, तारामति ने पति के लिए समर्पण की भावना बनाए रखी। तारामति ने भी पति का मान रखने और पति के वचन को पूरा करने के लिए राज-पाठ, सुख-सुविधाएं छोड़ दी थीं।

बाद में राजा हरिश्चंद्र और तारामति के इन्हीं गुणों की वजह से राजपाठ, सुख-सुविधाएं, पुत्र सबकुछ वापस मिल गया था। जिन परिवारों में ये भावनाएं होती हैं, वहां आपसी प्रेम बना रहता है।

परिवार के सभी सदस्य एकता बनाए रखें

सभी देवी-देवताओं में सिर्फ शिव जी ही ऐसे हैं, जिनका भरा-पूरा परिवार है। शिव-पार्वती के पुत्र गणेश जी उनकी पत्नियां हैं ऋद्धि-सिद्धि और इनके पुत्र हैं लाभ-क्षेम। शिव जी का वाहन नंदी है, वे गले में नाग धारण करते हैं, देवी का वाहन सिंह है, गणेश जी का वाहन चूहा है और कार्तिकेय स्वामी का वाहन है मोर। नाग के चूहे का शत्रु है, मोर नाग का शत्रु है, शेर नंदी का शत्रु है, लेकिन ये सभी एक साथ एक परिवार में रहते हैं और कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं।

शिव परिवार के ये वाहन हमें संदेश देते हैं कि परिवार में सभी लोगों के विचार अलग-अलग होते हैं, हमें सभी के विचारों का मान रखना चाहिए और एकता बनाए रखनी चाहिए। अगर परिवार के सदस्य एक-दूसरे के शत्रुता रखेंगे तो परिवार टिक नहीं पाएगा।

माता-पिता के लिए अपने सुख का त्याग करने में पीछे न हटें

श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता की सेवा और भक्ति करने की वजह से प्रसिद्ध हैं।

एक दिन उनके माता-पिता ने तीर्थयात्रा पर जाने की इच्छा जताई तो श्रवण कुमार ने एक बड़ा कावड़ बनाया और उसमें एक ओर माता, दूसरी ओर पिता को बिठाकर तीर्थ यात्रा पर निकल गए। श्रवण कुमार की माता-पिता के प्रति भक्ति हमें संदेश देती है कि माता-पिता की इच्छा का पूरी करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। माता-पिता के लिए अपने सुख का त्याग करना पड़े तो पीछे नहीं हटना चाहिए।

महाकुंभ में नागा पुरुषों के साथ महिलाओं का भी होगा दीक्षा संस्कार, बनेंगी नागा साध्वी

प्रयागराज का महाकुंभ में जिस तरह से नागा साधु आर्कषण का केंद्र बने हुए हैं ठीक उसी तरह इस महाकुंभ में नागा साध्वी भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इस बार महाकुंभ में अकेले श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतर्गत 200 से अधिक महिलाओं की संन्यास दीक्षा होगी।

प्रयागराज महाकुंभ में इस बार नागा पुरुषों के साथ महिलाओं का भी दीक्षा संस्कार होगा और यह एक नया इतिहास लिखने जा रहा है। महाकुंभ में इस बार मातृ शक्ति ने अखाड़ों से जुड़ने में गहरी रुचि दिखाई है। इसके परिणामस्वरूप प्रयागराज महाकुंभ सबसे अधिक महिला संन्यासियों की दीक्षा का इतिहास लिखने जा रहा है। संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की महिला संत दिव्या गिरी बताती हैं कि इस बार महाकुंभ में अकेले श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतर्गत 200 से अधिक महिलाओं की संन्यास दीक्षा होगी। सभी अखाड़ों को अगर शामिल कर लिया जाए तो यह संख्या एक हजार का आंकड़ा पार कर जाएगी।

महिलाएं भी बनती हैं नागा साध्वी

महिलाओं के लिए नागा साधु बनने का रास्ता बेहद कठिन होता है। इसमें 10 से 15 साल तक कठोर ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना पड़ता है। गुरु को अपनी योग्यता और ईश्वर के प्रति समर्पण का प्रमाण देना होता है। महिला नागा साधुओं को जीवित रहते हुए अपना पिंडदान और मुंडन भी जरूर करना होता है।

जूना अखाड़ा है बेहद खास

गंगा के तट पर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अवधूतों को नागा दीक्षा की प्रक्रिया शुरू हो गई। संन्यासी अखाड़ों में सबसे अधिक नागा संन्यासियों वाला अखाड़ा श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा है। जिसमें निरंतर नागाओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है जिसके विस्तार की प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई। इसके अलावा आज निरंजनी और आनंद अखाड़े की बारी है।

नागा संन्यासियों की परंपरा

भगवान शिव के दिगम्बर भक्त नागा संन्यासी महाकुम्भ में सबका ध्यान अपनी तरफ खींचते हैं और यही वजह है कि शायद महाकुंभ में सबसे अधिक जन आस्था का सैलाब जूना अखाड़े के शिविर में दिखता है। अखाड़ों की छावनी की जगह सेक्टर 20 में गंगा का तट इन नागा संन्यासियों की उस परम्परा का साक्षी बना जिसका इंतजार हर 12 साल में अखाड़ों के अवधूत करते हैं। शनिवार को नागा दीक्षा की शुरुआत हो गई है। नागा संन्यासियों की संख्या में जूना अखाड़ा काफी आगे है जिसमे अभी 5.13 लाख से अधिक नागा संन्यासी हैं तो वहीं निरंजनी अखाड़े में भी 5 लाख के ऊपर नीगा संन्यासी हैं।

कैसे बनते हैं नागा संन्यासी

नागा संन्यासी केवल कुंभ में बनते हैं और वहीं उनकी दीक्षा होती है। सबसे पहले साधक को ब्रह्मचारी के रूप में रहना पड़ता है। उसे तीन साल गुरुओं की सेवा करने और धर्म-कर्म और अखाड़ों के नियमों को समझना होता है। इसी अवधि में ब्रह्मचर्य की परीक्षा ली जाती है। अगर अखाड़ा और उस व्यक्ति का गुरु यह निश्चित कर ले कि वह दीक्षा देने लायक हो चुका है तो फिर उसे अगली प्रक्रिया में ले जाया जाता है। यह प्रकिया महाकुंभ में होती है जहां वह ब्रह्मचारी से महापुरुष और फिर अवधूत बनाया जाता है। महाकुंभ में गंगा किनारे उनका मुंडन कराने के साथ उसे 108 बार महाकुंभ की नदी में डुबकी लगवाई जाती है।

नागा साधु

अंतिम प्रक्रिया में उनका स्वयं का पिंडदान तथा दंडी संस्कार आदि शामिल होता है। अखाड़े की धर्म ध्वजा के नीचे अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर उसे नागा दीक्षा देते हैं। प्रयाग के महाकुंभ में दीक्षा लेने वालों को राज राजेश्वरी नागा, उज्जैन में दीक्षा लेने वालों को खूनी नागा, हरिद्वार में दीक्षा लेने वालों को बर्फानी व नासिक वालों को खिचड़िया नागा के नाम से जाना जाता है। इन्हें अलग-अलग नाम से केवल इसलिए जाना जाता है, जिससे उनकी यह पहचान हो सके कि किसने कहां दीक्षा ली है।

अनमोल वचन

भविष्य को सुधारना है तो मेहनत आज से करनी होगी भविष्य आज से हो कर गुजरता है ।

कर्म का फल भले कितनी बाधाहे क्यों न आजाये मिलता ज़रूर है ।

जीवन की ज्योति जब तक चलती है सच्चे मन से कार्य करते रहे सफलता अवश्य मिलेगी ।

आपके संघर्ष को कोई नहीं बूझा सकता भले रास्ते में कितने ही काटे क्यों ना आ जाये ।

सच्ची मित्रता वही होती हैं जो आपके सुख या दुख को नहीं देखती वो हर समय उपस्थित रहती है ।

सफलता क्या है वो आपके सपने है जो आपने कल देखे थे और आज उसे आप पूरा कर रहे हो ।

क्या दरवाजे के पीछे कपड़े टांगना ठीक है

यदि हम वास्तु की मानें तो दरवाजे के पीछे कपड़े टांगना वास्तु के अनुसार शुभ नहीं माना जाता है और ये वास्तु दोष का कारण बन सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का हर दरवाजा सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश और नकारात्मक ऊर्जा के निष्कासन का मुख्य मार्ग होता है।

जब दरवाजे के पीछे कपड़े टांगे जाते हैं, तो यह ऊर्जा के प्रवाह में बाधा उत्पन्न करता है। परिणामस्वरूप, घर में अशांति, तनाव और आर्थिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। दरवाजे के पीछे कपड़े टांगने से घर का वातावरण अव्यवस्थित होने लगता है। यह केवल देखने में ही अव्यवस्थित नहीं लगता है बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक सोच को भी बाधित करता है।

दरवाजे के पीछे कपड़े टांगना वास्तु दोष का कारण

दरवाजे के पीछे लंबे समय तक गंदे कपड़े टांगने से वहां धूल और गंदगी जमा हो सकती है। यह घर के पर्यावरण को दूषित करता है और परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। दरवाजे के पीछे कपड़े टांगने से घर के उस स्थान पर वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है।

यह दोष परिवार के सदस्यों के रिश्तों, कार्यक्षमता और समृद्धि पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है। किसी भी दरवाजे को घर का मुख्य स्थान माना जाता है, चाहे वह अंदर का दरवाजा हो या बाहर का। यह घर में ऊर्जा के आदान-प्रदान का केंद्र होता है। यदि इस स्थान पर रुकावट होती है, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम हो सकता है।

घर के दरवाजों में ऊर्जा का प्रवाह

घर के भीतर के दरवाजे भी ऊर्जा प्रवाह का हिस्सा होते हैं। दरवाजे के पीछे कपड़े टांगने से कमरों में नकारात्मकता बढ़ सकती है और वहां रहने वालों का मन अस्थिर हो सकता है।

यदि संभव हो, तो दरवाजे के पीछे कपड़े टांगने की आदत छोड़ दें। इसके बजाय कपड़े रखने के लिए अलग से स्थान निर्धारित करें जैसे अलमारी या दीवार पर हुक लगाएं।

वास्तु दोष को कम करने के लिए दरवाजे पर तोरण या 'ओम' और 'स्वास्तिक' जैसे शुभ चिन्ह लगाएं। यह नकारात्मक ऊर्जा को कम करता है और घर में सकारात्मकता बढ़ाता है।

दरवाजों के पीछे सफाई का ध्यान रखें

यदि किसी वजह से दरवाजे के पीछे कपड़े टांगना अनिवार्य हो, तो ध्यान रखें कि आप इस स्थान को साफ और व्यवस्थित रखें। गंदे या पुराने कपड़ों को दरवाजे के पीछे टांगने से बचें।

ध्यान रखें कि दरवाजे को पूरी तरह से खोलने और बंद करने के लिए पर्याप्त स्थान होना जरूरी है। यह सकारात्मक ऊर्जा के सुचारु प्रवाह में मदद करता है। यदि आप दरवाजे के पीछे इतने कपड़े टांगते हैं जिससे दरवाजा खोलने में समस्या आती है तो ऐसा करना आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह करने में बाधा ला सकता है।

दरवाजे के पीछे कपड़े टांगने के नकारात्मक प्रभाव

दरवाजे के पीछे कपड़े टांगने की आदत न केवल वास्तु शास्त्र के अनुसार हानिकारक हो सकती है, बल्कि इसका आपके जीवन में मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी होता है।

आइए जानें कैसे-

दरवाजे के पीछे कपड़े टांगने से आपको हमेशा अव्यवस्था का एहसास होता है। आपकी नजर जब भी इन कपड़ों में पड़ती है ये आपकी मनः स्थिति को भी प्रभावित कर सकते हैं। यह व्यक्ति के मन को भी अस्थिर कर सकते हैं और कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, आपके घर में किसी भी तरह की अव्यवस्था मानसिक शांति को बाधित कर सकती है। दरवाजे के पीछे कपड़े टांगने से व्यक्ति तनाव महसूस कर सकता है।

इस आदत से जीवनशैली में अनुशासन की कमी झलकती है, जो व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

वीर अश्वपति ने महान योद्धा सिकंदर को किया झुकने पर मजबूर

वीर अश्वपति के छोटे से राज्य से भी कोई टक्कर लेने की हिम्मत नहीं कर पाता था। प्रतापी सम्राट पोरस से युद्ध करने के बाद सिकंदर की सेना ने आगे बढ़ने से इंकार कर दिया। सिकंदर ने अश्वपति की वीरता की गाथाएं सुन रखी थी। उसके सिपाही भी हिम्मत हार चुके थे इसीलिए उसने छल से रात में अश्वपति पर आक्रमण कर दिया।

महाराज अश्वपति बंदी बना लिए गए। सिकंदर ने अश्वपति के शौर्य की परीक्षा लेने के इरादे से उसे बंधनमुक्त कर दिया और संधि कर ली। इस खुशी में दोनों नरेशों का एक सम्मिलित दरबार आयोजित किया गया।

अश्वपति अपने खूंखार लड़ाके कुत्तों के लिए विख्यात थे। वह अपने पास हमेशा चार कुत्ते रखते थे। जब वह दरबार में पहुंचे तब कुत्ते भी उनके साथ थे।

सिकंदर ने उनके पहुंचते ही व्यंग्य किया "महाराज, ये भारतीय कुत्ते हैं ?" अश्वपति ने तुरन्त उत्तर दिया, "हां, ये छिपकर आक्रमण नहीं करते, शेरों से भी मैदान में लड़ते हैं।"

सिकंदर ने शेर और कुत्तों की लड़ाई के आयोजन का निर्देश दिया। शेर और दो कुत्तों की लड़ाई छिड़ गई। शेर ने कुत्तों को लहुलूहान कर दिया। शेष दो कुत्ते भी छोड़ दिए गए।

कुत्तों ने ऐसे दांत चुभाए कि शेर वहीं गिर पड़ा। अश्वपति ने ललकार कर कहा, "आपकी सेना में कोई वीर है, जो कुत्तों को शेर से अलग कर दे ?"

कई योद्धा आए पर वे कुत्तों के दांत न छुड़ा सके। अश्वपति ने अपने अंगरक्षक को संकेत दिया।

उसके एक ही झटके में शेर की हड्डी और मांस सहित कुत्ता भी खिंच गया। अश्वपति कभी झुके नहीं। उन्होंने महान योद्धा सिकंदर तक को झुकने पर मजबूर कर दिया।

बिग बॉस के घर में ईशा संग लव एंगल पर अविनाश मिश्रा ने तोड़ी चुप्पी, बोले- 'लोगों के मन में बहुत से सवाल हैं'

रविवार को फाइनली सलमान खान के बिग बॉस 18 का ग्रैंड फिनाले हुआ. इस बार करण वीर मेहरा के सिर जीत का सेहरा बंधा. करणवीर मेहरा को बिग बॉस 18 की ट्रॉफी के साथ ही 50 लाख रुपये की प्राइज मनी भी मिली. वहीं करण के अलावा जो कंटेस्टेंट फिनाले में पहुंचे थे उनमें विवियन डीसेना, रजत दलाल, अविनाश मिश्रा , ईशा सिंह और चुम दरंग शामिल थे. ग्रैंड फिनाले के बाद, अविनाश ने आखिरकार अपने और ईशा के बीच लव एंगल को लेकर बात की.

बिग बॉस 18 में ईशा संग लव एंगल पर क्या बोले अविनाश मिश्रा

अविनाश ने कहा कि वह और ईशा एक-दूसरे के प्रति रोमांटिक नहीं हैं उनमें सिर्फ दोस्ती है. अविनाश ने कहा, "यह कभी भी लव एंगल नहीं था.

लोगों के मन में हमारे कपल बनने को लेकर बहुत सारे सवाल और उम्मीदें हैं, लेकिन मेरा विश्वास करें, हम वास्तव में अच्छे दोस्त हैं. अगर भविष्य में कुछ होगा तो मैं जरूर बताऊंगा.''

करण वीर मेहरा की जीत पर क्या बोले अविनाश मिश्रा?

वहीं करण वीर मेहरा की जीत के बारे में पूछे जाने पर अविनाश ने कहा, मैं जीतना चाहता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. करण का जीतना वेरी वेल डिजर्विंग है.

मैंने खेल के दौरान उनके एफर्ट्स के लिए कई बार उनकी सराहना की है. दर्शक विजेता का फैसला करते हैं और उनके फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए. करण ने वास्तव में अच्छा खेला और वह वास्तव में इसके हकदार थे.

आमिर खान ने बिग बॉस 18 के ग्रैंड फिनाले में की थी शिरकत

बता दें कि बिग बॉस 18 का फिनाले रविवार 19 जनवरी को मुंबई की फिल्म सिटी में आयोजित किया गया था. सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए इस मेगा शो में आमिर खान और वीर पहाड़िया सहित कई मशहूर सेलेब्स ने शिरकत की. बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान अपने बेटे जुनैद खान और खुशी कपूर की अपकमिंग फिल्म लवयापा के प्रमोशन के लिए बिग बॉस 18 के ग्रैंड फिनाले में पहुंचे थे. पूर्व बिग बॉस फाइनलिस्ट, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन भी फिनाले में शामिल हुए और अपने अपकमिंग शो, लाफ्टर शेफ्स 2 को प्रमोट किया. बता दें कि जहां करण वीर मेहरा ने बिग बॉस 18 जीता, वहीं विवियन डीसेना फर्स्ट रनर अप रहे.

पिंक बिकिनी पहन समंदर किनारे इठलाती दिखीं साउथ एक्ट्रेस श्रिया सरन

श्रिया सरन बॉलीवुड की ग्लैमरस और दमदार एक्ट्रेस हैं. उन्होंने कई फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा दिखाया है. फिलहाल एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरें इंटरनेट पर आग लगा रही हैं.

दृश्यम में अजय देवगन की ऑन स्क्रीन बीवी का किरदार निभाने वालीं श्रिया सरन सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचाए रहती हैं. अब श्रिया ने अपने बिकिनी अवतार से इंटरनेट पर आग लगा दी है.

बता दें कि श्रिया सरन ने पिंक कलर कि बिकिनी में अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट हिला डाला है. एक्ट्रेस पिंक कलर के बिकिनी अवतार में कातिल अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं. श्रिया सरन ने बिकिनी के साथ पिंक कलर का नेट का श्रग लिया हुआ है. तस्वीरों में एक्ट्रेस अपने श्रग को हवा में लहराती हुई नजर आ रही हैं. श्रिया सरन की इन तस्वीरों पर फैंस फिदा हो गए हैं. एक्ट्रेस समंदर किनारे अपनी अदाओं का जलवा दिखाती हुई नजर आ रही हैं.

आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए अपनाया हर हथकंडा, बस एक यह गलती कर बैठा

अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो, लेकिन कोई न कोई सबूत छोड़ ही देता है। ऐसा ही कुछ सैफ अली खान मामले के आरोपी शहजाद के मामले में देखने को मिला है। उसने पुलिस से बच निकलने का हर हथकंडा अपनाया। मगर, अपने बैगपैक की वजह से वह पुलिस के शिकंजे में आ गया। इसके अलावा उसने जो ऑनलाइन पेमेंट किया उससे भी पुलिस को उसे पकड़ने में मदद मिली।

ऑनलाइन पेमेंट के जरिए पकड़ा गया आरोपी

पुलिस के मुताबिक, शहजाद ने पुलिस से बचने के लिए सभी एहतियात बरते थे, लेकिन अपने बैग की वजह से वह पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में आरोपी का बैग देखा था, जिससे जांच को दिशा मिली। बाद में सीसीटीवी, ड्रम डेटा और ऑनलाइन पेमेंट के जरिए पुलिस को उसे ट्रेस करने में मदद मिली। आरोपी शहजाद पहले वर्ली के एक पब में काम कर चुका है। अधिकारी ने बताया कि एक लेबर कॉन्ट्रैक्टर ने पुलिस को शहजाद का मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया। इस दौरान पता चला कि आरोपी ने कुछ ऑनलाइन लेनदेन भी किए थे। इससे पुलिस को उसे पकड़ने में और मदद मिली।

घटना को अंजाम देकर चैन से सोया, फिर वर्ली जाने से पहले बदले कपड़े

एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार 30 वर्षीय आरोपी इस घटना को अंजाम देने के बाद बांद्रा बस स्टॉप पर आराम से जाकर सोया। फिर उसने वर्ली जाने से पहले अपने कपड़े बदले। मुंबई पुलिस ने रविवार को ठाणे शहर में उसे पकड़ा। पुलिस का कहना है कि आरोपी बांग्लादेशी है।

सीसीटीवी फुटेज से मिली मदद

पुलिस का कहना है कि आरोपी चोरी करने के इरादे से 16 जनवरी की सुबह सैफ अली खान के घर में घुसा। उसने सैफ अली खान पर चाकू से कई हमले किए। पुलिस के मुताबिक हमला करने के बाद वह पहले बस स्टॉप पर चैन से सोया। फिर कपड़े बदलकर बांद्रा रेलवे स्टेशन गया, जहां से दादर गया। बाद में फिर वर्ली आया और इसके बाद ठाणे गया। पुलिस के मुताबिक उसने पुलिस से बचने का हर हथकंडा अपनाया था, लेकिन बैगबैक के कारण शिकंजे में आ गया। पुलिस अधिकारी के मुताबिक पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में आरोपी के पास मौजूद बैग देखा था और इससे उन्हें जांच करने में मदद मिली।

बाद में सीसीटीवी, ड्रम डेटा और ऑनलाइन पेमेंट की मदद से पुलिस ने आरोपी का पता लगा लिया। सीसीटीवी में कैद आरोपी के चेहरे की तस्वीर की मदद से पुलिस ने उसके जैसे दिखने वाले आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों की जांच की और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया। अधिकारी ने बताया कि लेकिन जब इससे कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने बांद्रा इलाके के सीसीटीवी फुटेज की फिर से जांच की। फुटेज में देखा कि आरोपी सुबह करीब सात बजे बांद्रा रेलवे स्टेशन पर घूम रहा है और वहां उसने कपड़े बदले।

'माता-पिता ही अच्छे शिक्षक हों जरूरी नहीं'

आराध्या की परवरिश को लेकर बोले अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने कहा कि मेरे माता पिता ने हमेशा मुझे अपने फैसले खुद लेने की स्वतंत्रता दी। मैं खुद ये सोचता हूं, कि अगर परिस्थिति में मेरे पापा होते तो क्या करते। उसी हिसाब से मैं भी चीजें करता हूं।

आराध्या की परवरिश को लेकर अभिषेक ने कहा, मुझे लगता है कि आज की जनरेशन वाकई बहुत अलग है। उन्हें किसी भी तरह की पहले से चली आ रही चीजों को जरूरी समझने की जरूरत नहीं है, जैसे हम करते आ रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे ये काम बस इसलिए नहीं कर सकते कि उनके माता पिता ने ये काम नहीं किया या मना किया।

बेटी की परवरिश और अपने निजी जीवन को लेकर अभिषेक बच्चन ने बात की है। उन्होंने कहा कि माता पिता हमेशा सबसे अच्छे शिक्षक हों जरूरी नहीं है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने पैरेंटिंग को लेकर अपना दृष्टिकोण पर विचार साझा किया। साथ ही उन्होंने युवा पीढ़ी की बदलती मानसिकता पर भी अपने विचार बताए।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि माता-पिता सबसे अच्छे शिक्षक हैं या नहीं। मैं इस पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मुझे लगता है कि हमारी भावनाएं आड़े आती हैं। हमारे बच्चों की यह इच्छा कि वे सब कुछ सही करें और सफल हों और खुद को चोट न पहुंचाएं ऐसा नहीं हो सकता। हम अपने बच्चों के लिए जो सोचते हैं, उससे उन्हें भी नुकसान पहुंच सकता है।

अभिषेक बच्चन ने कहा कि मैंने अपने माता-पिता से जो कुछ भी सीखा उसे समझा। वह उनके व्यवहार को देखकर है, जरूरी नहीं कि उन्होंने मुझे जो बताया है, उससे ही सीखा है।

वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि अगर माता पिता हैं, या कोई उम्र में बड़ा है तो जरूरी नहीं कि वह सही सलाह दे या हर बात का सही जवाब ही दें।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन को हाल ही में आई फिल्म 'आई वांट टू टॉक' में देखा गया। हालांकि, यह फिल्म फैंस पर अपना कुछ खास जादू नहीं चला सकी थी। आई वांट टू टॉक अब ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। इसकी घोषणा खुद सुजीत सरकार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की।

'मैनिफेस्टेशन' में यकीन नहीं रखतीं कंगना रनौत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर अक्सर चर्चा हो रही है। कंगना ने कहा कि 'मेनिफेस्टेशन' उनके लिए कुछ अच्छी चीज नहीं है। मैं इन सबमें नहीं मानती। कंगना ऐसा क्यों सोचती हैं, इस बारे में भी उन्होंने बताया है।

कंगना ने कहा, 'पहले के लोग कहते थे कि काम करो फल की चिंता मत करो। अब लोग पहले फल को पहले देखना चाहते हैं, उसके बाद में काम करते हैं। तो ये कैसा काम हुआ। हो सकता है कि आप जो अपने लिए सोच रहे हैं अच्छा न हो और मिल गया तो आपके लिए सही न हो, ऐसे में हमें सब छोड़ देना चाहिए। बस काम पर फोकस करना चाहिए।

मैनिफेस्टेशन में नहीं मानती कंगना

कंगना ने कहा कि सपने मैं देखती हूं, लेकिन खुली आंखों से, ये मेनिफेस्टेशन मैं नहीं करती। कंगना ने कहा, कि मैं जब आई तो मैंने कोई मेनिफेस्टेशन नहीं किया। मैंने उसके लिए काम किया। मैंने लेखन सीखने के लिए अमेरिका गई। मैंने अपने आप को और अच्छा बनाने के लिए एक्टिंग के साथ कुछ और चीजें भी ऐड ऑन कीं, उस पर मैं काम भी कर रही हूं, अब मेरे लिए क्या अच्छा है, इस बारे में भगवान खुद अपने हिसाब से अच्छा ही देगा।

भगवान पर करती हैं विश्वास

कंगना ने कहा कि अब ये मेरा काम नहीं है कि अब क्या होगा, जो होगा वो हमारे लिए अच्छा होगा। कंगना ने कहा कि भगवत गीता में कहा गया कि जो होगा सही होगा, जो नहीं देंगे वो भी सही होगा। श्रीकृष्ण भी कहते हैं कि जो हमारे लिए हो वो हमें भगवान अच्छा ही देंगे। कंगना ने कहा कि वे भगवान में मानती हैं लेकिन मैनिफेस्टेशन में नहीं मानती हैं।

कंगना रनौत ने कहा कि 'चंदन सा बदन', 'पिया तोसे नैना लागे रे', 'फूलों के रंग से दिल की कलम से', 'धीरे-धीरे से मेरी जिंदगी में आना', 'रिम झिम गिरे सावन' जैसे पुराने गाने सुनना पसंद करती हैं।

करण वीर मेहरा के शो जीतने से भड़के लोग

बोले- 'वोटिंग करवाने की क्या जरुरत थी, डायरेक्ट ट्रॉफी दे देते'

बिग बॉस का सीजन 18 आखिरकार खत्म हो चुका है. शो के ग्रैंड प्रीमियर के साथ ट्रॉफी करण वीर मेहरा अपने घर लेकर

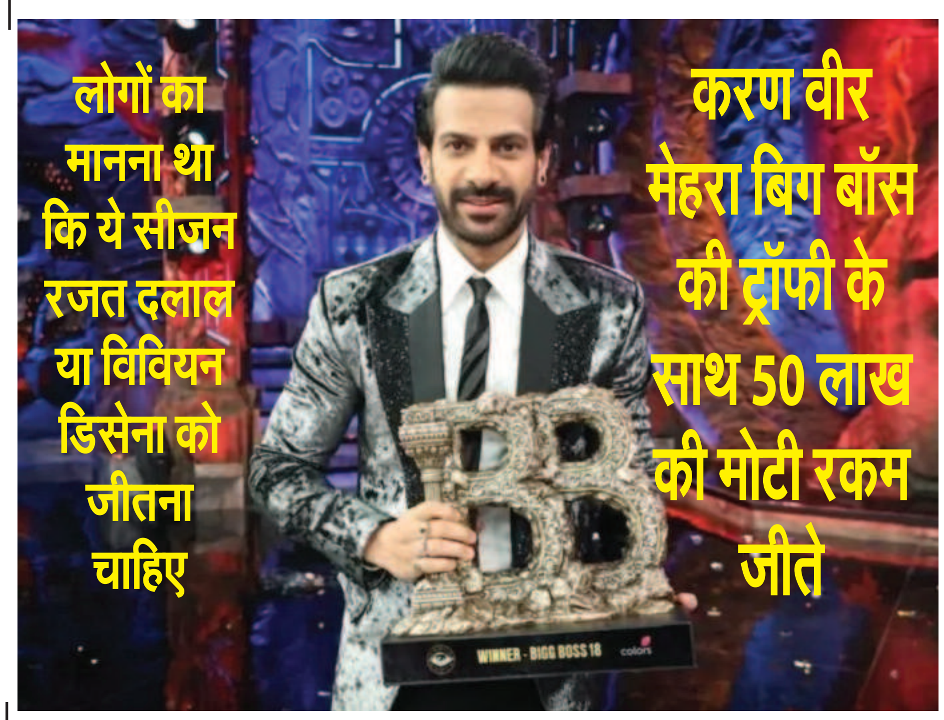

गए हैं. करण वीर ने जहां ट्रॉफी अपने नाम की है वहीं विवियन डिसेना पहले रनरअप रहे. टॉप 5 में करण और विवियन के साथ अविनाश मिश्रा, चुम दरांग और ईशा सिंह ने अपनी जगह बनाई थी. आखिरी तक लोगों को लग रहा था कि इस सीजन को कौन जीतने वाला है. करण इस सीजन की ट्रॉफी अपने घर लेकर गए हैं. कुछ लोग करण की जीत का जश्न मना रहे हैं तो कुछ लोग अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं. उनके मुताबिक करण ये शो जीतना डिसर्व नहीं करते थे.

सोशल मीडिया पर कुछ लोग करण वीर के जीतने पर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं. उनका मानना था कि ये सीजन रजत दलाल या विवियन डिसेना को जीतना चाहिए था. वो करण के जीतने के बाद बिग बॉस को फिक्स्ड बता रहे हैं.

लोगों को आया गुस्सा

एक यूजर ने लिखा- डायरेक्ट ट्रॉफी दे देते, क्या जरुरत थी वोट करवाने की. फिर भी रजत और विवियन बिग बॉस की शुरुआत से टॉप 2 में हैं. एक यूजर ने लिखा- बिग बॉस फिक्स्ड विनर शो रियलिटी शो नहीं.

एक यूजर ने लिखा- मुझे लगता है अविनाश उनसे कई बेहतर था. वो हमेशा व्यूअर्स को एंटरटेन करता हुआ नजर आया है. एक ने लिखा-रजत और विवियन के लिए सब कुछ तय था, लेकिन करण जीत गया. बिग बॉस ने सुरक्षित खेलते हुए न तो किसी एक पार्टी की साइड ली और न ही दूसरे की.

उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति को जीत दिलाई जो पूरी तरह से अनएक्सपेक्टिड था. वोटिंग से जुड़ी ये सारी बातें झूठी हैं. करण भी अच्छा है, लेकिन रजत भाई जीतने के हकदार.

रवीना की बेटी राशा के बाद गोविंदा के बेटे करेंगे बॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड स्टार किड्स का फिल्मों में आना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने फिल्म आजाद के जरिए अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फिल्म में राशा का डांस और अभिनय प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं अब गोविंदा के बेटे यशवर्धन भी बॉलीवुड फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा और बाबिल एक फिल्म में साथ काम सकते हैं। कथित तौर पर यशवर्धन आहूजा, साई राजेश द्वारा निर्देशित आगामी अनाम रोमांटिक ड्रामा में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में एक और स्टार किड भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ सकता है। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान हैं।

दरअसल, कथित तौर पर फिल्म निर्माता अपनी रोमांटिक फिल्म के लिए नए चेहरा चाहते हैं, जिसके चलते बाबिल खान और यशवर्धन आहूजा को कास्ट करने की योजना बनाई जा रही है। अल्लू अरविंद और एसकेएन फिल्म्स के सहयोग से मधु मंटेना द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन साई राजेश करेंगे, जो कलर फोटो, हृदय कलेयम और बेबी जैसी बेहतरीन तमिल फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं।

बहरहाल, फिल्म में मुख्य अभिनेत्री की तलाश जारी है, जिसके लिए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा देशभर में एक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं और उन्हें इस फिल्म के लिए पहले ही 14,000 से ज्यादा ऑडिशन वीडियो मिल चुके हैं। बाबिल और यशवर्धन के अपोजिट मुख्य फीमेल लीड को जल्द ही फाइनल कर लिया जाएगा, क्योंकि यह प्रोजेक्ट 2025 की गर्मियों तक फ्लोर पर आ सकता है।

हालांकि, फिल्म की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। 1 मार्च 1997 को जन्मे यशवर्धन आहूजा बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा और सुनीता आहूजा के बेटे हैं।

उनकी एक बड़ी बहन टीना आहूजा भी हैं, जिन्होंने भी अभिनय में कदम रखा लेकिन उनका करियर कुछ खास नहीं रहा। बाबिल की बात करें तो उन्होंने 2022 की मनोवैज्ञानिक ड्रामा फिल्म काला से अपने अभिनय की शुरुआत की। अन्विता दत्त द्वारा निर्देशित इस फिल्म में तृप्ति डिमरी और स्वस्तिका मुखर्जी भी मुख्य भूमिकाओं में थीं। इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था।

रात होते ही होने लगती है बेचैनी, अब तक नहीं कराई जांच तो फौरन भागें, हो सकते हैं ये कारण

शाम ढलते ही कई लोगों को घबराहट होने लगती है. जैसे-जैसे अंधेरा ढलता जाता है, उनका डर भी बढ़ने लगता है. इसका असर डेली रुटीन पर पड़ सकता है. कई बार तो जिंदगी भी प्रभावित होने लगती है. रात में घबराहट होने के पीछे एंग्जाइटी-स्ट्रेस जैसी समस्याएं कारण हो सकती हैं. कई बार आनुवांशिक वजह भी इसे ट्रिगर कर सकती है. हालांकि, इसका एक कारण नींद की कमी भी हो सकती है. अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं तो यहां जानिए इसके कारण और बचाव के उपाय...

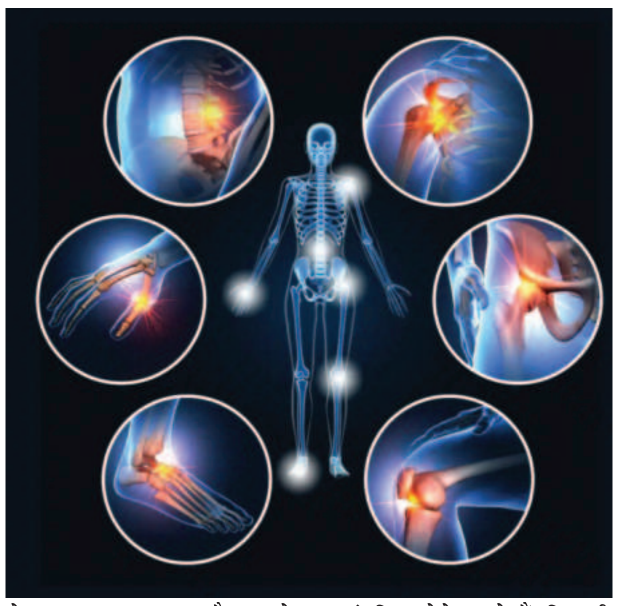

रात में घबराहट क्यों होती है

1. हार्ट डिजीज

अंधेरा होने पर घबराहट महसूस होने की एक नहीं कई वजहें हो सकती हैं. इसका एक कारण हार्ट डिजीज भी हो सकती है. दिल में किसी तरह की समस्या शरीर में ब्लड फ्लो को सही से नहीं रहने देती है, जिसका असर ब्रेन पर पड़ सकता है. इससे घबराहट बढ़ सकती है.

2. हाइपरथायरायडिज्म

रात में घबराहट का एक कारण हाइपरथायरायडिज्म भी हो सकता है. इसमें शरीर के हार्मोन असंतुलित होने लगते हैं. जिसकी वजह से अंधेरा होने पर एंग्जाइटी यानी घबराहट होने लगती है. ऐसी कंडीशन में अपनी थायराइड की जांच करवानी चाहिए.

3. डायबिटीज

शुगर लेवल भी रात में घबराहट का कारण बन सकता है. डायबिटीज में शुगर लेवल बढ़ने पर दिमाग पर असर बड़ता है, जो घबराहट का कारण बन सकती है. रात होने पर ये समस्या ज्यादा होती हैं और कई परेशानियां बढ़ा सकती हैं.

4. क्रोनिक दर्द

कई बार रात में क्रोनिक दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जो काफी ज्यादा घबराहट का कारण बन सकती हैं. इससे एंग्जाइटी की शिकायत होती है. ऐसी कंडीशन को इग्नोर करने की बजाय एक बार डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए.

5. ब्रेन ट्यूमर

ब्रेन ट्यूमर भी रात में घबराहट को काफी ज्यादा बढ़ा सकता है. अगर बिना किसी कारण एंग्जाइटी यानी शाम होते ही घबराहट महसूस कर रहे हैं तो बिना देर किए तत्काल डॉक्टर को जाकर दिखाना चाहिए.

नींद के लिए खा रहे हैं गोलियां

तुरंत छोड़ दें वरना किडनी-लिवर से हाथ धो बैठेंगे

क्या आपको भी रात-रात नींद नहीं आती है, क्या आप भी नींद की गोलियां खा रहे हैं. अगर हां तो सावधान हो जाइए, वरना आपकी किडनी और लिवर दोनों डैमेज हो सकती हैं. अमेरिकन साइकेट्रिक एसोसिएशन की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. इस रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के एक तिहाई वयस्क नींद न आने की समस्या से जूझ रहे हैं. जिसकी वजह से ज्यादातर लोगों को स्लीपिंग पिल्स लेने पड़ रहे हैं. इन दवाओं के कई साइड इफेक्ट्स हैं. ऐसे में बिना डॉक्टर्स की सलाह पर इन्हें लेने से बचना चाहिए.

नींद की गोलियां कितनी सेफ

स्लीपिंग पिल्स नींद की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए मददगार होती हैं. ये दवाईयां डॉक्टर्स नींद न आने की गंभीर समस्याएं होने पर देते हैं. स्लीपिंग पिल्स दिमाग के केमिकल्स पर अपना प्रभाव डालते हैं. उन केमिकल्स को कंट्रोल कर शांत करनते हैं, जिसके बाद नींद में किसी तरह की दिक्कतें नहीं आती हैं. ज्यादा सीरियस प्रॉब्लम होने पर अगर डॉक्टर एक तय मात्रा में इसकी सलाह देते हैं तो यह सेफ हो सकता है लेकिन अगर इसे नॉर्मल प्रॉब्लम्स में भी ले रहे हैं तो इसका असर हेल्थ पड़ना तय है. इसलिए इसे लेने से बचना चाहिए.

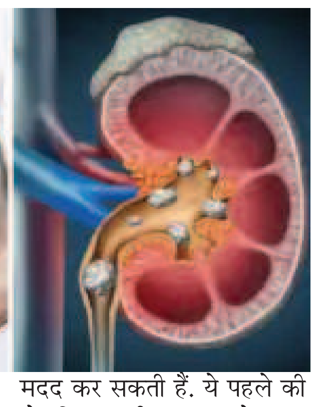

स्लीपिंग पिल्स के प्रकार

1.बेंजोडायजेपाइन- ये गोलियां तुरंत असर दिखाती हैं और जल्दी नींद लाती हैं. लंबे समय तक इनका इस्तेमाल खतरनाक हो सकता है.

2.नॉन बेंजोडायजेपाइन- ये पिल्स बेंजोडायजेपाइन की तुलना में कम असरदार होती हैं. इसके साइड इफेक्ट्स भी कम हो सकते हैं.

3.हिस्टामाइन-2 रिसेप्टर एंटागोनिस्ट्स- ये पिल्स सीधे नींद नहीं लाती बल्किं नींद लाने में मदद कर सकती हैं. ये पहले की दो पिल्स की तुलना में कम नुकसानदायक हैं.

नींद की गोलियां लेने के क्या साइड इफेक्ट्स हैं

1.स्लीपिंग पिल्स लेने वालों को हो सकता है नॉर्मल नींद ना आए. कई बार रात में अचानक से उठकर चौंक भी सकते हैं. इसे लेने से नींद न आने की समस्याएं भी हो सकती हैं.

2. स्लीपिंग पिल्स बनती ही इसलिए है कि नींद आए लेकिन अगर बिना डॉक्टर की सलाह ली जाए तो ज्यादा नींद लगने की समस्या खड़ी हो सकती है.

3. नींद की गोलियां लंबे समय तक इस्तेमाल करने से दिमाग को नुकसान पहुंच सकता है. इससे चिड़चिड़ापन, गुस्सा आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इसके मेमोरी से जुड़ी प्रॉब्लम्स भी हो सकती हैं.

4. ज्यादा स्लीपिंग पिल्स नींद उड़ा भी सकती हैं और रातभर जगा सकती है.

5.अगर बिना डॉक्टर की सलाह पर नींद की गोलियां ले रहे हैं तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं. इसका लिवर और किडनी पर निगेटिव असर पड़ सकता है. इससे दो अंग फेल या डैमेज हो सकते हैं.

कब जाना चाहिए डॉक्टर के पास

1. जब रोज-रोज स्लीपिंग पिल्स लेने की आदत पड़ जाए और लगे कि इसके बिना नींद ही नहीं आ रही है.

2. स्लीपिंग पिल्स लेने के बाद अगर उल्टी और चक्कर आए.

3. स्लीपिंग पिल्स लेने के बाद भी अगर नींद न जाए और रातभर जागना पड़े.

4. हार्ट, लिवर या किडनी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं तो बिना डॉक्टर की सलाह स्लीपिंग पिल्स न खाएं.

कहीं आप भी तो नहीं ले रहे इस विटामिन का हाई डोज, बन सकते हैं हार्ट पेशेंट

दुनियाभर में दिल की बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है. हार्ट अटैक, स्ट्रोक, कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी जैसी बीमारियां आम होती जा रही हैं. वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन के आंकड़ें बताते हैं कि 2021 तक दुनियाभर में 20.5 मिलियन मौत तो सिर्फ हार्ट डिजीज की वजह से हुई थीं. यह मौत की तीसरी सबसे बड़ी वजहों में से एक थी.हार्ट की बीमारियों का सबसे बड़ा कारण खराब लाइफस्टाइल और खानपान को माना जाता है. इनके अलावा फैमिली हिस्ट्री,मोटापा, स्मोकिंग जैसी वजहें भी हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक विटामिन भी दिल को खतरा पहुंचा सकता है. उसकी अधिकता आपको दिल का मरीज बना सकती है.

कौन सा विटामिन दिल को पहुंचाता है नुकसान

नेचरल मेडिसिन में पब्लिश, क्लीवलैंड क्लिनिक लर्नर रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक स्टडी में बताया गया है कि अगर शरीर में नियासिन विटामिन B3 का लेवल हाई हो जाए तो दिल को खतरा पहुंच सकता है. इस स्टडी में शामिल 1,100 से ज्यादा लोगों पर अध्ययन के बाद शोधकर्ताओं ने दो मॉलीक्यूल, 2 PY और 4 PY की पहचान की. ये दोनों तब पैदा होते हैं, जब शरीर एक्स्ट्रा नियासिन को तोड़ता है.

शोधकर्ताओं के दो अन्य ग्रुप अमेरिकी और यूरोपीय ने 2 पीवाई और 4 पीवाई के लेवल की जांच की. इसमें 3 हजार लोगों को शामिल किया गया. जिसमें पाया गया कि 2PY या 4PY लेवल वालों में आने वाले तीन सालों में कार्डियक डिजीज का रिस्क करीब दोगुना ज्यादा था.

विटामिन B3 और दिल का नाता

नियासिन सप्लीमेंटेशन का इस्तेमाल हाइपरलिपिडेमिया के इलाज में होता है. यह LDL कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने और HDL कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करता है. हाई डोज नियासिन यानी एक दिन में 1,500 से 2,000 मिलीग्राम तक कोलेस्ट्रॉल कम करने वाली पहली दवाओं में शामिल थी.

विटामिन B3 ज्यादा होने के लक्षण

शरीर में विटामिन बी3 जब हाई लेवल पर पहुंच जाता है तो चक्कर आना, लो ब्लड शुगर, थकान, सिरदर्द, पेट खराब, मतली, धुंधला दिखना, लिवर में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इस विटामिन का लेवल नेचुरल तरीके से नहीं बढ़ता है लेकिन अगर जरूर से ज्यादा इसका सप्लीमेंट खाते हैं तो

प्रेगनेंट होने से इतने दिनों तक प्रदूषित हवा में न जाएं महिलाएं

जहरीली हवा में सांस लेना बेहद खतरनाक हो सकता है. यह शरीर के कई अंगों को गंभीर तौर पर नुकसान पहुंचा सकता है. एक रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. इसमें बताया गया है कि गर्भधारण से तीन महीने पहले अगर कोई महिला एयर पॉल्यूशन के पार्टिकुलेट मैटर (PM 2.5-10) और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के संपर्क में रहती है तो जन्म के दो साल बाद तक बच्चे में मोटापे का खतरा हो सकता है. इसका बच्चे की सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है.

प्रेगनेंसी में प्रदूषण का असर

प्रदूषण के साइड इफेक्ट्स को लेकर पहले भी कई रिसर्च हो चुके हैं. जिनमें बताया गया है कि इसका प्रेगनेंसी के दौरान क्या-क्या प्रभाव पड़ता है लेकिन कंसीव करने से पहले होने वाले साइड इफेक्ट्स पर पहली बार रिसर्च की गई है. अमेरिका और चीन के शोधकर्ताओं की एक टीम ने इन नई स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा किया है. एनवायरन्मेंटल रिसर्च मैग्जीन में पब्लिश रिसर्च के अनुसार, कंसीव करने से तीन महीने पहले प्रदूषित हवा में रहने का असर शुक्राणु और एग्स की सेहत पर पड़ता है. इस रिसर्च में शंघाई में 5,834 मां-बच्चे शामिल थे.

यह भी पढ़ें : गले की नसों के लिए कितना खतरनाक है चाकू का वार, क्या हो सकती है दिक्कत

क्या कहता है रिसर्च

इस रिसर्च में पाया गया कि प्रेगनेंसी से पहले पीएम 2.5 से लेकर पीएम 10 और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के संपर्क में रहने से BMI या BMIZ बढ़ सकता है. साउथ कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के कैक स्कूल ऑफ मेडिसिन में पोस्टडॉक्टरल रिसर्च की जियावेन लियाओ ने बताया कि इस रिसर्च के अनुसार, गर्भधारण से पहले के 3 महीने बेहद महत्वपूर्ण होते हैं. जो कपल बच्चे की प्लानंग कर रहे हैं, उन्हें प्रदूषित हवा से बचना चाहिए. शोधकर्ताओं ने पाया कि गर्भधारण से पहले जन्म के दो साल बाद तक बच्चे के BMIZ में 0.078 का इजाफा हो सकता है.

जहरीली हवा में सांस लेने से बढ़ा वजन

रिसर्च के अनुसार, जहरीली हवा में सांस लेने वाली मांओं के बच्चे का वजन जन्म के बाद बढ़ गया था. रिसर्च में कहा गया कि वायु प्रदूषण के संपर्क में रहने से बच्चे में मोटापा के अलावा भी कई तरह की समस्याएं बढ़ सकती हैं. हालांकि, यह रिसर्च सिर्फ एनालिसिस पर बेस्ड है, इसलिए अबी ज्यादा रिसर्च की जरूरत है. फिर भी प्रदूषण के खतरे को देखते हुए प्रेगनेंट महिलाओं को ज्यादा अलर्ट रहने की जरूरत है.

कहीं आप भी तो नहीं खा रहे 'स्लो पॉइजन'?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान में सुधार करना सबसे जरूरी है। आप किन चीजों का सेवन करते हैं इसका सीधा असर आपकी सेहत पर पड़ता है। शरीर को रोगमुक्त रखने के लिए जिन चीजों की मात्रा आहार में कम से कम रखने की सलाह दी जाती है, नमक और चीनी उनमें शीर्ष पर है। जो लोग अधिक मात्रा में चीनी वाली चीजों का सेवन करते हैं उनमें समय के साथ डायबिटीज की बीमारी होने का जोखिम बढ़ जाता है। चीनी को 'स्लो पॉइजन' भी कहा जाता है जो समय के साथ शरीर को खोखला करती जाती है।

चीनी (शुगर) का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से हानिकारक हो सकता है। शुगर ड्रिंक, कैंडी, बेक किया हुआ सामान और मीठे डेयरी उत्पादों में ऐडेड शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। ये सभी चीजें आपको गंभीर बीमारियों का शिकार बना सकती हैं। इनसे दूरी बनाकर रखना बहुत जरूरी है।

डायबिटीज का हो सकते हैं शिकार

चीनी का अधिक सेवन इंसुलिन प्रतिरोध बढ़ाने लगता है जिससे टाइप-2 मधुमेह का खतरा बढ़ता है। डायबिटीज केयर जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग रोजाना मीठे पेय या फिर अधिक मात्रा में चीनी का सेवन करते हैं उनमें डायबिटीज होने का खतरा 26% तक बढ़ जाता है। विशेष रूप से मीठे पेय पदार्थों और प्रोसेस्ड फूड्स में चीनी की मात्रा अधिक होती है जो शरीर में अतिरिक्त कैलोरी बढ़ाने लगती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ एक दिन में 30 ग्राम से अधिक चीनी का सेवन न करने की सलाह देते हैं।

मोटापा और इससे संबंधित बीमारियों का हो सकते हैं शिकार

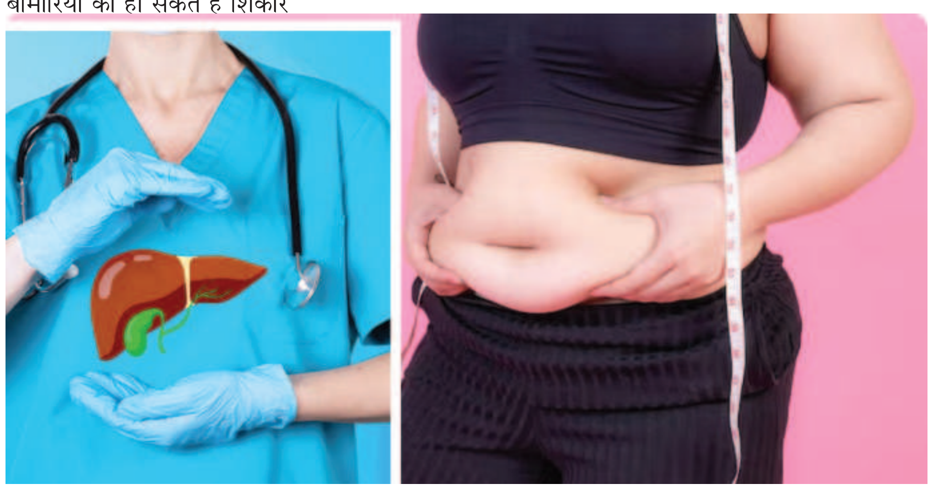

अधिक चीनी का सेवन डायबिटीज तो बढ़ाता ही है साथ ही इससे आपके मोटे होने का खतरा भी बढ़ जाता है। मोटापा को डायबिटीज और हृदय रोग सहित कई प्रकार की अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जोड़कर देखा जाता है।

न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन की एक रिपोर्ट में बताया गया कि ऐडेड शुगर युक्त पेय पदार्थ मोटापे के जोखिम को 60% तक बढ़ा सकते हैं। मोटापा से ग्रस्त लोगों में समय के साथ हार्ट की बीमारी, लिवर की समस्या और कुछ प्रकार के कैंसर का जोखिम भी बढ़ जाता है।

लिवर को हो सकता है नुकसान

ऐडेड शुगर वाली चीजों में प्रचुर मात्रा में फ्रुक्टोज होती है। फ्रुक्टोज की अधिकता लिवर को नुकसान पहुंचाती है। जब फ्रुक्टोज का लिवर में ब्रेन डाउन होता है तो यह वसा में बदल जाता है, जो समय के साथ लिवर में जमा होने लगता है। लिवर में अतिरिक्त वसा के निर्माण की समस्या को फैटी लिवर के रूप में जाना जाता है जो न सिर्फ लिवर के सामान्य कार्य में बाधा डाल देती है साथ ही इससे और भी कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का खतरा हो सकता है।

चीनी खाने के इन दुष्प्रभावों को भी जानिए

ज्यादा चीनी वाली चीजें खाने से आपको कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं।

दांतों की सड़न- चीनी दांतों में बैक्टीरिया को बढ़ावा देती है, जिससे कैविटी और सड़न होती है।

कैंसर का खतरा- मोटापा, सूजन और हाई शुगर कैंसर के जोखिम को बढ़ाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य- चीनी का अधिक सेवन डिप्रेशन और चिंता को बढ़ावा देता है।

इम्यून सिस्टम- ज्यादा चीनी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देती है।

मस्तिष्क पर प्रभाव- चीनी की अधिकता से याददाश्त कमजोर होने लगती है और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई होती है।

क्या पित्ताशय की पथरी का आयुर्वेदिक इलाज है?

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। एक दिन पेट के सीधे ऊपर में बेहद तेज दर्द उठा। अल्ट्रासाउंड से पता चला कि पित्ताशय में पथरी है । क्या यह मूत्र मार्ग से बाहर निकाली जा सकती हैं? सुझाव देवें।

– ए भास्कर राव, करीमनगर

उत्तर : पित्ताश्मरी यानी गाल ब्लैडर स्टोन और वृक्काश्मरी यानी किडनी स्टोन दोनों अलग-अलग प्रकार के स्टोन है। एक कोलेस्ट्रॉल की अधिकता से यकृत के पित्ताशय की थैली में बनता है, जिसकी ओ प निं ग छो टी आं त के डिओडीनम में है। तो दूसरा गुर्दे के किसी भाग या यूरेटर या यूरिनरी ब्लैडर(मूत्राशय) में बनता है। ज्यादातर यूरिनरी कैलकुलस आयुर्वेदिक दवाओं के प्रयोग से आसानी से मूत्र मार्ग से निकाले जा सकते हैं। पित्ताशय की पथरी का मूत्राश्मरी से कोई संबंध नहीं है। पित्ताश्मरी को निकालने के लिए केवल शल्य चिकित्सा ही उपयोगी है। अतः आप कोई भी दवा के चक्कर में ना पड़कर अच्छे शल्य चिकित्सक (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जन) से संपर्क कर अपनी शल्य क्रिया करवाएं।

प्रश्न : क्या आयुर्वेद में शिशुओं के लिए अच्छे टॉनिक है जो उनके शरीर का समुचित विकास कर सके?

– श्रीमती मधु मालती, वारंगल

उत्तर : आयुर्वेद का एक अंग ₹कौमारभृत्य₹ शिशुओं की उचित देखभाल एवं उनकी चिकित्सा को ही समर्पित है। आयुर्वेद का प्राचीन ग्रंथ काश्यप संहिता पेडियाट्रिक्स यानी कौमारभृत्य को समर्पित ग्रंथ है। शिशुओं की दवा सुपाच्य, सरल और मीठी होना आवश्यक है। प्राचीन काल से ही गुडूची, सौंफ, भृंगराज, पि प्प ली , का ल मे घ ,भूमिआमलकी, अश्वगंधा, एला, पुनर्नवा आदि का प्रयोग शिशु चिकित्सा में होते रहा है। ऊंझा अरविंदासव शैशवावस्था कि एक अप्रतिम टॉनिक है। ऊंझा का ₹शिशु साथी₹ बच्चों के विकास को बढ़ाने वाली अपूर्व दवा है। औरा का ₹बेबीबून₹ सैरप भी एक ऐसी ही बेहतरीन औषधी है। शिशु शरीर की मालिश के लिए ऑलिव ऑयल (जैतून का तेल) एक कामयाब नुस्खा है। इससे रिकेट्स या हड्डियों का पो ला प न स मा प्त होता है। और शिशु शरीर का सही ढंग से विकास होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। फेफड़े में घाव है। इसके क्या लक्षण है? उपचार क्या है ? कृपया कर बताएं।

– जी कैलाश नारायण गुप्ता, हैदराबाद

उत्तर : फेफड़ों में छालों के कारण खांसी और बलगम आ सकता है। यह लक्षण कभी-कभी या लगातार बने रह सकते हैं। बलगम सफेद या पीला और खून मिला होने पर लाल भी हो सकता है। खांसी के साथ रक्त भी आ सकता है। यह लक्षण 60% व्यक्तियों में देखे जा सकते हैं। इसके कारण सांस फूलना, वजन गिरना, साइनस संक्रमण आदि हो सकते हैं । फेफड़ों के डिजिटल एक्सरे, सीटी स्कैन से फेफड़ों के छालों की पुष्टि हो सकती है। बलगम व रक्त परीक्षण से संक्रमण के कारण का पता चल सकता है ।

ऊंझा श्रंगाराभ्र रस टिकिया, बोल बद्ध रस, लाक्षा चूर्ण, ऊंझा सितोपलादि चूर्ण, ऊंझा बसंत मालती रस आदि का प्रयोग रोग विनिश्चय के बाद कुशल वैद्य के संरक्षण में करना लाभदायक होता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

ट्रंप के शपथ से 10 घंटे पहले बिटकॉइन ने बनाया रिकॉर्ड, कर दिया मालामाल

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के शपथ से करीब 10 घंटे पहले क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। खासकर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने एक बार फिर से नया रिकॉर्ड कायम कर लिया है। आखिरी बार 17 दिसंबर के दिन बिटकॉइन की कीमत ने लाइफ टाइम हाई का लेवल क्रॉस किया था। करीब एक महीने के बाद बिटकॉइन की कीमत ने नया रिकॉर्ड बनाया। बिटकॉइन की कीमत में करीब 6 फीसदी की तेजी देखने को मिल रहा है। 1.10 लाख डॉलर के करीब पहुंच गया है। कुछ दिन पहले बिटकॉइन की कीमत 90 हजार डॉलर के नीचे चला गया था। हाल ही में खबर आई थी कि ट्रंप के शपथ लेते ही क्रिप्टोकरेंसी के रेगुलेशन को लेकर बड़ा ऐलान हो सकता है। जिसकी वजह से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट को बूस्ट मिल सकता है। इस खबर के बाद से बिटकॉइन की कीमत में फिर से तेजी देखने को मिल रही है। दूसरी ओर ट्रंप के मेम कॉइन के बाद उनकी मेलेनिया का भी मेम कॉइन लॉन्च हो चुका है। जिससे दोनों को ही अरब डॉलर का फायदा हुआ है। जिसका असर ओवरऑल मार्केट में तेजी के रूप में देखने को मिल रहा है। आइए आपको भी बताते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी के आंकड़े किस तरह के देखने को मिल रहे हैं।

बिटकॉइन की कीमत ने बताया नया रिकॉर्ड

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत ने एक बार फिर से नया रिकॉर्ड कायम कर लिया है। कॉइन मार्केट के आंकड़ों के अनुसार बिटकॉइन के दाम दोपहर 12.30 मिनट पर 109,114.88 डॉलर पर पहुंचकर नया रिकॉर्ड कायम किया। खास बात तो ये कि बिटकॉइन की कीमत में ये तेजी ट्रंप के शपथ से करीब 10 घंटे पहले देखने को मिली है। बिटकॉइन ने आखिरी बार रिकॉर्ड 17 दिसंबर के दिन कायम किया था। उस वक्त बिटकॉइन के दाम 1.08 डॉलर पर पहुंच गए थे। उसके बाद से नया साल शुरू होने के बाद बिटकॉइन की कीमत में गिरावट देखी गई थी। करीब एक हफ्ते पहले बिटकॉइन की कीमत 90 हजार डॉलर से भी पहुंच गई थी। उसके बाद से अब तक करीब 20 हजार डॉलर तक का इजाफा देखने को मिल चुका है।

बिटकॉइन की कीमत में कितना इजाफा

खास बात तो ये है कि बिटकॉइन की कीमत में 12 बजे के बाद देखने को मिला है। दोपहर 12 बजे के बाद बिटकॉइन की कीमत में 6 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला और करीब आधे घंटे में दाम रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गए। दोपहर 1 बजकर 10 मिनट पर बिठकॉइन की कीमत में करीब 5 फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है और 1.08 डॉलर से ज्यादा दाम देखने को मिल रहे हैं। करीब एक हफ्ते में बिटकॉइन की कीमत में 15 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका है। जबकि एक महीने में बिटकॉइन की कीमत में करीब 9 फीसदी की तेजी देखने को मिल चुकी है।बिटकॉइन की कीमत में तेजी की अहम वजह से ट्रंप की ओथ और उसके बाद होने वाले फैसलों से है। 20 जनवरी को भारतीय समय के अनुसार रात 10 बजकर 30 मिनट पर शपथ लेंगे। ट्रंप क्रिप्टोकरेंसी के समर्थक हैं। उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को अपने चुनावी कैंपेन में संबोधित भी किया था। नैशविले में हुए एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था अगर वो जीते वह अमेरिका को दुनिया का क्रिप्टो कैपिटल बना देंगे।

10 ग्राम सोना 144 महंगा होकर 79383 रुपए पर पहुंचा, चांदी 139 सस्ती

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार (20 जनवरी) को सोना के दाम में तेजी देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 144 रुपए महंगा होकर 79,383 रुपए पर पहुंच गया है।इससे पहले शुक्रवार (17 जनवरी) को इसकी कीमत 79,239 रुपए पर थी। वहीं, चांदी के दाम में आज गिरावट है। एक किलो चांदी की कीमत 139 रुपए कम होकर 90,681 रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को एक किलो चांदी 90,820 रुपए में बिक रही थी।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 74,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,380 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 74,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,230 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 74,500 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 81,230 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 74,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,230 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 74,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,280 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 81,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 74,500 रुपये है।

पिछले सप्ताह सोना-चांदी में रही थी तेजी

पिछले हफ्ते सोने-चांदी के दाम में तेजी रही थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, पिछले शनिवार यानी 11 जनवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का दाम 78,018 रुपए था, जो अब यानी 18 जनवरी को 79,239 रुपए पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसके दाम 1,221 रुपए बढ़े हैं। वहीं इस हफ्ते चांदी 552 रुपए महंगी होकर 90,820 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। पिछले शनिवार को ये 90,268 रुपए प्रति किलो पर थी।

टाटा और पेप्सिको साथ मिलकर बेचेंगे चिप्स-कुरकुरे, हल्दीराम को देंगे टक्कर

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसियां)। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और पेप्सिको ने एक बार फिर से साझेदारी की है। इन दोनों कंपनियों ने चार साल बाद पेय पदार्थों को बेचने के बाद अब साथ में पैकेज्ड स्नैक्स बेचने का फैसला किया है। दोनों कंपनियां साथ में मिलकर चिप्स, कुरकुरे जैसे स्नैक्स बेचेंगी। नई डील के हिसाब से पेप्सिको के कुरकुरे स्नैक ब्रांड को टाटा कंज्यूमर के चिंग्स सीक्रेट के साथ जोड़ा जाएगा। ये कंपनियां हल्दीराम को भी टक्कर देंगी।टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और पेप्सिको ने ऐसे समय में साझेदारी की है। जब इन कंपनियों को दर्जनों लोकल ब्रांड के साथ कम्पीट करना पड़ रहा है। इन दोनों कंपनियों के बीच बेवरेज को लेकर पहले भी साल 2010 में साझेदारी हुई थी, जिसमें से टाटा ने एक दशक के बाद पेप्सिको की साझेदारी भी खरीद ली थी।

मालइस्टोल सहयोग साबित होगा-आस्था भसीन

करीब 4 साल बाद स्नैक्स के सेक्टर की बड़ी कंपनियों ने साथ में काम करने जो फैसला लिया है। इस पर पेप्सिको इंडिया की कुरकुरे और डोरिटोस की मार्केटिंग निदेशक आस्था भसीन कहा कि यह जॉइंट वेंचर एक माइलोन सहयोग साबित होगा और उन्होंने कहा कि फ्यूजन फ्लेवर तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

इसके अलावा पोर्टफोलियो के भीतर अन्य उत्पादों के लिए साझेदारी को भी बढ़ाया जा सकता है। 1,000 करोड़ रुपये के कुरकुरे के अलावा, पेप्सिको के स्नैक्स पोर्टफोलियो में लेज़ चिप्स और डोरिटोस नाचोस शामिल हैं। साल्ट-टू-स्टेपल कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने पिछले साल जनवरी में 5,100 करोड़ में चिंग्स सीक्रेट और स्मिथ एंड जोन्स नूडल्स और मसालों के निर्माता कैपिटल फूड्स को खरीदा था।

बढ़ रहा स्नैक्स मार्केट

टाटा और पेप्सिको की साझेदारी से स्नैक्स मार्केट में और तेजी आ सकती है। मार्केट में बिक्री भी बढ़ी है। ऐसे में इन कंपनियों के सहयोग से और बूस्ट आने की उम्मीद की जा रही है। शोधकर्ता आईएमएआरसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्नैक्स बाजार की बिक्री 2032 तक 95,521.8 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2023 से दोगुना है। पेप्सिको के अलावा, आईटीसी, पारले प्रोडक्ट्स, कॉर्निटोस, क्रैक्स पैकेज्ड स्नैक्स बनाने वाली बड़ी कंपनियों में डीएफएम फूड्स, हल्दीराम, बीकानेरवाला, बालाजी स्नैक्स, बीकाजी फूड्स और प्रताप स्नैक्स जैसी कंपनियां भी मार्केट में मौजूद हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत •2051,हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-53 सूर्यास्त. -18-02
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् •5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् •1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी . 12-39 तक उपरान्त अष्टमी
मास • माघ कृष्ण , मंगलवार 21 January
नक्षत्र • चित्रा 23-36 तक उपरान्त स्वाति
योग • धृति 03-49 तक उप शूल
करण- बव 12-39 तक उप बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार • श्री रामानंदाचार्य ज.

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	मे	मकर...	06-25 बजे
चंद्र-	कन्या	मे	कुंभ...	08-16 बजे
मंगल	कर्क	मे	मीन...	09-54 बजे
बुध-	धनु	मे	मेष...	11-30 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृष...	13-15 बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	मिथुन	15-16 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कर्क..	17-27 बजे
राहु-	मीन	मे	सिंह...	19-40 बजे
केतु-	कन्या	मे	कन्या...	21-48 बजे
			तुला....	23-52 बजे
			वृश्चिक..	02-01 बजे
			धनु......	04-15 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:16 से 16:40 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:53 - 08:15	अशुभ	काल	18:01 - 19:40	अशुभ
उत्पात	08:15 - 09:39	अशुभ	लाभ	19:40 - 21:16	शुभ
चंचल	09:39 - 11:03	शुभ	उत्पात	21:16 - 22:52	अशुभ
लाभ	11:03 - 12:28	शुभ	शुभ	22:52 - 00:28	शुभ
अमृत	12:28 - 13:52	शुभ	अमृत	00:28 - 02:03	शुभ
काल	13:52 - 15:16	अशुभ	चंचल	02:03 - 03:39	शुभ
शुभ	15:16 - 16:40	शुभ	रोग	03:39 - 05:15	अशुभ
रोग	16:40 - 18:01	अशुभ	काल	05:15 - 06:53	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे ।आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें |छुट्टी का दिन शांति से बिताएं । अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी । आपको स्वास्थ्यकर आदतें अपनाना थोडा मुश्किल लग रहा है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है । आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं । जो कुछ आपने सोचा है .वो सब करने की कोशिश करें । आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए । अगर आप अपनी खान-पान सम्बन्धी दैनिक आदतों का ध्यान रखें तो बहुत अच्छा स्वास्थ्य बनाये रख सकते हैं ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे । ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी । आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए । यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा । आपको अपनी आँखें और कान खुले रखकर अपने रास्ते में आने वाले अवसरों को पकड़ना है ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी। आपको किसी बुजुर्ग मित्र या सम्बन्धी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें । बैठने की गलत मुद्रा के कारण आपको आज गर्दन तथा कमर दर्द की शिकायत हो सकती है।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं। न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । आज आपको शारीरिक रूप से थकाने वाले काम करने होंगे और आप इसका हर पल आनंद लेंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'सपने अमीरों का विशेषाधिकार नहीं', गौतम अदाणी बोले- ये उन लोगों का पुरस्कार जो अथक परिश्रम करते हैं

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसियां)। सपने अमीरों का विशेषाधिकार नहीं हैं, वे उन लोगों का पुरस्कार हैं जो विश्वास करने और अथक परिश्रम करने का साहस करते हैं। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने यह बात अहमदाबाद में अदाणी इंटरनेशनल स्कूल में अपने संबोधन में कही। छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने में सपनों, कड़ी मेहनत और लचीलेपन की शक्ति का बहुत महत्व है। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए, उन्होंने बिना किसी रोडमैप, संसाधनों या कनेक्शन के शुरुआत करने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा, लेकिन उनके पास कुछ सार्थक बनाने का सपना था। उन्होंने कहा , मैं हर एक दिन इसका सपना देखता था। और जब मैं पीछे देखता हूं- तो मैं कह सकता हूं कि सपने अमीरों का विशेषाधिकार नहीं हैं। वे उन लोगों का पुरस्कार हैं जो विश्वास करने और अथक परिश्रम करने का साहस करते हैं। अदाणी ने भारत के सबसे तेजी से बढ़ते समूह अदाणी समूह के बारे में कहा कि कंपनी की सफलता व्यवसाय बनाने से कहीं आगे है। उन्होंने कहा, हमने जो भी निर्णय लिया, जो भी जोखिम उठाया, वह एक लक्ष्य से प्रेरित था। हम ऐसा कुछ कैसे बना सकते हैं जो अधिक से अधिक लोगों की सेवा करे? यह हमारे सपनों को पंख देने का साहस और किसी और की तुलना में अधिक ऊंची और तेज उड़ान भरने की दृढ़ता के बारे में है। अदाणी ने कहा, असफलताएं आएंगी, और बाधाएं आपकी परीक्षा लेंगी, लेकिन यह याद रखें: असफलता सफलता का विपरीत नहीं है, यह सफलता का सबसे महत्वपूर्ण साथी है। साधारण और असाधारण सफलता के बीच एकमात्र अंतर लचीलापन और हर गिरावट के बाद उठने का साहस है। अदाणी बच्चों में मजबूत मूल्यों को स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आपके बच्चे सिर्फ आपकी संपत्ति से अधिक प्राप्त करते हैं; उन्हें आपके मूल्य मिलते हैं। उन्हें लचीलापन, सहानुभूति और दूसरों की सेवा करने की क्षमता से लैस करें। उन्हें खोज करने, नवाचार करने, सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन उन्हें जड़ें भी दें ताकि वे कभी भी उस मिट्टी को न भूलें जिससे वे आए हैं। उन्होंने छात्रों से कहा, वे जीवन में जहां भी जाएं, भारत की भावना को अपने साथ लेकर चलें। अदाणी ने कहा, सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों के बारे में नहीं है; यह दूसरों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने के बारे में है।

दुनिया को मिलने वाला है पहला ट्रिलिनेयर

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसियां)। बिलिनेयर की बात अब पुरानी हो चुकी है और अब दुनिया में ट्रिलिनेयर की बात हो रही है। अभी दुनिया में तीन कंपनियों को मार्केट कैप ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है और माना जा रहा है कि अगले 5 साल में दुनिया को पहला ट्रिलिनेयर मिल जाएगा। अगले एक दशक में इस लिस्ट में 5 रईसों के शामिल होने का अनुमान है। रविवार को जारी ऑक्सफेम की सालाना असमानता रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि अगर अमीरों की दौलत बढ़ने का मौजूदा ट्रेंड जारी रहता है तो अगले 10 साल में कम से कम 5 अमीरों की नेटवर्थ 1 ट्रिलियन डॉलर के ऊपर पहुंच जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक तथा दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क पांच साल से भी कम समय में इस मुकाम पर पहुंच सकते हैं। अगले दस साल में ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस, ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन, मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग और फ्रांस के सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड अरनॉल्ट की नेटवर्थ भी 1 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने का अनुमान है। ऑक्सफेम की रिपोर्ट फोर्ब्स से लिए गए आंकड़ों पर है। इस रिपोर्ट को ऐसे समय रिलीज किया गया है जब स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की मीटिंग शुरू हो रही है और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति की शपथ लेने वाले हैं। इसमें कहा गया है कि साल 2024 दुनिया के अमीरों के लिए बेहद शानदार रहा है। अमेरिका के स्टॉक मार्केट में तेजी से उनकी नेटवर्थ काफी तेजी से बढ़ी है। यही कारण है कि ऑक्सफेम को पिछले साल की अपनी लिस्ट को संशोधित करना पड़ा है। तब उसने अगले दशक में केवल एक ट्रिलिनेयर बनने का अनुमान जताया था।ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक मस्क 449 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस हैं। पिछले साल उनकी नेटवर्थ में 203 अरब डॉलर की तेजी आई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 16.1 अरब डॉलर की तेजी आई है। बेजोस 245 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। जकरबर्ग 217 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ तीसरे, एलिसन 188 अरब डॉलर के साथ चौथे और बर्नार्ड अरनॉल्ट 188 अरब डॉलर की साथ पांचवें नंबर पर हैं। मुकेश अंबानी 94.6 अरब डॉलर के साथ 17वें और गौतम अडानी 76.0 अरब डॉलर के साथ 19वें नंबर पर हैं।

ब्रिट्रेन ने भारत में की जितनी लूट, उतने में बन जाते यूएस, चीन, जापान जैसे 5 देश

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने भारत में कितनी और किस तरह की लूट की, वो किसी से छिपी नहीं है। इस लूट को लेकर अलग-अलग आंकड़े दुनिया की किताबों और मैग्जींस में दर्ज हैं। लेकिन ऑक्सफैम इंटरनेशनल की रिपोर्ट ने जो इस लूट का आंकड़ा दिया है, वो बेहद चौंकाने वाला है। उस रकम से मौजूदा समय की पांच सबसे बड़ी इकोनॉमी खड़ी हो सकती हैं. जिसमें अमेरिका और चीन दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं।अब आप समझ सकते हैं कि उस जमाने में ब्रिटेन ने भारत को किस तरह से और कितने रुपए की लूट की होगी। आइए आपको भी बताते हैं कि ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने अपनी रिपोर्ट में किस तरह की जानकारी दी है। ऑक्सफैम इंटरनेशनल की फ्रेश रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन ने 1765 से 1900 के बीच यानी 135 बरस के औपनिवेशिक कालखंड के दौरान भारत से 64,820 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 64.80 ट्रिलियन डॉलर राशि निकाली. इसमें से 33.80 ट्रिलियन डॉलर देश के सबसे अमीर 10 फीसदी लोगों के पास गए.विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की

सालाना बैठक से कुछ घंटे पहले सोमवार को टेकर्स, नॉट मेकर्स शीर्षक वाली यह रिपोर्ट जारी की गई। इसमें कई स्टडीज और रिसर्च पेपर्स का हवाला देते हुए दावा किया गया कि आधुनिक बहुराष्ट्रीय निगम केवल उपनिवेशवाद की देन है।ऑक्सफैम ने कहा कि ऐतिहासिक औपनिवेशिक युग के समय व्याप्त असमानता और लूट की विकृतियां, आधुनिक जीवन को आकार दे रही हैं. इसने एक अत्यधिक असमान विश्व का निर्माण किया है, एक ऐसा विश्व जो नस्लवाद पर आधारित विभाजन से त्रस्त है, एक ऐसा विश्व जो ग्लोबल साउथ से क्रमबद्ध रूप से धन का दोहन जारी रखता है, जिसका लाभ मुख्य रूप से ग्लोबल नॉर्थ के सबसे अमीर लोगों को मिलता है।

10 फीसदी को मिले 33.80 ट्रिलियन डॉलर

विभिन्न अध्ययनों और शोध पत्रों को आधार बनाकर ऑक्सफैम ने गणना की कि 1765 और 1900 के बीच ब्रिटेन के सबसे धनी 10 फीसदी लोगों ने केवल भारत से आज के हिसाब से 33,800 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्ति निकाली ।ये रकम मौजूदा समय में अमेरिकी कुल जीडीपी के बराबर है। इसमें कहा गया कि लंदन के सतही क्षेत्र को यदि 50 ब्रिटिश पाउंड के नोटों से ढका जाए तो उक्त राशि उन नोटों से चार गुना अधिक मूल्य की है।

रिपोर्ट की अहम बात

ऑक्सफैम ने 1765 से 1900 के बीच 100 से अधिक वर्षों के औपनिवेशिक काल के दौरान ब्रिटेन द्वारा भारत से निकाले गए धन के बारे में कहा कि सबसे अमीर लोगों के अलावा, उपनिवेशवाद का मुख्य लाभार्थी नया उभरता मध्यम वर्ग था। उपनिवेशवाद के जारी प्रभाव को जहरीले पेड़ का फल करार देते हुए ऑक्सफैम ने कहा कि भारत की केवल 0.14 फीसदी मातृभाषाओं को ही शिक्षण माध्यम के रूप में प्रयोग किया जाता है और 0.35 फीसदी भाषाओं को ही स्कूलों में पढ़ाया जाता है. ऑक्सफैम ने कहा कि ऐतिहासिक औपनिवेशिक काल के दौरान जाति, धर्म, लिंग, लैंगिकता, भाषा और भूगोल सहित कई अन्य विभाजनों का विस्तार तथा शोषण किया गया। उन्हें ठोस रूप दिया गया और जटिल बनाया गया।

दुनिया की बन जाती 5 सबसे बड़ी इकोनॉमी

खास बात तो ये है ब्रिटेन की इस महालूट जो रकम है, उससे दुनिया की पांच सबसे बड़ी इकोनॉमी एक बार फिर से खड़ी हो सकती है। जिसमें अमेरिका और चीन के साथ जापान, जर्मनी और भारत भी शामिल हैं।

इन पांचों की कुल जीडीपी 64 ट्रिलियन डॉलर से भी कम है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार साल 2025 में अमेरिकी कुल जीडीपी 30.33 ट्रिलियन डॉलर, चीन की 19.53 ट्रिलियन डॉलर, जर्मनी की 4.92 ट्रिलियन डॉलर, जापान की 4.40 ट्रिलियन डॉलर और भारत की 4.27 ट्रिलियन डॉलर होगी। इसका मतलब है कि इन पांचों देशों की कुल इकोनॉमी 63.46 ट्रिलियन डॉलर होगी। जबकि भारत से की गई लुट का आंकड़ा इससे ज्यादा है।

शेयर बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग; सेंसेक्स 454 अंक चढ़ा, निफ्टी 23300 के पार

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक हफ्ते के पहले कारोबारी दिन हरे निशान पर बंद हुए। सोमवार को सेंसेक्स 454.11 (0.59%) अंकों की बढ़त के साथ 77,073.44 पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी 141.55 (0.61%) अंक मजबूत होकर 23300 का आंकड़ा पार करते हुए 23,344.75 पर बंद हुआ। इस दौरान बजाज ट्विंस के शेयरों में 3 प्रतिशत की बढ़त, जबकि जोमैटो के शेयरों में 8% की गिरावट दर्ज की गई। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में सोमवार को नौ प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। कंपनी ने बताया कि उसका समेकित शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत बढ़कर 4,701 करोड़ रुपये हो गया। पूंजी बाजार से जुड़ी इकाइयों के प्रदर्शन से बैंक को इसमें मदद मिली। बीएसई पर कंपनी का शेयर 9.15 प्रतिशत बढ़कर 1,919.60 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 9.68 प्रतिशत बढ़कर 1,929 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 9.06 प्रतिशत बढ़कर 1,918 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी कंपनियों में यह शेयर सबसे अधिक लाभ में रहा। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 31,999.66 करोड़ रुपए बढ़कर 3,81,649.82 करोड़ रुपए हो गया। कोटक

महिंद्रा बैंक ने शनिवार को अपने तिमाही परिणामों की घोषणा की थी। एकल आधार पर, निजी क्षेत्र के इस ऋणदाता का अक्तूबर-दिसंबर अवधि में शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत बढ़ा है।

कल्पवासी महिलाएं श्रृंगार नहीं कर सकतीं

ब्रह्मचर्य का करना होता है पालन, मान्यता– 432 करोड़ साल का पुण्य मिलता है

प्रयागराज, 29 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 1924 प्रयाग कुंभ की बात है। अंग्रेज सरकार ने संगम में स्नान पर रोक लगा दी थी। सरकार का कहना था कि संगम के पास फिसलन बढ़ गई है, भीड़ की वजह से हादसा हो सकता है। बता दें कि कल्पवासी दिन में तीन बार स्नान करते हैं। दोपहर का स्नान वे संगम तट पर ही करते हैं। इसलिए वे संगम में स्नान के लिए अड़े थे। कल्पवासियों को पंडित मदन मोहन मालवीय का साथ मिला। उन्होंने सरकार के फरमान के खिलाफ जल सत्याग्रह शुरू कर दिया। 200 से ज्यादा कल्पवासी, मालवीय के साथ ब्रिटिश पुलिस के साथ आर-पार के मूड में थे। जवाहरलाल नेहरू भी तब प्रयाग में ही थे। जब उन्हें पता चला कि संगम में स्नान को लेकर मालवीय जल सत्याग्रह कर रहे हैं, तो वे भी संगम पहुंच गए।

अपनी आत्मकथा 'मेरी कहानी' में नेहरू लिखते हैं- 'मेला पहुंचने पर मैंने देखा कि मालवीय जी जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ जल सत्याग्रह कर रहे हैं। जोश में आकर मैं भी सत्याग्रह दल में शामिल हो गया। मैदान के उस पार लकड़ियों का बड़ा सा बैरिकेड बनाया गया था। हम आगे बढ़ने लगे, तो पुलिस ने रोका। हमारे हाथ में सीढ़ी थी, जिसे पुलिस ने छीन लिया। हम रेत पर बैठकर धरना देने लगे। दोनों तरफ पैदल और घुड़सवार पुलिस खड़ी थी। धूप बढ़ती जा रही थी। मेरा धैर्य अब टूटने लगा था।

इसी बीच घुड़सवार पुलिस को कुछ ऑर्डर मिला। मुझे लगा कि ये लोग हमें कुचल देंगे, हमारे साथ मार-पीट करेंगे। मैंने सोचा क्यों न हम घेरे के ऊपर से ही फांद जाएं। मेरे साथ बीसों आदमी बैरिकेड्स के ऊपर चढ़ गए। कुछ लोगों ने बांस की बल्लियां भी निकाल लीं। इससे रास्ता जैसा बन गया। मुझे बहुत गर्मी लग रही थी, सो मैंने गंगा में गोता लगा दिया। मालवीय जी बहुत भन्नाए हुए थे और ऐसा लग रहा था कि वे खुद को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। अचानक बिना किसी से कुछ कहे मालवीय जी उठे और पुलिस के बीच से निकलकर गंगा में कूद पड़े। इसके बाद तो पूरी भीड़ गंगा में डुबकी लगाने के लिए टूट पड़ी। इस तरह ब्रिटिश सरकार के फरमान के बावजूद कल्पवासियों ने संगम में स्नान किया।

कल्पवास, यानी पौष महीने की पूर्णिमा से लेकर माघ महीने की पूर्णिमा तक संगम किनारे रहकर वेदों का अध्ययन करना, ध्यान करना और साधना करना। सदियों से यह परंपरा चली आ रही है। महाभारत, रामचरित मानस और पुराणों में कल्पवास का जिक्र मिलता है। आमतौर पर कल्पवास महीनेभर का होता है। कुछ लोग 3 दिन, 7 दिन और 15 दिन का भी कल्पवास करते हैं।

रामचरित मानस के बालकांड में तुलसीदास लिखते हैं- 'माघ मकर गत रवि जब होई। तीरथ पतिहि आव सब कोई। देव दनुज किन्नर नर श्रेनी। सादर मज्जहिं सकल त्रिवेनी।'

यानी माघ के महीने में जब सूर्य मकर राशि में आते हैं, तब सब कोई तीर्थराज प्रयाग आते हैं। देव, दैत्य, किन्नर और इंसान भक्ति भाव से त्रिवेणी-संगम में स्नान करते हैं। रामचरित मानस के मुताबिक हर साल माघ महीने में साधु-संत प्रयाग आते थे और भारद्वाज मुनि के आश्रम में रहकर कल्पवास करते थे। एक बार कल्पवास पूरा करने के बाद सभी संत लौट गए, लेकिन याज्ञवल्क्य मुनि को भारद्वाज मुनि ने जाने नहीं दिया। उन्होंने उनका पैर पकड़ लिया और रामकथा सुनाने का आग्रह किया। इसके बाद याज्ञवल्क्य मुनि ने उन्हें रामकथा सुनाई। कहा जाता है कि राम वनवास की शुरुआत में प्रयाग गए थे और लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद उन्होंने प्रयाग में स्नान-दान किया था। कल्पवास, कल्प से बना है। वैदिक साहित्य के मुताबिक वेदों के अध्ययन के लिए 6 वेदांगों की रचना की गई। यह 6 वेदांग हैं- शिक्षा, छंद, व्याकरण, निरुक्त, ज्योतिष और कल्प। कल्प में यज्ञ, ध्यान, दान आदि की विधि बताई गई है। कुंभ चार जगहों- प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में लगता है, लेकिन कल्पवास सिर्फ प्रयाग में ही होता है। हर साल माघ मेला के दौरान कल्पवासी प्रयाग आते हैं। मान्यता है कि कुंभ के दौरान कल्पवास की महिमा बढ़ जाती है। मान्यता है कि कल्पवास करने वालों को 432 करोड़ साल का फल मिलता है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के मुताबिक ब्रह्माजी के एक दिन को कल्प कहा जाता है। कलयुग, द्वापर, त्रेता और सतयुग चारों युग मिलकर जब एक हजार बार आते हैं, तो वह अवधि ब्रह्मा जी के एक दिन या एक रात के बराबर होती है। सतयुग 17,28,000 साल, त्रेता युग 12,96,000 साल, द्वापर युग 8,64,000 साल और कलियुग 4,32,000 साल का होता है। ऐसे एक हजार साल बीतेंगे तब एक कल्प होगा। यानी कोई कुंभ में कल्पवास करेगा तो पृथ्वी की गणना के अनुसार उसे 432 करोड़ साल का फल मिलेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जो कल्पवासी 12 साल तक लगातार कल्पवास करते हैं, उन्हें मोक्ष मिलता है। कर्मकाण्ड या पूजा में हर कार्य संकल्प के साथ शुरू होता है और संकल्प में 'श्रीश्वेतवाराहकल्पे' का सम्बोधन किया जाता है। इसका मतलब है कि सृष्टि की शुरुआत से लेकर अब तक 11 कल्प बीत चुके हैं। अभी 12वां कल्प चल रहा है।

शास्त्रों में कुंभ के दौरान कल्पवास को सबसे फलदाई माना गया है। पुराणों में कल्पवास के लिए अलग-अलग समय बताया गया है। पद्म और ब्रह्म पुराण के अनुसार पौष महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी से माघ महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तक कल्पवास करना चाहिए। विष्णु पुराण के अनुसार कल्पवास अमावस्या या पूर्णिमा के दिन शुरू किया जा सकता है। शर्त केवल इतनी है कि सूर्य मकर राशि में होना चाहिए। फिलहाल पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक कल्पवास करने की परंपरा है। कल्पवासियों के लिए प्रयागराज की पवित्र रेत पर पैर रखते ही कल्पवास शुरू माना जाता है। संगम में डुबकी लगाने। फिर किनारे पर ध्यान करने और दान देने के बाद कल्पवासी उन शिविरों या कुटिया में पहुंचते हैं, जहां वे एक महीना रहेंगे।

कल्पवासी जब प्रयाग आते हैं, तो सबसे पहले वे खिचड़ी खाते हैं। अपने टेंट में जौ और तुलसी का पौधा लगाते हैं। खिचड़ी खाना संसारिकता से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। कल्पवास पूरा करने के बाद कल्पवासी जौ और तुलसी को गंगा जल में प्रवाहित कर देते हैं। घर लौटते वक्त वह कढ़ी खाते हैं। कढ़ी खाने का मतलब है वह फिर से संसारिकता में प्रवेश करता है।'

राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने किया था कल्पवास

आजादी के बाद 1954 में पहला कुंभ प्रयाग में लगा। राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद तब कुंभ पहुंचे थे और उन्होंने एक महीने कल्पवास किया था। वे संगम तट पर किले के एक हिस्से में रहते थे। आज भी उनकी याद में वह स्थान सुरक्षित है। उस जगह को प्रेसीडेंट व्यू कहा जाता है। जब राजेंद्र प्रसाद वहां कल्पवास करते थे, तो उनसे मिलने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री समेत कई नेता आते थे।

राजा हर्षवर्धन कल्पवास के दौरान पूरा राज-पाट लुटा देते थे

शुरुआत में यहां केवल ऋषि-मुनि ही तपस्या करते थे। छठी शताब्दी की शुरुआत में कल्पवास के लिए गृहस्थों ने आना शुरू किया। उस दौरान राजा हर्षवर्धन माघ महीने में यहां आते थे और अपना सब कुछ त्याग कर लौट जाते थे। चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी प्रयाग में राजा हर्षवर्धन के दान और अनुष्ठानों का जिक्र किया है। ह्वेनसांग अपने संस्मरण में लिखते हैं- 'दो नदियों गंगा और यमुना के बीच प्रयाग है। यहां बहुत सारे फलदार वृक्ष हैं। हिंदू देवी-देवताओं के मंदिर हैं। हर जगह रेत ही रेत दिखती है। जिस जगह ये दोनों नदियां मिलती हैं, यहां के लोग उसे महादानभूमि कहते हैं। गंगा के उत्तरी तट पर हर्षवर्धन का शिविर लगा था। सुबह हर्षवर्धन सैनिकों के साथ जलपोत से महादानभूमि पहुंचे। मैं भी उनके साथ था। कई देशों के राजा इंतजार कर रहे थे। साधु-संत, गरीब, रोगी और विधवा, हर तरह के लोगों का हुजूम उमड़ा था।'

ह्वेनसांग लिखते हैं- 'हर्षवर्धन ने सबसे पहले महादानभूमि के भीतर बनी एक झोपड़ी में बुद्ध की मूर्ति स्थापित की। उसका श्रृंगार किया और बहुमूल्य रत्न चढ़ाए। राजा ने कपड़े, रत्न और भोजन लोगों के बीच बांटे।

दूसरे दिन उन्होंने सूर्य की मूर्ति और तीसरे दिन महादेव की मूर्ति स्थापित की। चौथे दिन बौद्ध भिक्षुओं को सोने के सिक्के बांटे। इसके बाद साधु-संतों को बहुमूल्य रत्न दिए। फिर विधवा, अनाथ और रोगियों को दान दिया। इस तरह लगातार 74 दिनों तक हर्षवर्धन दान करते रहे। उन्होंने पूरा खजाना खाली कर दिया। अंत में अपना मुकुट भी दान कर दिया।'

सत्य बोलना

कल्पवास के दौरान पूरे महीने सत्य बोलना होता है। सच बोलना और असत्य का त्याग भी तप माना जाता है।

अहिंसा

पूरी तरह से अहिंसक आचरण का पालन करना चाहिए। केवल इंसान ही नहीं हर जीव यानी एक चींटी के प्रति भी हिंसा नहीं होनी चाहिए।

क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या का त्याग

कल्पवास के दौरान किसी के प्रति क्रोध, लोभ, अहंकार या जलन का भाव मन में नहीं आना चाहिए।

इंद्रियों पर नियंत्रण

कल्पवास के दौरान जीभ से लेकर गुप्त इंद्रियों पर काबू रखना होता है।

ब्रह्मचर्य

कल्पवास में पूरी तरह ब्रह्मचर्य का पालन करना होना होता है। गृहस्थ को भी इसका खास ध्यान रखना होता है।

ब्रह्म मुहूर्त में उठना

कल्पवासी सुबह चार बजे यानी ब्रह्म मुहूर्त में उठ जाते हैं। वे सूर्योदय से पहले उठकर संगम में डुबकी लगाते हैं।

तीन बार स्नान करना

शास्त्रों के अनुसार कल्पवासी को दिन में तीन बार स्नान करना चाहिए। कुछ साधु तो दिन के हर पहर में डुबकी लगाते हैं।

साधारण जीवन

ज्यादातर कल्पवासी सफेद या पीले कपड़े पहनते हैं। कुछ तो धोती कुर्ता या बिना सिले हुए कपड़े पहनते हैं।

महिला कल्पवासी को मेकअप और श्रृंगार संबंधी सारी चीजें त्यागना होती हैं। सुहागन कल्पवासी, चंदन और सिंदूर लगाती हैं।

रिश्तेदार के घर भी नहीं जा सकते

अगर कोई कल्पवासी अपने रिश्तेदार के यहां चला जाता है, तो उसका कल्पवास टूट जाता है।

पुलिस की उग्रवादियों से मुठभेड़, एके-47 बरामद

एक उग्रवादी के घायल होने की सूचना, भारी मात्रा में हथियार जब्त

गुमला, 20 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गुमला में बीती देर रात पुलिस और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस घटना में एक उग्रवादी को गोली लगने की सूचना है। हालांकि इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इधर, सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से एके-47 समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद किया है।

मुठभेड़ बिशुनपुर थाना क्षेत्र के देवरागानी जंगल में हुई। वहीं, गुमला एसपी शंभू कुमार सिंह के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि झांगुर गुट का सरगना रामदेव अपने साथियों के साथ इस क्षेत्र में मौजूद है।

सूचना के आधार पर आईआरबी कमांडेंट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र की घेराबंदी की। तलाशी अभियान के दौरान उग्रवादियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की। सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख उग्रवादी घने जंगलों में भाग गए। इस ऑपरेशन में पुलिस ने एके-47 राइफल सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। अभियान में गुमला, घाघरा और बिशुनपुर की एसएसबी और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम शामिल थी। झांगुर गुट का सरगना रामदेव पिछले कई वर्षों से पुलिस के रडार पर है। पुलिस लगातार उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है, लेकिन हर बार वह पुलिस के हाथों से निकल जाने में सफल रहा है। फिलहाल पूरे क्षेत्र की घेराबंदी जारी है और किसी को भी इलाके में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

'दिल्ली का शेर' कहे जाते थे मदन लाल खुराना

एक डायरी जिसने इस्तीफा देने पर कर दिया था मजबूर

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख करीब आ रही है। बीजेपी इस बार 26 साल के जीत का सूखा दूर करने की पुरजोर कोशिश में जुटी हुई है। एक समय था जब दिल्ली में बीजेपी का दबदबा था। दिल्ली को पार्टी का गढ़ कहा जाता था। आज चर्चा बीजेपी के उस नेता की जो दिल्ली में बीजेपी का पर्याय था। 1993 में जब दिल्ली में पहली बार पूर्ण विधानसभा के चुनाव हुए तो बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की थी। इस चुनाव में बीजेपी ने 70 में से 49 सीटों पर जीत हासिल की। यह एक तरह से दिल्ली का पहला विधानसभा चुनाव था। जीत के बाद खुराना दिल्ली की सीएम की गद्दी पर बैठे। हालांकि, हवाला स्कैम से जुड़े एक मामले में सुरेंद्र जैन की डायरी में खुराना का नाम आया। इसके बाद उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

इससे पहले 1953 में जब दिल्ली में चुनाव हुए थे तो उस समय दिल्ली अंतरिम विधानसभा थी। उस समय दिल्ली में अंतरिम विधानसभा के तहत 48 सीटें थी। बाद में 1991 में 69वें संविधान संशोधन के जरिये दिल्ली नेशनल कैपिटल टेरिटरी

ऑफ दिल्ली बनी। इससे दिल्ली को विशेष दर्जा भी मिला। पूर्ण विधानसभा बनने के बाद दिल्ली में सीटें 48 से बढ़कर 70 सीटें हो गईं। 1993 के चुनाव में 6 राष्ट्रीय दलों, 3 स्टेट लेवल की पार्टियां और 41 नॉन रजिस्टर्ड पार्टियों के अलावा निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इस बार दिल्ली की 70 सीटों पर कुल 1316 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इसमें 59 महिलाएं भी शामिल थीं। इस चुनाव में बीजेपी ने दमदार प्रदर्शन किया।

मदन लाल खुराना बने मुख्यमंत्री

बीजेपी की जीत में मदन लाल खुराना ने अहम भूमिका अदा की थी। मदन लाल खुराना ने खुद मोती नगर विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। खुराना ने 2 दिसंबर 1993 को दिल्ली के तीसरे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। दरअसल, खुराना का पार्टी में कद काफी बड़ा हो चुका था। पंजाबी समुदाय से संबंध रखने वाले खुराना की दिल्ली में अन्य वर्गों पर भी मजबूत पकड़ थी। खुराना दिल्ली में बीजेपी की जड़ें मजबूत करने वाले नेताओं में से एक थे।

दिल्ली का शेर मदन लाल खुराना

खुराना ने मल्होत्रा, केदार नाथ साहनी और कंवर लाल गुप्ता के साथ मिलकर 1960 के दशक में भारतीय जनसंघ की दिल्ली शाखा की स्थापना की। वे महानगर पार्षद थे। इसके बाद उन्हें पार्टी का मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया। बाद में वे कार्यकारी पार्षद बन गए। एक फील्ड वर्कर से खुराना महानगर परिषद में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हुए और अंततः मुख्यमंत्री के सर्वोच्च पद पर पहुंचे। वे निडर थे और उन्हें 'दिल्ली का शेर' कहा जाता था।

उन्होंने दिल्ली में सांसद, विधायक और महानगर पार्षद के 11 चुनाव लड़े। इन 11 में से उन्होंने 10 चुनाव में जीत हासिल की। खुराना सच्चे मायनों में जननेता थे।

हवाला स्कैम डायरी में नाम ने खत्म की चमक

खुराना को दिल्ली की गद्दी संभाले 2 साल से अधिक का समय हो चुका था। इस बीच जैन हवाला डायरी कांड को लेकर देशभर में खूब चर्चा थी। इस हवाला स्कैम में दिल्ली के सीएम रहे मदन लाल खुराना का भी नाम आया। जैन बंधुओं से जुड़े 65 करोड़ के हवाला घोटाले में बीजेपी नेता का नाम आने के बाद उनपर दबाव बढ़ने लगा था। सुरेंद्र जैन की डायरी में मदन लाल खुराना का नाम आया था। खुराना पर कथित रूप से 1989 में हवाला कारोबारी जैन बंधुओं से 3 लाख रुपये लेने का आरोप लगा। इसके बाद उन्होंने 2 साल 86 दिन के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

सत्ता में यह पहली बार हुआ था कि इस तरह से किसी सीएम को पद छोड़ना पड़ा हो। 1996 में सीबीआई ने खुराना के खिलाफ हवाला कांड में चार्जशीट दाखिल करने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, बाद में खुराना इस मामले में अदालत से बरी हो गए। स्पेशल जज वीबी गुप्ता ने बीजेपी नेता को पैसे लेने के आरोप से बरी कर दिया। प्रथम दृष्टया उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले। इस मामले में रिहा होने के बाद खुराना ने कहा था कि हवाला मामले में सीबीआई की तरफ से उनका नाम लिए जाने के 'आधे घंटे के भीतर' उन्हें 'सार्वजनिक पद की गरिमा की रक्षा' के लिए इस्तीफा देने के लिए कहा गया।

2018 में हो गया निधन

खुराना का जन्म 15 अक्टूबर, 1936 को पश्चिमी पंजाब (वर्तमान में पाकिस्तान) के लायलपुर में हुआ था। बंटवारे के बाद उनका परिवार दिल्ली आ गया। उस समय खुराना करीब 12 साल के थे। दिल्ली में आने के बाद उन्होंने कीर्ति नगर में रिफ्यूजी कॉलोनी में शरण ली थी। खुराना ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से मास्टर्स और गांधी मेमोरियल कॉलेज, श्रीनगर से बी.एड. की डिग्री ली। खुराना साल 1965 से 1967 एवं 1975 से 1977 तक भारतीय जनसंघ, दिल्ली के महासचिव रहे। 27 अक्टूबर 2018 को मदन लाल खुराना का निधन हो गया। निधन से करीब पांच साल पहले उन्हें ब्रेन हेमरेज हुआ था। उसके बाद से और वह बीमार रहते थे। अंतिम समय में उन्हें सीने में संक्रमण और सांस लेने में दिक्कत थी।

अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर प्रशासन ने तोड़े 40 मकान

महामाया पहाड़ पर कब्जाधारियों में ज्यादातर झारखंड के मुस्लिम, फोर्स ने बल प्रयोग कर खदेड़ा

सरगुजा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में महामाया पहाड़ी की संरक्षित वन भूमि पर करीब 440 लोगों ने अवैध कब्जा कर मकान बना लिया है। सोमवार को प्रशासन की टीम ने करीब 40 घरों को तोड़ दिया। कब्जाधारियों में ज्यादातर झारखंड के मुस्लिम समुदाय के लोग हैं। पहाड़ पर 500 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। हालांकि हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार दफ्तर से फोन किए जाने के बाद कार्रवाई रोक दी गई है।

महामाया पहाड़ पर अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान सुबह प्रशासनिक और वन अमले की टीम को जमकर विरोध का सामना करना पड़ा। अतिक्रमणकारियों ने कुछ और समय मांगा, लेकिन प्रशासन ने मना कर दिया। हंगामे के बीच पुलिस ने अतिक्रमणकारियों को हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ा।

मामले पर स्टे के लिए हाईकोर्ट बिलासपुर में याचिका लगाई गई है। अर्जेंट हियरिंग की अपील के बाद मामले में सुनवाई का समय दिया गया है। इसके पहले तोड़फोड़ की चल रही कार्रवाई को रोकने के लिए हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार कार्यालय से सरगुजा जिला प्रशासन को मौखिक आदेश दिया गया। दरअसल, सरगुजा के सिद्ध शक्तिपीठ महामाया मंदिर से लगे पहाड़ को काटकर लंबे समय से अतिक्रमण किया जा रहा है। इसमें कब्जाधारियों के मकान और बाड़ी बने हैं। 2021 में जिला प्रशासन, वन विभाग के संयुक्त अमले के सर्वे में 440 लोगों का अतिक्रमण पाया था। 15 अक्टूबर 2022 को 60 अतिक्रमणकारियों का कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू की थी, लेकिन राजनीतिक दबाव में यह कार्रवाई रुक गई थी। एक्शन से पहले एक बार फिर 3 दिन की मोहलत देकर 17 जनवरी को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन कब्जा नहीं हटाया गया, जिसके बाद कार्रवाई की गई है।

जीएसटी अफसर के बेटे ने सीनियर से ठगे 36 लाख

भिलाई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। नागपुर के जीएसटी ऑफिसर के बेटे ने अपनी सीनियर से बिटकॉइन ट्रेडिंग के नाम पर 36 लाख की ठगी की है। पहले छोटे इन्वेस्ट में प्रॉफिट दिया, फिर बड़ा अमाउंट ले लिया। अब दुर्ग पुलिस ने आरोपी को नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। इसके पिता छत्तीसगढ़ के कई जिलों में पदस्थ रह चुके हैं। घटना सुपेला थाना क्षेत्र की है। दरअसल, स्मृति नगर जुनवानी निवासी वैष्णवी नायर ने 16 अगस्त 2024 को अपनी शिकायत में बताया कि, वो साल 2016 में बीआईटी दुर्ग में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी।

मांझे से कटी गर्दन, मासूम की मौत

पिता के साथ बाइक से गार्डन जा रहा था महिला वकील का भी गला–अंगूठा कटा

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में पतंग के मांझे ने एक 7 साल के बच्चे की जान ले ली है। जबकि महिला वकील भी मांझे में फंसकर बुरी तरह जख्मी हो गई। महिला का गला और अंगूठे का हिस्सा कट गया है। यह दोनों घटना शहर के अलग-अलग थाना इलाके की है। फिलहाल, पुलिस दोनों मामले की जांच कर रही है। टिकरापारा थाना इलाके में धनेश साहू अपने बच्चे पुष्कर साहू के साथ बाइक से रविवार शाम 5 संतोषी नगर से कटोरा तालाब गार्डन घूमने जा रहे थे। तभी पचपेड़ी नाका के पास अचानक एक मांझा बच्चे के गले के पास फंस गया। वो बुरी तरह जख्मी हो गया। धनेश ने गाड़ी रोककर जैसे-तैसे मांझे को बाहर निकाला। उसके पिता उसे पास के ही एक निजी अस्पताल लेकर गए। लेकिन इलाज नहीं हो पाया। फिर उसे मेकाहारा रेफर किया गया। जहां बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद बच्चे के घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मिठाई विक्रेता के रिश्तेदार से लूट

जामताड़ा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा पर स्थित चित्तरंजन में देर रात एक दर्दनाक लूट की घटना सामने आई है। प्रसिद्ध मिष्ठान विक्रेता स्वर्गीय मंटू घोष के रिश्तेदार जयदेव चौधरी अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, तभी तीन नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें अपना निशाना बनाया। सुनसान सड़क पर हुई इस घटना में बदमाशों ने पिस्तौल की नोक पर जयदेव से उनकी होंडा एक्टिवा 125 स्कूटी, रेडमी मोबाइल फोन और 1,100 रुपए की नकदी लूट ली।

पेड़ से टकराई स्कॉर्पियो पति-पत्नी की मौत

बालोद, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में रामचरितमानस की प्रस्तुति देकर लौट रही मंडली की स्कॉर्पियो कार पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में स्कॉर्पियो में सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गाड़ी का ड्राइवर और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना गिधवा मोड़ के पास की है, जहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सीधे पेड़ से जा टकराई।

बर्खास्त बीएड टीचर्स को घसीटा, बस में भरकर ले गए

रायपुर में कई बेहोश हुए, शिक्षक बोलीं– पुलिस ने कपड़े फाड़े, किया बैड टच

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर के तेलीबांधा (मरीन ड्राइव) पर प्रदर्शन कर रहे बर्खास्त बीएड सहायक शिक्षकों को पुलिस ने घसीटकर सड़क से हटाया। रविवार रात की इस घटना के दौरान कुछ महिला शिक्षक बेहोश हो गईं। टीचर्स ने पुलिस पर कपड़े फाड़ने और बैड टच करने का आरोप लगाया है।

बर्खास्त बीएड सहायक शिक्षकों ने समायोजन (एडजस्टमेंट) की मांग को लेकर 10 घंटे तक चक्काजाम किया। प्रदर्शनकारियों में बड़ी संख्या में शिक्षक और उनके परिजन शामिल थे। जिन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी बहाली की मांग की।

प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पुलिस ने रात 10 बजे सख्ती दिखाई और उन्हें खींचकर बसों में भरकर वहां से हटा दिया। इस घटना को लेकर पूर्व सीएम बघेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर साय सरकार पर निशाना साधा है।

प्रदर्शन के कारण तेलीबांधा मरीन ड्राइव पर दोपहर से लेकर रात तक ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही। दिनभर वाहन फंसे रहे।

जिससे आम लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस प्रदर्शन के दौरान शहर में ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ी रही। बर्खास्त बीएड सहायक शिक्षकों को हटाने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस का कहना है कि, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया। इस दौरान कई टीचर्स बेहोश हो गईं। इनका कहना है कि, नौकरी से हटाए जाने के बाद दिक्कतें बढ़ गई हैं। वे अपने अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे। जब तक उनकी नौकरी बहाल नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि सरकार उनकी समस्याओं को सुनने के बजाय उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। फिलहाल, सरकार की ओर से इस मुद्दे पर कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे। शनिवार की सुबह बर्खास्त शिक्षकों ने मंत्री ओपी चौधरी के बंगले का घेराव कर दिया था। समायोजन की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन पर बैठे शिक्षक सुबह 5 बजे अचानक मंत्री के बंगले पहुंचे और यहां गेट के बाहर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी। काफी देर तक समझाइश के बाद जब प्रदर्शनकारी नहीं उठे, तब पुलिस ने जबरदस्ती उन्हें हटाया और गिरफ्तार कर लिया।

बर्खास्त बीएड सहायक शिक्षकों का प्रदर्शन नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर चल रहा है। नौकरी से निकाले गए इन शिक्षकों के समर्थन में अलग-अलग कर्मचारी संगठनों के अलावा कांग्रेस नेता भी पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व अध्यक्ष धनेन्द्र साहू भी पहुंचे। इस दौरान महिला सहायक शिक्षकों ने बैज को राखी बांधी। दीपक बैज ने कहा कि, कांग्रेस सहायक शिक्षकों की मांगों का पूरा समर्थन करती है।

सरकार का दायित्व है कि सेवाएं सुरक्षित रखी जाएं। सरकार चाहे तो रास्ता निकाल सकती है। नौकरी से सीधे हटा देना पूरी तरह गलत है। राज्य में शिक्षकों के हजारों पद खाली हैं, फिर भी सहायक शिक्षकों को बाहर करना गलत है। 2 जनवरी को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी धरनास्थल पहुंचे थे। बीजेपी कार्यालय घेरने गए 30 सहायक शिक्षकों की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए उन्होंने कहा था कि, जो 30 सहायक शिक्षक जेल में हैं, उनके साथ हम सब जेल जाएंगे।

शपथ से पहले ट्रम्प बोले- तीसरा विश्व युद्ध रोकूंगा

विक्ट्री भाषण में कहा- मैंने गाजा में सीजफायर कराया, अवैध प्रवासियों को अमेरिका से निकालेंगे

वॉशिंगटन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शपथ ग्रहण से पहले रविवार रात को वॉशिंगटन में विक्ट्री स्पीच (विजयी भाषण) दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे दुनिया में तीसरा विश्व युद्ध होने से रोकेंगे। उन्होंने दावा किया कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के बेहद नजदीक है।

ट्रम्प ने इजराइल-हमास के बीच हुए सीजफायर का भी श्रेय लिया। उन्होंने कहा कि यह ट्रम्प इफेक्ट है। उनके चुनाव जीतने के महज 3 महीने के भीतर गाजा में सीजफायर हो गया है। ट्रम्प ने यूक्रेन में जारी जंग और मिडिल ईस्ट के देशों में फैली अराजकता को रोकने की बात भी कही। ट्रम्प ने कहा कि सोमवार को उनकी शपथ के बाद अमेरिकी पतन के चार साल का अंत हो जाएगा। उन्होंने अगले कार्यकाल में एतिहासिक रफ्तार से काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि उनके काम की शुरुआत मेक्सिको

बॉर्डर सील करने से होगी।

अवैध प्रवासियों पर- ट्रम्प ने अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकालने की बात कही। ट्रम्प ने कहा बहुत जल्द हम अमेरिका इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान शुरू करेंगे।

अपने शपथ ग्रहण पर- शपथ ग्रहण पर बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि हम कल दोपहर अपना देश वापस लेंगे। उन्होंने कहा, "अमेरिका के पतन के चार लंबे साल खत्म हो रहे हैं और हम अमेरिकी शक्ति, समृद्धि, गरिमा और गर्व का एक नया दिन शुरू करने जा रहे हैं।

वैचारिक बदलाव पर- ट्रम्प ने कहा, हम अपनी स्कूलों में देशभक्ति की भावना को बहाल करेंगे, कट्टर वामपंथी और 'वोक' विचारधाराओं को हमारी सेना और सरकार से बाहर करेंगे। हम अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे। कैपिटल हिल हिंसा के दोषियों पर- डोनाल्ड ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल में हुई हिंसा के दोषियों को माफी दे सकते हैं। रैली के दौरान ट्रम्प ने बताया वे इन दोषियों पर लिए गए फैसले से बेहद खुश हैं।

कैनेडी की हत्या पर- डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वो पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी समेत दूसरे नेताओं की हत्याओं से जुड़ें 60 साल पुराने सरकारी दस्तावेजों को सार्वजनिक करेंगे।

डोनाल्ड ट्रम्प ने चीनी ऐप टिकटॉक को प्रतिबंध नहीं लगाने की बात दोहराई। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद इसके लिए एक कार्यकारी आदेश जारी करने की बात कही। भाषण के दौरान ट्रम्प ने कहा कि आज से टिकटॉक वापस आ गया है।

कंपनी ने अपनी वापसी का श्रेय ट्रम्प को दिया। रविवार को ही कुछ घंटो बाद टिकटॉक ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया। कंपनी ने लिखा- सर्विस को रीस्टोर किया जा रहा है। हम अमेरिका में टिकटॉक को बनाए रखने के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ मिलकर काम करेंगे।

ट्रम्प ने भाषण के बाद कहा कि वह कैलिफोर्निया में आग से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को दौरा करेंगे। आग की चपेट में आने से करीब 40 हजार एकड़ इलाका जल गया था। इसमें 27 लोगों की मौत भी हुई।

शपथ लेने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प 100 से ज्यादा एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन करेंगे। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर वह आदेश होते हैं जो राष्ट्रपति द्वारा एकतरफा जारी किए जाते हैं। ये आदेश कानून की शक्ति रखते हैं। इन्हें कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती। कांग्रेस इन्हें पलट नहीं सकती। हालांकि इन्हें अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

चीनी ड्रैगन को संयुक्त राष्ट्र में घेरने की तैयारी

पड़ोसी देश बन सकता है सुरक्षा परिषद का सदस्य

मनीला, 20 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण चीन सागर में दादागिरी दिखा रहे चीन पर लगाम लगाने की तैयारी तेज हो गई है। चीन अपने पड़ोसी देशों वियतनाम, फिलीपीन्स, जापान और ताइवान को डराने में जुटा हुआ है। चीन की इस चाल को मात देने के लिए अब फिलीपीन्स को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गैर स्थायी सदस्य बनाया जा सकता है। फिलीपीन्स चाह रहा है कि उसे 2 साल के लिए सुरक्षा परिषद की सदस्यता दी जाए। फिलीपीन्स का यह प्रयास अगर सफल हो जाता है तो वह चीन के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सबसे मुखर और प्रभावशाली आवाज बन सकता है। चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है और फिलीपीन्स के द्वीप को अपना बता रहा है।

चीन और फिलपीन्स के बीच समुद्र के अंदर कई बार टकराव हो चुका है। साऊथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक फिलीपीन्स अगर

दुनिया के सबसे बड़े मंच पर चीन को घेरता है तो यह बीजिंग के लिए बहुत ही शर्मनाक स्थिति हो सकती है। अभी चीन पाकिस्तान के दो साल के लिए सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने पर इतरा रहा है।

चीन और पाकिस्तान मिलकर भारत को घेरना चाहते हैं। फिलीपीन्स ने हाल ही में भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदी है जो चीनी युद्धपोतों को तबाह करने की ताकत रखती है। अमेरिका ने भी अपनी सेना को फिलीपीन्स में तैनात किया है। नए अड्डे बना रहा है।

फिलीपीन्स के राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने पिछले सप्ताह राजनयिकों से बातचीत में कहा था कि फिलीपीन्स 'व्यवस्था आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था' और वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि फिलीपीन्स का साल 2027 से 2028 तक सुरक्षा परिषद की दावेदारी के लिए शांतिरक्षा और बहुपक्षीय कूटनीति का समृद्ध अनुभव है। मार्कोस जूनियर ने कहा कि फिलीपीन्स वैश्विक स्तर पर भूमिका निभाने के लिए बहुत मजबूत स्थिति में है। साथ ही वैश्विक एजेंडे के निर्णायक मुद्दों को उठाना चाहता है।

वश्लिेषकों का कहना है कि मार्कोस जूनियर के इस बयान से साफ है कि वह वैश्विक सहयोग से आगे बढ़कर संयुक्त राष्ट्र में चीन के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी कर रहे हैं। फिलीपीन्स अगर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आता है तो चीन की पोल खोल सकता है जो दक्षिण चीन सागर में डराने में जुटा है।

उन्होंने कहा कि अगर फिलीपीन्स को सुरक्षा परिषद में शामिल करने का कोई भी प्रस्ताव आता है तो चीन इसको जरूर वीटो करेगा।

चीन अगर ऐसा करता है तो इसका बड़ा राजनयिक असर हो सकता है। दक्षिण एशियाई मामलों के अमेरिकी एक्सपर्ट ग्रेग पोलिंग कहते हैं कि यह वीटो चीन को शार्मिंदगी में डाल देगा। फिलीपीन्स का सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के लिए दावा बहुत मजबूत है।

इजराइल ने 90 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया

हमास की कैद से 3 इजराइली बंधक आजाद
नेतन्याहू बोले- पूरा देश आपको गले लगा रहा

तेल अवीव, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइल-हमास के बीच बीते 15 महीनों से जारी जंग रविवार, 19 जनवरी को थम गई है। इजराइल ने सीजफायर के पहले दिन 90 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। बदले में हमास ने भी इजराइल की 3 महिला बंधक रिहा की हैं। इनके नाम रोमी गोनेन, एमिली दामारी और डोरोन स्टीनब्रेचर हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक तीनों बंधकों को रेड क्रॉस की मदद से इजराइल वापस लाया गया। बंधकों की वापसी पर इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि पूरा देश आपको गले लगा रहा है। रिहाई के बाद फिलिस्तीन और इजराइल दोनों जगहों पर लोगों ने खुशियां मनाईं। सीजफायर की घोषणा के बाद 600 से अधिक ट्रक इजराइल की सख्त नाकेबंदी के बीच मानवीय सहायता लेकर

गाजा पहुंचे। फिलिस्तीनी नागरिक युद्धग्रस्त इलाकों से अपने घरों की जांच करने और अपने रिश्तेदारों को दफनाने के लिए वापस लौट रहे हैं।

सीजफायर डील 3 फेज में पूरी होगी। पहले फेज में हमास इजराइल से किडनैप किए गए 33 बंधकों को रिहा करेगा। साथ ही इजराइली सेना गाजा की सीमा से 700 मीटर पीछे लौटेगी। इजराइल के न्याय मंत्रालय ने भी 95 फिलिस्तीनी कैदियों की लिस्ट जारी की है, जिन्हें पहले फेज में रिहा किया जाएगा। इनमें 69 महिलाएं, 16 पुरुष और 10 नाबालिग शामिल हैं।

इजराइल 700 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इनके नाम की लिस्ट भी जारी की गई है। इस लिस्ट में शामिल कई लोग हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं, जिनमें हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के सदस्य भी शामिल हैं।

चीनी अधिकारियों ने 35 लोगों को कार से कुचलने के आरोपी को दी फांसी

कोर्ट ने सुनाई थी मौत की सजा

बीजिंग, 20 जनवरी (एजेंसियां)। चीनी अधिकारियों ने 62 वर्षीय व्यक्ति को फांसी दे दी। पिछले साल एक स्टेडियम के बाहर व्यायाम कर रहे लोगों पर व्यक्ति ने अपनी कार चढ़ा दी थी, जिसमें 35 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 40 लोग घायल हुए थे। आरोपी फैन वेइकेउ तलाक के बाद संपत्ति बंटवारे से खुश नहीं था। कोर्ट द्वारा मौत की सजा सुनाने के एक महीने से भी कम समय में उसे फांसी दे दी गई। चीनी समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में बताया गया कि झुहाई इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने कानून के अनुसार खतरनाक तरीकों से सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने के अपराध के लिए फैन पर सार्वजनिक मुकदमा चलाया।

अदालत ने उसके मकसद को घृणित और उसके तरीके को क्रूर बताया। चीन में पिछले कुछ समय से सार्वजनिक हिंसा की घटनाओं में वृद्धि हुई है। सुरक्षा अधिकारी इन घटनाओं के लिए असंतुष्ट तत्वों को दोषी ठहराते हैं। पिछले साल जुलाई में मध्य चीन के हुनान प्रांत की राजधानी चांगशा में एक वाहन ने पैदल चलने वाले लोगों को कुचल दिया।

इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल भी हुए। इससे पहले पिछले साल सितंबर में चीन के पूर्वी प्रांत में एक बस ने छात्रों के एक समूह को कुचल दिया। हादसे में 11 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 13 घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, छात्र और अभिभावक सुबह 7 बजे के बाद ताइआन शहर के एक स्कूल के गेट पर इंतजार कर रहे थे, तभी बस ने उन्हें कुचल दिया।

अमेरिका में टिकटॉक फिलहाल बैन नहीं

कंपनी ने सर्विस रिस्टोर की

न्यूयॉर्क, 20 जनवरी (एजेंसियां)। चाइनीज शॉर्ट वीडियो ऐप टिकटॉक पर फिलहाल अमेरिका में बैन नहीं लग रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प ने शपथ ग्रहण से एक दिन पहले रविवार को अधिकारियों को टिकटॉक को और समय देने का आदेश दिया। दरअसल यूएस की फेडरल कोर्ट ने टिकटॉक को 19 जनवरी तक अपनी पेरेंट कंपनी बाइटडांस की हिस्सेदारी बेचने के लिए कहा था। जिसके बाद रविवार को अमेरिका में अधिकतर यूजर्स के फोन में एप ने काम करना बंद कर दिया था। रविवार को ही कुछ घंटो बाद टिकटॉक ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया। कंपनी ने लिखा- सर्विस को रिस्टोर किया जा रहा है। हम अमेरिका में टिकटॉक को बनाए रखने के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ मिलकर काम करेंगे।

17 जनवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून को मंजूरी दी थी। एपल हब ने बताया कि अमेरिकी एप स्टोर से टिकटॉक एप को रिमूव किया जा चुका था।

अमेरिका में टिकटॉक यूजर्स को एप खोलने पर ये मैसेज दिखाई दे रहा था - 'अमेरिका में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून लागू किया गया है। दुर्भाग्य से, इसका मतलब है कि आप अभी टिकटॉक का इस्तेमाल नहीं कर सकते। हम भाग्यशाली हैं कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने संकेत दिया है कि वह कार्यभार संभालने के बाद टिकटॉक को फिर से शुरू करने के सॉल्यूशन पर हमारे साथ काम करेंगे।' भारत में जून 2020 में टिकटॉक ऐप को बैन कर दिया गया था। भारत सरकार ने चीनी ऐप्स को देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए खतरा बताया था। भारत-चीन सीमा पर सैन्य झड़प के बाद भारत ने टिकटॉक सहित 59 चीनी ऐप्स पर बैन लगाया था। बैन से कुछ महीने पहले, भारत ने चाइनीज कंपनियों के निवेश पर भी प्रतिबंध लगाया था। भारत में अब तक 500 से ज्यादा चाइनीज ऐप्स पर प्रतिबंध लग चुका है। चाइनीज कंपनी के वीडियो ऐप टिकटॉप पर पोर्नोग्राफी को बढ़ावा देने के आरोप थे। इसके अलावा उस पर भारतीयों का डेटा चोरी करने के आरोप का भी सामना करना पड़ा था। सबसे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने इस पर बैन लगाया था। हाईकोर्ट से बैन होने के बाद बाइटडांस ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। उसने भी मद्रास हाईकोर्ट का ऑर्डर बहाल रखा था। भारत में बैन की वजह से इसकी पेरेंट कंपनी बाइटडांस को रोज 5 लाख डॉलर (3.50 करोड़ रुपए) का नुकसान हो रहा है। मद्रास हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया था कि टिकटॉक की डाउनलोडिंग पर रोक लगाई जाए, इससे पोर्नोग्राफी को बढ़ावा मिल रहा है।

छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर मुठभेड़, 2 नक्सली ढेर

एक जवान घायल, एयरलिफ्ट कर रायपुर भेजा गया, 3 आईईडी भी बरामद

गरियाबंद, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में मुठभेड़ में 2 नक्सली मारे गए हैं। दोनों के शव भी बरामद किए गए हैं। कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में सोमवार सुबह से रुक-रुककर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच फायरिंग जारी है। मौके से 3 आईईडी भी बरामद की गई है।

एनकाउंटर में कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हुआ है। घायल जवान को एयरलिफ्ट कर रायपुर लाया गया है। मामला मैनपुर थाना इलाके का है। मौके से एक एसएलआर हथियार भी बरामद किया गया। छत्तीसगढ़ और ओडिशा की ओर से जॉइंट ऑपरेशन चलाया गया था। इसमें 10 टीम एक साथ निकली थी। 3 टीम ओडिशा से, 2 टीम छत्तीसगढ़ पुलिस से और 5 सीआरपीएफ टीम इस ऑपरेशन में शामिल है। सुबह करीब 10.30 बजे से फायरिंग शुरू हुई। जवान क्षेत्र में सर्चिंग अभियान पर निकले थे, तभी नक्सलियों ने उन पर हमला किया। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मैनपुर पहुंच गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से भाटीगढ़ स्टेडियम को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, क्षेत्र में और भी नक्सली छिपे हो सकते हैं। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर 16 जनवरी को मुठभेड़ हुई थी। इसमें 18 नक्सली मारे गए। इनमें एससीएम (सेंट्रल कमेटी मेंबर) दामोदर भी मारा गया। दामोदर पर 50 लाख का इनाम घोषित था। फोर्स ने 12 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं, जिसमें 10 की पहचान कर ली गई है। मरने वालों में 5 महिला नक्सली भी शामिल हैं।

देवघर पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल

बाबा बैद्यनाथ के किए दर्शन, कहा- पशुपालन और आधुनिक खेती से बदलेगी किसानों की किस्मत

देवघर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी और पंचायती केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने सोमवार को देवघर में बाबा बैद्यनाथ के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि केवल परंपरागत खेती से किसानों की आय में वांछित वृद्धि संभव नहीं है। मंत्री ने बताया कि किसान मछली पालन, मुर्गी पालन, सुअर पालन और बत्तख पालन जैसी गतिविधियों को अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। साथ ही ड्रिप इरीगेशन का उपयोग कर पानी की बचत के साथ फूल-फलों की खेती, प्राकृतिक और जैविक खेती से भी अतिरिक्त आमदनी की जा सकती है।उन्होंने झारखंड के किसानों को वर्गीकृत कृत्रिम गर्भाधान का महत्व समझाते हुए कहा कि इससे 90% बछिया पैदा होने की संभावना रहती है, जबकि प्राकृतिक गर्भधारण में

भारतीय अमेरिकी सांसद ने बताया यूएस में हिंदुओं का प्रभाव

कहा- नई संसद में ऐसे चार सांसद होना बड़ी उपलब्धि

वॉशिंगटन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी संसद और राजनीति में बढ़ते भारतीयों और हिंदुओं के प्रभाव की भारतीय अमेरिकी सांसद ने सराहना की है। सांसद श्री थानेदार ने कहा कि नई अमेरिकी संसद में चार हिंदुओं का शामिल होना बड़ी उपलब्धि है। अमेरिका की राजनीति में छोटे धार्मिक समुदाय का शामिल होना मील का पत्थर है।

रविवार को प्रेसिडेंशियल इनॉगरेशन हिंदू गाला कार्यक्रम में भारतीय अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा कि यह दर्शाता है कि अमेरिका में हिंदू आ गए हैं। हिंदू समुदाय सूचना प्रौद्योगिकी, उच्च प्रौद्योगिकी, व्यवसाय और शिक्षा के मामले में शीर्ष पर हैं। लेकिन राजनीति में हिंदुओं ने उतनी भागीदारी नहीं की है। मगर अब हिंदू एकजुट हो रहे हैं। वे राजनीति में सक्रिय हो रहे हैं। वे न केवल

निर्वाचित कार्यालय तक पहुंच रहे हैं बल्कि वे मुख्यधारा की राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारतीय अमेरिकी हिंदू गठबंधन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्री थानेदार ने कहा कि अमेरिकी राजनीति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभी अल्पसंख्यकों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। अमेरिका की ताकत हमारी विविधता और हमारी एकता है। कार्यक्रम में अमेरिकी हिंदू गठबंधन के महासचिव आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि यह समारोह संयुक्त राज्य अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया है। यह समारोह देश में बढ़ते हिंदू प्रभाव को दिखाता है। ट्रंप के लिए प्रचार करने वाली अमेरिकी हिंदू गठबंधन की शोबाशालिनी चोकालिंगम ने कहा कि 47वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप का स्वागत करने के लिए लातीनी समुदाय के साथ देशभर के हिंदू एकत्र हुए हैं। सामुदायिक कार्यकर्ता नरसिम्हा कोप्पुला ने कहा कि यह हिंदुओं के लिए ऐतिहासिक है कि उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण की स्मृति में अपना अलग समारोह आयोजित किया है। नवंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव के बाद अमेरिकी संसद में चार हिंदू सांसद पहुंचे हैं। इसमें डेमोक्रेट थानेदार हैं।

भारत-अमेरिका संबंध केवल लेन-देन वाले नहीं रहने चाहिए- रिचर्ड वर्मा

वाशिंगटन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश विभाग के शीर्ष अधिकारी रिचर्ड वर्मा ने अमेरिका-भारत संबंधों के भविष्य के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों देशों के संबंध साझा मूल्यों पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के संबंध केवल लेन-देन पर आधारित नहीं होने चाहिए। विदेश विभाग में प्रबंधन और संसाधन मामलों के उप विदेश मंत्री वर्मा ने कहा कि वह अमेरिका और भारत के बीच मतभेदों को लेकर चिंतित नहीं हैं, क्योंकि वे संबंधों को और अधिक गतिशील बनाते हैं।

पद छोड़ने की तैयारी कर रहे वर्मा ने शुक्रवार को एक साक्षात्कार में कहा, 'मैं नहीं चाहता कि यह ऐसा लेन-देन वाला संबंध बन जाए, जिसमें हम केवल चीजें बेचना चाहते हों या आप चीजें खरीदना चाहते हैं।' रिचर्ड वर्मा पहले भारत में अमेरिका के राजदूत भी रह चुके हैं। बाइडन का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही रिचर्ड वर्मा का कार्यकाल भी समाप्त हो जाएगा। वर्मा बीते ढाई दशकों से भारत-अमेरिका संबंधों में एक अहम योगदानकर्ता रहे हैं।

वृद्ध आश्रम में आग लगने से आठ की मौत

वाशिंगटन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सर्बिया में एक वृद्ध आश्रम में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई।
घटना सोमवार सुबह की है, जब राजधानी बेलग्राड के बाहरी इलाके में स्थित एक वृद्धआश्रम में आग लग गई।
हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और सात लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

झांसी में दरोगा-सिपाही ने एक दूसरे पर लात-घूसे बरसाए

एसएसपी ऑफिस में कहासुनी, दरोगा सिपाही से बोला-अपने आपको कप्तान समझता है

झांसी, 20 जनवरी (एजेंसियां)। झांसी में दरोगा-सिपाही के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। दोनों ने एक-दूसरे पर जमकर लात-घूसे बरसाए। इस बीच साथी पुलिसकर्मियों ने दोनों को छुड़ाने की काफी कोशिश की। लेकिन छुड़ाने के बाद भी बार-बार दोनों एक-दूसरे से भिड़ते रहे। घटना सोमवार दोपहर एक बजे एसएसपी ऑफिस की है।

दरोगा की सिपाही की पत्नी का ट्रांसफर हो गया था। इसी को लेकर हुए विवाद में आज बहस हो गई। देखते-देखते बहस इतनी

बढ़ गई कि दोनों अपना आपा खो बैठे। एक-दूसरे को पकड़ लिया। फिर मारपीट शुरू कर दी। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने किसी तरह मामला शांत कराया। पुलिस अफसर पूरे मामले में जांच की बात कह रहे हैं। दरोगा संदीप यादव बांदा जीआरपी में तैनात है, जबकि सिपाही अनुज यादव एसएसपी की रीडर ब्रांच (बड़ी पेशी) में तैनात हैं। दरोगा की पत्नी अंजू यादव झांसी में सिपाही है। शहर क्षेत्र में साढ़े 3 साल का कार्यकाल पूरा होने पर पिछले दिनों उसका मऊरानीपुर ट्रांसफर हो गया था। दरोगा चाहता था कि पत्नी का ट्रांसफर दोबारा से शहर क्षेत्र में हो गए। दरोगा और सिपाही पुलिस लाइन में एक-दूसरे के पड़ोसी हैं। इसलिए दरोगा ने सिपाही से पत्नी के ट्रांसफर के संबंध में बातचीत की थी।

पत्नी के ट्रांसफर को लेकर ही विवाद हो गया। दरोगा का सिपाही पर गंभीर आरोप लगाते हुए एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें वह आरोप लगाते हुए कह रहा है कि "सिपाही ने एसएसपी सुधा मैडम के समय अनावश्यक फाइलें खुलवाईं।

प्रेमानंदजी संभल डीएम से बोले-बिना डरे अपना काम करें

आप महात्मा हैं, एक भक्त ने पूछा- मुझे लड़के अच्छे लगते हैं

मथुरा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मथुरा-वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज से संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पेंसिया मिलने पहुंचे। वृंदावन स्थित राधा केली कुंज के दरबार में डीएम ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। महाराज ने उन्हें कर्तव्य का पाठ पढ़ाया। उन्हें बिना डरे और निष्पक्ष होकर प्रशासनिक कर्तव्यों का पालन करने का भी मंत्र दिया।

प्रेमानंद महाराज ने डीएम से कहा- भगवान की कृपा से ही सेवा मिलती है। जब भागवत कृपा से यह सेवा मिली है, तो इसका निर्वहन करते रहना है। लालच से प्रभावित नहीं होना है और न ही डरना है। अपने अधिकार के अनुसार देश की सेवा करनी है। भगवान का स्मरण करते हुए ही जीवन जीना है, क्योंकि जीवन का लक्ष्य भगवान की प्राप्ति है।

प्रेमानंद महाराज ने डीएम को समझाया कि लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें भजन करना है। आपको जिला संभालने का मौका मिला है। सेवाएं भले ही अलग-अलग हैं, लेकिन इनाम दोनों को एक ही मिलेगा। आपको जिलाधिकारी का पद मिला है। इसलिए अगर आप ईमानदारी और सत्य के भाव से नाम जपते हैं, तो आप एक महात्मा है।

उन्होंने संभल डीएम को अर्जुन का उदाहरण दिया। कहा- अर्जुन कहते हैं कि संन्यास लेकर भगवान के भजन करूंगा, लेकिन भगवान उन्हें मना करते हैं। भगवान कहते हैं कि इस समय धर्मयुद्ध चल रहा है और यही कर्तव्य है। आप अपने कर्तव्य का पालन करते हुए और नाम का जाप करते हुए केवल यह देखिए कि आपसे अपने कर्तव्य में गलती नहीं होनी चाहिए। इस सोच से देश की सेवा भी हो जाएगी। साथ ही आप एक उत्तम अधिकारी भी माने जाएंगे। यह भगवान की सेवा भी मानी जाएगी।

डीएम ने प्रेमानंद महाराज से कहा कि हम चाय नहीं पीते और ना ही हमारे घर में कोई लहसुन-प्याज खाता है। इस पर महाराज ने कहा- इसीलिए आप साधु-संतों की शरण में आए हैं। संभल डीएम ने बताया कि वह हर दिन गीता का पाठ करते हैं। हर दिन 1 घंटे से ज्यादा पूजा करते हैं।

इस बीच प्रेमानंद महाराज से एक भक्त ने अनोखा सवाल किया। उसने कहा- मेरा लड़कियों की जगह लड़कों के प्रति आकर्षण हैं।

लेकिन, मेरे माता-पिता लड़की के साथ मेरी शादी करवाना चाहते हैं। ऐसे में मैं क्या करूं?

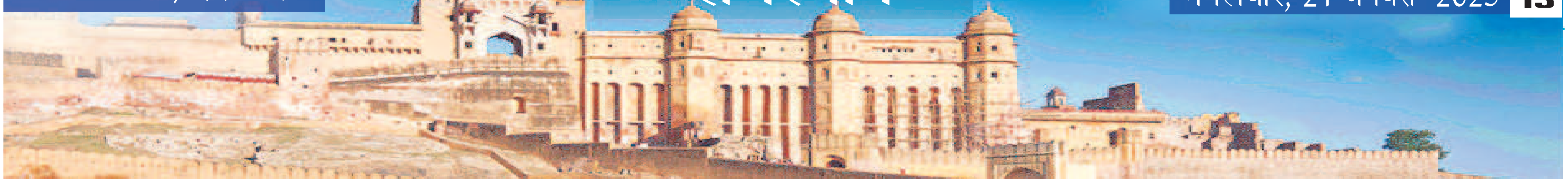

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को क्राइम ब्रांच भेजेगा नोटिस, पूर्व ओएसडी लोकेश शर्मा का दावा

टोंक, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व ओएसडी लोकेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश ही नहीं पूरे देश को यह जानकारी है कि जुलाई 2020 में यह घटना घटी थी। जब राजस्थान में साल 2020 में सियासी संकट आया था, उस समय यह घटना हुई थी। लोकेश शर्मा ने कहा है कि न तो मैं फोन टैपिंग कर सकता था न हीं उसमें मैं शामिल था।

फोन टैपिंग के लिए मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक सहित कई स्तरों पर स्वीकृति लेनी होती है। उस समय पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ही अपनी सरकार को बचाने के लिए यह सब कुछ किया। मुझे तो एक पेन ड्राइव दिया गया और उसके ऑडियो और वीडियो मीडिया तक पहुंचाने के निर्देश दिए थे। मैं उस समय ओएसडी की जिम्मेदारी निभा रहा था, मुझे जो निर्देश दिए गए मुझे उसकी अनुपालना करनी थी। जब पूर्व केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। कांग्रेस की सरकार ने अपने तरीके से पूरे पांच कार्यकाल के किए। मुख्यमंत्री अपनी सरकार को बचाने में कामयाब रहे।

उन्होंने कहा कि मुझे यह विश्वास दिलाया गया था कि आपको कुछ होने नहीं दिया जाएगा, लेकिन जब 2023 के विधानसभा चुनाव हुए और कांग्रेस पार्टी को हार मिली तो पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुझे छोड़ दिया। चुनावों से पहले मुझसे यह भी कहा गया था कि चिंता मत कीजिए, सुप्रीम कोर्ट तक मदद करेंगे लेकिन अधरझूल में मुझे छोड़ दिया।

उन्होंने आगे कहा कि मैं लंबे समय करीब तीन सालों से दिल्ली की क्राइम ब्रांच के चक्कर काट रहा हूं। उन्होंने ने तो चुनाव नतीजे विपरीत आते ही अपने आपको मामले से अलग कर लिया, फिर अपने आपको बचाने के लिए मेरे लिए यह आवश्यक हो गया कि जिस काम को मैंने किया ही नहीं उसके लिए मैं अपने आपको दौषी क्यों बनाऊ, क्यों मेरा परिवार प्रताड़ित हो, क्यों मैं परेशान होता रहूं।

क्योंकि पिछले तीन सालों से मैं दिल्ली मैं जा जाकर क्राइम ब्रांच के सवालों के जवाब देता रहा हूं और हर बार जो मुझसे यहां से कहकर भेजा जाता था। वहीं मैं वहां जाकर कहता था। अब सारी चीजें स्पष्ट हो चुकी है। जो काम मैंने नहीं किया, मैंने मय सबूतों के सारा कुछ क्राइम ब्रांच को सौंप दिया है, मेरा इस पूरे प्रकरण से कोई लेना देना नहीं है।

डोटासरा बोले बीजेपी में नया मॉडल चल रहा पपेट बैठाओ, दिल्ली से सरकार चलाओ

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में कांग्रेस सेवादल की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक हुई। पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस बैठक में भजनलाल सरकार पर जमकर हमला बोला।

पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भजनलाल सरकार पर जमकर हमला बोला। राजधानी जयपुर में कांग्रेस सेवादल की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आजकल बीजेपी में नया मॉडल चल रहा है। कोई भी पपेट बैठाओ, उसे सत्ता सौंप दो और दिल्ली से सरकार चलाओ। पर्ची भेजो, आंख बंद करके अगला साइन करें और पर्ची के मुताबिक काम करें।

उन्होंने कहा कि जिसको पता ही नहीं कि मैं एमएलए भी बनूंगा, उसको आप प्रदेश दे देंगे। फिर उसको आजादी के साथ काम करने नहीं देंगे तो उसका खामियाजा वो पार्टी नहीं, बल्कि प्रदेश और देश भुगतेगा। डोटासरा ने कहा कि यह मॉडल देश, प्रदेश और लोगों के लिए खतरनाक है। कम से कम आप जिस आधार पर वोट मांग रहे हो, जनता में जा रहे हो। उसको यह बताओ कि हमारे यह 4-5 प्रमुख नेता हैं। इनमें से हम किसी एक को नेतृत्व देंगे। आप एक नहीं बता सकते तो आप दो-तीन बता दो।

डोटासरा ने तंज कसते हुए कहा अभी जो राजस्थान में सरकार चल रही है। उसका नमूना मैं आपको बताता हूं। सारे के सारे लोग इस काम में लगे हैं कि कब पद चला जाए। जो लूटना है, लूट लो। जो कमाना है कमा लो। कोई कह रहा है तेरी छुट्टी होगी। कोई कह रहा है तेरी छुट्टी होगी। कोई कह रहा मुख्यमंत्री की छुट्टी होगी। भाई प्रदेश की जनता ने 5 साल के लिए बीजेपी को सत्ता सौंपी है। आप कैसे विकास का काम करो, कैसे अच्छा शासन दे सको, कैसे अपराध रोक सको। इस दिशा में आपको चलना पड़ेगा।

राजस्थान में हाल में हुए कर्मचारियों के तबादलों को लेकर डोटासरा बोले

एक कर्मचारी की तीन-तीन जगह पर्ची कट गई ।सत्ता में आने से पहले बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में लिखा था कि हम 100 दिन में पारदर्शी स्थानांतरण नीति बनाएंगे। अब तो 365 दिन से भी ज्यादा हो गए। पारदर्शी स्थानांतरण नीति तो बनी नहीं उल्टा लूटो, खोसो, खाओ, पकड़ो लाओ, पर्ची काटो चल रहा है।

45,537 गांव 29 जनवरी को रहेंगे बंद! शहरों में नहीं पहुंचेगा दूध, सब्जी और फल

करौली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। करौली जिले के हिण्डौन सिटी में खेत को पानी और फसल को उचित दाम दिलाने की मुहिम चला रही किसान महापंचायत के तत्वावधान में गत दिवस जाट छात्रावास में राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट की अध्यक्षता में किसानों की बैठक हुई। जिसमें महापंचायत की ओर से 29 जनवरी को किए जा रहे गांव बंद आंदोलन की तैयारियों पर चर्चा की।

जाट ने बताया कि राजस्थान में गांव बंद आंदोलन के तहत गांव के उत्पादन को गांव में ही विक्रय करने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। गांव का व्यक्ति गांव से बाहर नहीं जाएगा। अभी तक किसान आंदोलनों में लड़ाई के लिए खेत खलिहानों को छोड़ बाहर जाना पड़ता है। इस आंदोलन में गांव का व्यक्ति गांव में ही रह कर अपनी मांगों के लिए आवाज बुलंद करेगा।

इस आंदोलन में राजस्थान के 45,537 गांवों को जोड़ने की योजना है। किसी को गांव का कोई उत्पाद खरीदना होगा तो उसे गांव में आकर खरीदना होगा। उन्होंने कहा कि पहले एक दिन का आंदोलन किया जाएगा। बाद में इस आगे बड़े स्तर पर किया जाएगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि खेत को पानी के लिए सिंचाई परियोजनाएं प्राथमिकता से बनाने व फसल को दाम के लिए खराबे की क्षतिपूर्ति के साथ एमएसपी खरीद की गारंटी कानून बनाने की मांग है। जन-जागरण के प्रथम चरण में 20 जिलों में सम्पर्क किया था। दूसरे चरण में करौली सहित 18 जिलों में किसानों से सम्पर्क किया जा रहा है।

इसमें किसान महापंचायत के युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी एवं प्रदेश मंत्री बत्ती लाल बैरवा भी साथ हैं। इस अवसर पर जाट महासभा जिलाध्यक्ष विजय सिंह डागुर, अमरसिंह बेनीवाल, वीरेंद्र सिंह तेवतिया, तेज सिंह डागुर, महेंद्र सिंह चौधरी आदि मौजूद रहे।

सीएम भजनलाल के महाकुंभ जाने पर बेनीवाल के बिगड़े बोल

जहां-जहां पैर पड़े, वहां-वहां बंटाधार

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मानो पीछे ही पड़े हैं। बेनीवाल भजनलाल को कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। प्रयागराज महाकुंभ में अग्निकांड के बाद बेनीवाल ने इस हादसे से भी भजनलाल को जोड़ दिया। बता दें कि सांसद बेनीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जब भजनलाल राजस्थान के लिए अशुभ हैं, तो उत्तर प्रदेश के लिए कैसे शुभ हो सकते हैं। इससे पहले भी बेनीवाल ने भजनलाल को राजस्थान के लिए अशुभ बताया था। इधर, बीजेपी बेनीवाल के बयान पर भड़क गई है। दरअसल, राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा प्रयागराज महाकुंभ में गए थे। जहां उन्होंने स्नान भी किया। इस दौरान शाम को वहां अग्निकांड हुआ। इसको सीएम से जोड़ते हुए बेनीवाल ने सोशल मीडिया पर लिखते हुए बड़ा हमला किया। उन्होंने लिखा, जहां-जहां पर पैर पड़े भजन के, वहां-वहां बंटाधार। प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र में कई शिविरों में आग लगने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसे संयोग कहे या दुर्योग, क्योंकि हम पहले ही कह चुके हैं कि भजनलाल राजस्थान के लिए अशुभ है, तो उत्तर प्रदेश के लिए कैसे शुभ हो सकते हैं? बेनीवाल के इस बयान से जमकर सियासी हलचल मच गई है। महाकुंभ में आग से पंडाल जले

बताते चलें, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेला आयोजित हो रहा है। इस दौरान गैस सिलेंडर फटने से आग लग गई।

इससे करीब 50 पंडाल जल गए। हालांकि, इस हादसे कोई जनहानि नहीं हुई। लेकिन सिलेंडर ब्लास्ट होने से मेला क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई थी। इस दौरान मेला क्षेत्र में 100 वर्ग मीटर से भी अधिक एरिया में आग फैल गई और करीब 30 फीट ऊंची लपटें दिखाई देने लगी।

एमएनआइटी हॉस्टल में छात्रा ने छत से कूदकर किया सुसाइड

छात्राओं में दहशत का माहौल

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर में जेएलएन मार्ग स्थित मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआइटी) स्थित हॉस्टल की छत से कूदकर एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका। पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

पाली की रहने वाली थी लड़की

जयपुरिया अस्पताल की सूचना पर मालवीय नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल के मुर्दाघर में पोस्टमार्टम के लिए रखवाया। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या करने वाली छात्रा दिव्या राज पाली निवासी थी। वह एमएनआइटी में प्रथम वर्ष में पढ़ाई कर रही थी।

परिजन के आने पर पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। घटना रात 11:30 की बताई जा रही है। मामले में अन्य छात्राओं से भी पूछताछ की जा रही है। छात्रा के मोबाइल की कॉल डिटेल व मैसेज की तस्दीक की जा रही है।

छात्राओं और स्टाफ से पूछताछ

पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने आखिरी बार किससे बात की थी। हॉस्टल की अन्य छात्राओं और स्टाफ से भी पूछताछ की जा रही है। शायद इससे कुछ सुराग मिल जाएं। घटना के बाद से हॉस्टल में रह रही छात्राओं में दहशत का माहौल है।

स्ट्रेचर नहीं मिला तो अस्पताल के अंदर दौड़ाई बाइक

मरीज को दूसरे वार्ड में ले गए परिजन

दौसा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जिला अस्पताल में भले ही चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार का दावा किया जाता है, लेकिन व्यवस्थाओं में सुधार नजर नहीं आ रहा है। दौसा जिले के सरकारी अस्पताल में कुछ ऐसा ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है।

दरअसल, पीठ दर्द से पीड़ित मरीज मीरा गुर्जर निवासी भांडारेज इमरजेंसी यूनिट में भर्ती हुई। यूनिट में उसे आराम नहीं मिला तो इमरजेंसी के चिकित्सक ने मरीज को हड्डी विभाग में ले जाने के बाद कही।

ट्रॉली नहीं मिली तो मरीज को बाइक पर बैठाया

मरीज को इमरजेंसी यूनिट से ट्रॉली नहीं मिली तो परिजनों को मजबूरी में बाइक पर बैठाकर हड्डी यूनिट में ले जाना पड़ा। मरीज के एक परिजन ने बाइक चलाई और एक अन्य महिला पीछे बैठ गई।

अस्पताल की व्यवस्था पर खड़े हुए सवाल

बीच में मरीज को बीच में बैठाया गया, जिसके हाथ में कैनुला लगा हुआ था। ड्रिप की बोतल मरीज की परिजन ने पकड़ रखी थी। ऐसे में अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए।

इस मामले में पीएमओ डॉ. आरके मीना ने बताया कि मरीज को स्ट्रेचर क्यों नहीं मिला, इसकी जांच कराई जाएगी। इमरजेंसी यूनिट में गाड्र्स की संख्या भी बढ़ाई जाएगी।

पंचायतों की पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू

चार महीने में बदलेंगे गांवों के नक्शे

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में ग्राम पंचायत और पंचायत समितियों के पुनर्गठन, पुनर्सीमांकन की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। अगले चार महीनों तक यह प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद नई ग्राम पंचायत और पंचायत समितियां अस्तित्व में आएंगी। प्रशासनिक से ज्यादा यह मुद्दा राजनीतिक भी है। क्योंकि पंचातयों का पुनर्गठन सीधे-सीधे जन प्रतिनिधियों को भी प्रभावित करेगा। ऐसे में पंच, सरपंच और विधायक से लेकर सांसद तक इस प्रक्रिया को लेकर अपने फायदे-नुकसान का हिसाब किताब बैठा रहे हैं।

पंचायतों के पुनर्गठन की प्रक्रिया इससे पहले 2013 में आई वसुंधरा राजे की सरकार में भी किया गया था। तत्कालीन पंचायती राज मंत्री गुलाबचंद कटारिया की अध्यक्षता में बनाई गई मंत्रिमंडल समिति की सिफारिशों पर प्रदेश में करीब 1200 नई पंचायतें और 50 नई पंचायत समतियां गठित की गई थीं।अब मौजूदा समय में पंचायतों की संख्या 11304, पंचायत समिति 352 तथा 33 जिला परिषद हैं।

ग्राम पंचायतों एवं पंचायत समितियों के पुनर्गठन, पुनर्सीमांकन, नवसृजन के लिए वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। साल 2011 के अनुसार, जिले में ग्रामीण क्षेत्र की जनसंख्या 11 लाख तीन हजार 603 थी। इस हिसाब से जिले में करीब 270 से अधिक ग्राम पंचायतें बन सकती हैं।

नई ग्राम पंचायत के लिए कम से कम तीन हजार एवं अधिक से अधिक पांच हजार 500 जनसंख्या के आधार पर ग्राम पंचायत बनाया जाना है। जबकि पूर्व में हुए पुनर्गठन में अनुसूचित, सहरिया और मरुस्थलीय क्षेत्रों को छोड़कर बाकी पूरा प्रदेश में एक ग्राम पंचायत के लिए न्यूनतम 5,000 और अधिकतम 7,500 आबादी का मापदंड रखा गया था। जानकारी के अनुसार, 20 जनवरी से लेकर 15 अप्रैल के बीच पंचायती राज संस्थाओं के पुनर्गठन का काम होगा।

आरोपियों से परेशान रेप पीड़िता ने मौत को लगाया गले

केस वापस लेने का दबाव बना रहे थे आरोपी

भरतपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भरतपुर से दिलदहलाने वाला मामला सामने आया है। दुष्कर्म पीड़िता ने अवसाद में आकर देर रात मौत को गले लगा लिया। वहीं आरोपी बेखौफ खुलेआम घूम रहे हैं। उच्चैन थाना इलाके में बदमाशों ने महिला के साथ दुष्कर्म किया था। इसकी शिकायत संबंधित थाने में की गई। पीड़िता के पति का आरोप है कि आरोपी उसकी पत्नी पर केस वापस लेने का दबाव बना रहे थे। आज पीड़िता के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पुलिस के अनुसार मृतका के पति ने बताया कि वह मजदूरी करने गया था, जबकि परिजन नींव के मुहूर्त में गए थे। घर पर उसकी पत्नी अकेली थी। इस दौरान आरोपी महिला के पास आए और उस पर दुष्कर्म का मामला वापस लेने के लिए दबाव बनाने लगे।

इसके बाद तनाव में आकर उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। मृतका के पति ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसकी पत्नी को धमकी दी थी कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती और उनके पास अश्लील वीडियो व फोटो हैं। शनिवार को तीनों आरोपी विवाह समारोह में भी आए थे और पत्नी से अपमानजनक तरीके से बात की थी।

अब तक एक आरोपी को दबोचा, तीन फरार

रेप पीड़िता की आत्महत्या की सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची। थानाप्रभारी गिरिराज प्रसाद ने बताया कि मृतका के पति ने दुष्कर्म के आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया है। मामले में तीन आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, जबकि एक आरोपी को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भीषण हादसा, सब्जी लेकर आ रहे 2 लोगों की मौत, 4 की हालत गंभीर

नागौर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कोहरे के चलते सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे है। ताजा मामला नागौर जिले का है। जहां आज सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, चार लोग घायल हो गए। जिनमें से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक नागौर में राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर बड़माता मंदिर के पास सुबह करीब 9 बजे सड़क हादसा हुआ। कोहरे की वजह से सड़क पर साफ नहीं दिखाई दे रहा था। ऐसे में लोडिंग जीप व ट्रक में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग छूटा। हादसा इतना जबर्दस्त था कि लोडिंग जीप के परखच्चे उड़ गए। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से मूंडवा सीएचसी ले जाया गया। जहां से सभी को नागौर रैफर कर दिया। घायलों में से तीन की हालत ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। हादसे के शिकार लोग लोडिंग जीप से नागौर से सब्जी लेकर कुचेरा की तरफ जा रहे थे। तभी मारवाड़ मूंडवा में बीकानेर-अजमेर नेशनल हाईवे-58 पर सामने से आ रहे ट्रक ने जीप को टक्कर मार दी। हादसे के वक्त लोडिंग जीप में ड्राइवर सहित 6 लोग सवार थे। हादसे में लोडिंग जीप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चालक भी जीप में फंस गया। जिसे क्रेन की मदद से करीब आधे घंटे बाद बाहर निकाला जा सका। हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे करवाकर यातायात सुचारू करवाया।

बारहवीं कक्षा की छात्रा का अपहरण कर हुआ था सामूहिक दुष्कर्म, पुलिस ने मामला दर्ज किया

दौसा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। दौसा जिले के बालाहेड़ी थाने में एक नाबालिग से दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ है। बताया जा रहा है कि नाबालिग 12वीं क्लास की छात्रा है, जिसके साथ उसी के गांव के चार लोगों ने दुष्कर्म किया। दौसा में अपराध लगातार पैर पसार रहा है, जिसके चलते महिला अपराध में लगातार बढ़ोतरी भी होती जा रही है। ताजा मामला दौसा के बालाहेड़ी थाना इलाके का है। जहां 19 जनवरी को थाना इलाके की एक नाबालिग लड़की ने उसके साथ दुष्कर्म होने का मामला दर्ज करवाया है। बालाहेड़ी थाना अधिकारी भगवान सहाय ने बताया कि नाबालिग छात्रा को उसी के गांव के चार लोग अगवा करके साथ ले गए और सामूहिक दुष्कर्म किया, जिसकी रिपोर्ट दर्जकर आगे कार्रवाई शुरू कर रही है। उधर, बालाजी थाना अधिकारी भगवान सहाय ने बताया कि नाबालिग छात्रा के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया है कि वह 18 तारीख को पड़ोसी के साथ शादी में कहीं गए हुए थे। इसके बाद रात लगभग 11 बजे के आसपास शादी से लौटे तो उन्हें उनकी बेटी घर नहीं मिली। इधर, बेटी के घर नहीं मिलने से परेशान परिजनों ने नाबालिग बेटी को ढूंढने का प्रयास किया तो पता चला कि उसी के गांव के चार लड़के उस लड़की को अगवा कर खेत में ले गए हैं। जब परिजन खेतों में पहुंचे, तब गांव के चारों लड़के नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म कर रहे थे।

उधर, परिजनों को देखकर चारों लड़के मौके से मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गए। इसके बाद नाबालिग छात्रा के परिजनों ने बीते कल बालाहेड़ी थाने पर नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। अब पुलिस में रिपोर्ट दर्जकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। ध्यान रहे दौसा जिले में अपराधियों के मन से लगातार पुलिस का भाई खत्म होता नजर आ रहा है। जबकि पुलिस अपराध की कमर तोड़ने के लगातार प्रयास कर रही है।

जाम हो गया एंबुलेंस का दरवाजा

अस्पताल के बाहर ही हो गई महिला की मौत, शीशा तोड़कर शव बाहर निकाला

भीलवाड़ा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में प्रतापनगर थाने इलाके के जवाहर नगर में मरीज को लेकर अस्पताल पहुंची एंबुलेंस का गेट 15 मिनट तक नहीं खुला। परिजनों ने शीशा तोड़कर महिला को बाहर निकाला। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। प्रतापनगर और भीमगंज थाने में एंबुलेंस कर्मचारियों पर लापरवाही का केस दर्ज किया गया है।

बता दें कि जवाहर नगर में चर्च के पास रहने वाले गौरव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वे किराए के मकान में रहते हैं। उनकी मां सुलेखा बीमार रहती है। मां ने फंदा लगा लिया था। अचानक वो कमरे में पहुंच गए और फंदे को काटकर मां को उतारा। उस दौरान उनकी सांसें चल रही थीं। तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई। अस्पताल के बाहर 15 मिनट तक एंबुलेंस का गेट ही नहीं खुला। शीशा तोड़कर मां को निकाला, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

गौरव ने आगे बताया कि एंबुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर पूरी तरह से काम नहीं कर रहा था। इधर, ड्राइवर रास्ता भूल गया और फिर जब हम किसी तरह अस्पताल पहुंचे तो गेट लॉक हो गया। इस सब में 15 मिनट बीत गए। देरी के चलते मां की मौत हो गई। दीवान भंवरलाल जिला अस्पताल पहुंचे। पोस्टमॉर्टम करवाकर शव का परिजनों को सौंपा। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल, एंबुलेंसकर्मियों पर केस दर्ज किया गया है।

सभी पात्रों के लिए राशन कार्ड, इंदिराम्मा मकान : मंत्री

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राशन कार्ड उन सभी को जारी किए जाएंगे जो पात्र हैं, और राशन कार्ड जारी करना, इंदिराम्मा आवास योजना एक सतत प्रक्रिया होगी। अंतिम लाभार्थी तक राशन कार्ड प्रदान किया जाएगा।

मंत्री ने जीएचएमसी आयुक्त, हैदराबाद के जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, राशनिंग अधिकारी के साथ सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में उप महापौर श्रीलता शोभन रेड्डी के साथ जीएचएमसी हैदराबाद शहर की सीमा में राशन कार्ड और इंदिराम्मा हाउस सर्वेक्षण की प्रगति की समीक्षा की और जिला आपूर्ति अधिकारी, जोनल को निर्देश दिया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि इंदिराम्मा के घरों और राशन कार्डों को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। यह स्पष्ट किया गया है कि उन सभी लोगों को राशन कार्ड दिए जाएंगे जो पात्र हैं। उन्होंने कहा कि हम कोशिश कर रहे हैं कि जिनके पास घर है उन्हें भी इंदिराम्मा घर उपलब्ध कराया जाए और जिनके पास घर नहीं है उन्हें भी।

जिन लोगों ने अब तक राशन कार्ड के लिए आवेदन नहीं किया है, वे वार्ड परिषदों में आवेदन कर सकते हैं, वार्ड परिषदों के साथ-साथ पूर्व में लोक प्रशासन सेवा केंद्रों में प्राप्त आवेदनों को स्वीकार कर लिया गया है। मंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया कि जो भी पात्र हैं, उन्हें राशन कार्ड दिये जायेंगे। मंत्री ने स्पष्ट किया कि राशन कार्ड की मंजूरी के लिए आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी।

मैदानी स्तर पर लोगों को स्पष्ट रूप से जागरूक किया जाए। सभी अधिकारियों को एक टीम के रूप में काम कर सरकार का नाम रोशन करने को कहा गया। कार्यक्रम में जीएचएमसी कमिश्नर इलांबर्ती, हैदराबाद के जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी, जोनल कमिश्नर हेमंत केशव पाटिल, अनुराग जयंती, अपूर्व चौहान, वेंकन्ना, उपेंदर रेड्डी, रवि किरण, एडिशनल कमिश्नर अलिवेलु मंगा थयारू, शिवकुमार मौजूद रहे। नायुडू, संबंधित अधिकारियों, राजस्व मंडल अधिकारियों और अन्य ने भाग लिया।

दुर्घटना में दंपत्ति की मौत, बच्चे घायल

संगारेड्डी, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पठानचेरूवु निवासी एक दम्पति की सोमवार को अन्नामय्या जिले के रेलवे कोडुर में एक निजी बस द्वारा कार को टक्कर मारने से मौत हो गई। सड़क दुर्घटना में दंपति के तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों बच्चों में सबसे बड़े की हालत गंभीर बताई जा रही है। दंपति संदीप शाह (45) और उनकी पत्नी अंजलि देवी (40) तिरुपति की तीर्थ यात्रा पर गए थे। यह हादसा उस समय हुआ जब वे पठानचेरूवु वापस लौट रहे थे। शाह उत्तर भारतीय कल्याण संघ, पठानचेरूवु के अध्यक्ष भी थे। चूंकि वे पठानचेरूवु के विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी के साथ भी आते-जाते थे, इसलिए विधायक ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को शोक संदेश भेजा। रेड्डी ने अपने भाई मधुसूदन रेड्डी को भी बच्चों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए रेलवे कोडुर भेजा।

नैनी ब्लॉक से कोयला उत्पादन मार्च से शुरू होगा : भट्टी विक्रमार्क

कोणार्क/हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की है कि इस वर्ष मार्च से नैनी ब्लॉक से कोयला उत्पादन शुरू हो जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने सोमवार को ओडिशा के कोणार्क में आयोजित तीसरे राष्ट्रीय खनन मंत्रियों के सम्मेलन के अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी को यह जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने ओडिशा के मुख्यमंत्री को इस संबंध में एक पत्र सौंपा, जिसमें ओडिशा के अंगुल जिले में नैनी कोयला खदान की स्थापना के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा प्रदान किए गए उत्कृष्ट सहयोग के लिए तेलंगाना सरकार की ओर से गहरा आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि चूंकि नैनी एक कैप्टिव ब्लॉक है, इसलिए कोयला खदान से उत्पादित कोयले की आपूर्ति तेलंगाना राज्य के मंचेरियल जिले के जयपुर में 800 मेगावाट सिंगरेनी थर्मल पावर प्लांट को की जानी चाहिए।

जयपुर बिजली संयंत्र नैनी खदान से लगभग 1,000 किलोमीटर दूर स्थित है, जो कई रसद चुनौतियों का सामना करता है। इस संदर्भ में, सिंगरेनी कोलियरीज ओडिशा में नैनी कोयला खदान के पास एक पिट हेड ओवर प्लांट के रूप में 1600 मेगावाट की ताप विद्युत परियोजना स्थापित करने की योजना बना रही है। भट्टी विक्रमार्क ने खुलासा किया कि इससे न केवल उत्पादन की लागत कम होगी, बल्कि उत्पादित कोयले का लाभदायक उपयोग भी संभव होगा। उन्होंने कहा कि नैनी ब्लॉक में कोयला उत्पादन दोनों राज्यों के लिए बहुत फायदेमंद है, इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे और सकारात्मक बुनियादी ढांचा विकास होगा। बैठक में केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी भी मौजूद थे।

जीएचएमसी महापौर ने वादा पूरा किया

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद के क्षेत्र स्तरीय दौरे के हिस्से के रूप में, मेयर ने थोड़े समय के भीतर जनता से किए गए अपने वादों को पूरा किया। पिछले शनिवार (18 जनवरी) को मेयर स्थानीय नगरसेवक मन्ने कविता रेड्डी, खैरताबाद के विधायक दान नागेंदर के साथ जोनल कमिश्नर इंजीनियरिंग और डिप्टी कमिश्नरों ने कई कॉलोनियों का दौरा किया और लोगों से प्राप्त शिकायतों का तुरंत समाधान किया। कॉलोनी के रहवासियों ने शिकायत की कि वेंकटेश्वर नगर वार्ड के प्रताप नगर में बाय लाइन पर सड़कें खराब हैं। सड़कों की हालत खुद देखकर मेयर ने तीन दिन (20 जनवरी, सोमवार) में सभी बाइलाइनों पर सीसी रोड निर्माण कार्य का शिलान्यास करने का वादा किया। इस मौके पर मेयर ने कहा कि वेंकटेश्वर नगर डिवीजन में उनके डिवीजन से ज्यादा काम स्वीकृत किये गये हैं. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जीएचएमसी को दिए गए वित्तीय प्रोत्साहन से शहर में लोगों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने का एक बड़ा प्रयास किया गया है।

करोड़ों महिलाओं को करोड़पति बनाने की सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के संदर्भ में मेयर ने सुझाव दिया कि महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जुड़ना चाहिए. उन्होंने कहा कि जीएचएमसी ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक योजना तैयार की है। उन्होंने कहा कि बड़े क्षेत्र में बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं।

गदवाल में मिर्च किसान ने की आत्महत्या

जोगुलम्बा गदवाल, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मानवपाडु गांव में सोमवार को एक 32 वर्षीय मिर्च किसान की कथित तौर पर आत्महत्या कर ली गई। बी शेखर रेड्डी आजीविका चलाने के लिए फसल उगा रहे थे और कहा जाता है कि पिछली कुछ फसलों से उन्हें भारी नुकसान हुआ है। नतीजतन, उन पर कर्ज बढ़ता जा रहा था। हालांकि, शेखर रेड्डी ने उम्मीद नहीं खोई और इस सीजन में मिर्च की खेती करके अपना सारा कर्ज चुका दिया। हालांकि, पर्याप्त सिंचाई की कमी और फसल में कीटों के संक्रमण के कारण उन्हें फिर से नुकसान उठाना पड़ा। बढ़ते कर्ज से परेशान शेखर रेड्डी ने अपने खेत में कीटनाशक पी लिया। रिपोर्ट के अनुसार, उसे बेहोश पड़ा देखकर गांव वालों ने उसे मानवपाडु इलाके के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने ज्यूरिख में निवेशकों के साथ बैठक की

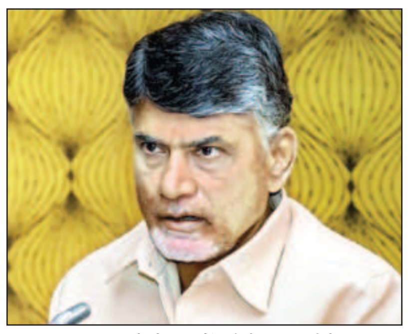

अमरावती, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व आर्थिक मंच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दावोस में मौजूद मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने सोमवार को अपनी यात्रा के पहले दिन निवेशकों के साथ कई बैठकें कीं। इससे पहले उन्होंने ज्यूरिख के हिल्टन होटल में स्विट्जरलैंड में भारत के राजदूत मृदुल कुमार से मुलाकात की और स्विट्जरलैंड से राज्य में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। कुमार ने कहा कि नेस्ले, एबीबी और नोवार्टिस जैसी दिग्गज कंपनियों सहित 350 से अधिक स्विस कंपनियों ने अब तक भारत में निवेश किया है और अधिक कंपनियां निवेश करने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश में विनिर्माण क्षेत्र में फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा उपकरण, तकनीकी वस्त्र और रेल घटकों जैसे अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला है। मुख्यमंत्री ने मृदुल कुमार से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि आंध्र प्रदेश में स्थापित किए जा रहे कौशल और एआई विश्वविद्यालय स्विट्जरलैंड के विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश में सभी क्षेत्रों से कुशल युवा हैं जो वर्क-फ्रॉम-होम प्रणाली के तहत स्विट्जरलैंड को सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। बैठक के बाद मृदुल कुमार ने चार प्रमुख स्विस कंपनियों के सीईओ और अन्य महत्वपूर्ण नेताओं जैसे कि मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड की कंपनी 'स्विस मेन' के महासचिव राउल केलर, पॉलिमर प्रोसेसिंग सेक्टर की 'ऑरलिकन' के सीईओ मार्कस टके, उच्च गुणवत्ता वाले औद्योगिक घटकों और कस्टम इंजीनियर्ड सॉल्यूशन कंपनी 'एंगस्टफिस्टर' के सीईओ एरिक स्मिड और उच्च गुणवत्ता वाले औद्योगिक घटकों और कस्टम इंजीनियर्ड सॉल्यूशन कंपनी 'एंगस्टफिस्टर' के सीईओ एरिक स्मिड से मुलाकात की और राज्य में निवेश के अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने उन्हें कुशल जनशक्ति की उपलब्धता के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा प्रदान किए गए प्रोत्साहनों का उपयोग करने के लिए आंध्र प्रदेश आने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने 'स्विस मेन' कंपनी से राज्य में उद्योगों के विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने तथा विनिर्माण के लिए सुविधाएं प्रदान करने जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए आगे आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, राज्य में एक उन्नत कोटिंग केंद्र की आवश्यकता है तथा ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस, ऊर्जा और टूलींग क्षेत्रों में अवसर हैं और अनुसंधान के लिए एएम केंद्र स्थापित किया जा सकता है। चंद्रबाबू ने सुझाव दिया कि इनका उपयोग 'ऑरलिकन' द्वारा किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने 'स्विस टेक्सटाइल्स' को आंध्र प्रदेश में कपड़ा क्षेत्र में अनुबंध विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास तथा कौशल विकास कार्यक्रम के लिए आने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू, मंत्री नारा लोकेश, टीजी भारत तथा अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल का सोमवार को दावोस में विश्व आर्थिक मंच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ज्यूरिख हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यूरोपीय टीडीपी फोरम के सदस्य तथा अनिवासी आंध्रवासी बड़ी संख्या में आए तथा मुख्यमंत्री की ज्यूरिख यात्रा पर अपनी खुशी व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने उनसे कुछ देर बातचीत की तथा उनका उत्साहवर्धन किया।

गणतंत्र दिवस धूमधाम के साथ मनाया जाएगा : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि 26 जनवरी को 75वां गणतंत्र दिवस समारोह भव्य तरीके से मनाया जाएगा। सोमवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपक तिवारी और एम. डेविड, अतिरिक्त एस.पी., प्रभाकर राव ने राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन को लेकर जिला अधिकारियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि जिला केंद्र में आयोजित होने वाले समारोह को सफल बनाने के लिए अधिकारी समन्वय से काम करें। उन्होंने कहा कि इस महीने की 24 तारीख तक प्रशंसा प्रमाण-पत्र तैयार कर लिए जाएं तथा गणतंत्र दिवस पर विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की रैतु भरोसा, राशन कार्ड, इंदिराम्मा अवास और इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा योजनाएं गणतंत्र दिवस पर शुरू की जाएंगी।

सम्मान समारोह के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र प्रदान करने, स्मृति चिन्हों का प्रदर्शन, संबंधित विभागों से संबंधित स्टॉल लगाने, भाषण, देशभक्ति गीतों का गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम व अन्य कार्यक्रमों की पूरी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) को समारोह की व्यवस्थाओं की निगरानी करनी होगी। उन्होंने कहा कि जिला ग्राम्य विकास विभाग (स्वयं सहायता समूह) के तत्वावधान में चाय, नाश्ता एवं बिस्किट वितरित करने की व्यवस्था की जाए। जिला अनुसूचित जाति विकास विभाग, जिला आदिवासी विकास विभाग, जिला ग्रामीण विकास विभाग, जिला कल्याण विभाग, जिला शिक्षा विभाग, जिला पशुपालन विभाग, जिला कृषि/उद्यानिकी, वन एवं मत्स्य विभाग के तत्वावधान में स्टॉल लगाये जायें। विभाग, जिला नागरिक आपूर्ति विभाग और पंचायती राज विभाग, 6 गारंटी योजनाएं, इंदिराम्मा हाउस मॉडल, वन, अग्निशमन, स्वास्थ्य, जिला कल्याण, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक समुदाय विभागों को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समारोह को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के अधिकारी समन्वय से काम करें।

ड्रग के साथ तस्कर गिरफ्तार

संगारेड्डी, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को सोमवार को यहां गिरफ्तार कर लिया गया, जो कथित तौर पर शराब का आदी था और अपने दोस्तों और अन्य ग्राहकों को नशीले पदार्थ की आपूर्ति करके पैसा कमाने के लिए ड्रग तस्कर बन गया था।

पुलिस के अनुसार, एक गुप्त सूचना के आधार पर, आबकारी अधिकारियों ने हरजोत सिंह (35) को पकड़ा, जो कथित तौर पर पुणे से हैदराबाद एमडीएमए की तस्करी कर रहा था। उसे संगारेड्डी के पास मलकापुर फ्लाईओवर पर एनएच-65 पर पकड़ा गया। सहायक आबकारी अधीक्षक के श्रीनिवास राव के अनुसार, आबकारी अधिकारियों ने 21.06 लाख रुपये मूल्य की एमडीएमए जब्त की।

मीडिया लोकतंत्र का आधार स्तंभ है : राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया क्षेत्र सबसे महत्वपूर्ण संस्था है। एक शब्द में कहें तो मीडिया लोकतंत्र की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जनता और अधिकारियों के बीच सेतु बनाना और समय-समय पर जानकारी उपलब्ध कराना बड़ी बात है। यह सराहनीय है कि पत्रकार बढ़ती प्रौद्योगिकी के साथ मीडिया क्षेत्र में हो रहे बदलावों के अनुरूप काम कर रहे हैं। हर कोई मीडिया क्षेत्र का ऋणी है, जो समय के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है और समाज की पल-पल की देखभाल कर रहा है।

राज्यपाल ने सोमवार को राजभवन में तेलंगाना पत्रकार संघ की 2025 डायरी का अनावरण किया। उन्होंने उन पत्रकारों को बधाई दी जिन्होंने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। उनका मानना था कि जो पत्रकार बिना किसी लाभ की भावना के लगातार सामुदायिक सेवा में लगे रहते हैं, वे अनुकरणीय हैं। इस अवसर पर उन्होंने सभी का नाम लेकर अभिवादन किया तथा मीडिया क्षेत्र में हो रहे बदलाव एवं समस्याओं के बारे में जानकारी ली। कार्यक्रम में पत्रकार संघ तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष पगुडकुला बालास्वामी, प्रदेश महासचिव जुलुरी रमेश, नेता चिलुकुरी अखिलेश, अशोक, अनिल, मोहन, तिरुमलेश, राघवेंद्र गौड़, गिरिधर चारी, किशोर, सत्यम, दुर्गा प्रसाद, राममोहन रेड्डी, अंजनेयुलु और अन्य ने भाग लिया।

कविता की तस्वीरों से छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

> तेलंगाना जागृति ने साइबर अपराध विभाग से की अपील

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति महिला विंग ने आज साइबर अपराध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और ट्विटर हैंडल @अरविंदअन्नाआर्मी के खिलाफ मामला दर्ज करने का आग्रह किया, जिसने तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और बीआरएस पार्टी एमएलसी कलवकुंतला कविता की तस्वीरों से छेड़छाड़ कर उन्हें "एक्स" पर पोस्ट किया, साथ ही अपराध के पीछे शामिल लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज करने का आग्रह किया। मेडचल जिला तेलंगाना जागृति महिला अध्यक्ष और पार्षद ललिता यादव के नेतृत्व में संगठन के कई कार्यकर्ताओं ने साइबर अपराध पुलिस से मुलाकात की और शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस से कविता की तस्वीरों से छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि वे न केवल सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार कर रहे हैं, बल्कि कविता की तस्वीर से छेड़छाड़ भी कर रहे हैं। शिकायत दर्ज कराने वालों में जागृति नेता वसागोनी शोभा गौड़, बंदरी लावण्या, स्वप्ना रेड्डी, सिंगिरेड्डी विमला रेड्डी, श्रीलता, माहेश्वरी, रत्ना, पेंटाम्मा और अन्य शामिल हैं।

छात्र की गोली मारकर हत्या

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक 26 वर्षीय छात्र की अमेरिका के वाशिंगटन में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। के रवि तेजा नामक पीड़ित को गोली लगने से गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की परिस्थितियों का अभी पूरी तरह पता नहीं चल पाया है। हैदराबाद के चैतन्यपुरी में ग्रीन हिल्स कॉलोनी के आरके पुरम के मूल निवासी रवि तेजा वर्ष 2022 में मास्टर्स की पढ़ाई करने गए थे।

पुलिस ने डिलीवरी और बाइक टैक्सी प्लेटफॉर्म के साथ समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने साइबराबाद सीपी ऑफिस मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में ऑनलाइन फूड डिलीवरी और बाइक टैक्सी प्लेटफॉर्म के साथ समन्वय बैठक की। ज्वाइंट सीपी ट्रैफिक डी. जोएल डेविस की अध्यक्षता में हुई बैठक में साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्राधिकार में कार्यरत डिलीवरी कर्मियों द्वारा यातायात उल्लंघन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। यह देखा गया कि डिलीवरी गिग कर्मचारी अक्सर सख्त समय सीमा को पूरा करने के लिए यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं, जिसमें बिना हेलमेट के सवारी करना, तेज गति से गाड़ी चलाना, गलत दिशा में गाड़ी चलाना, नशे में गाड़ी चलाना और अनधिकृत पार्किंग शामिल हैं। इन उल्लंघनों के कारण गैर-घातक दुर्घटनाएं हुई हैं और डिलीवरी कर्मियों की मृत्यु हुई है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए, ज्वाइंट सीपी ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर अपने कर्मचारियों के लिए नियमित सड़क सुरक्षा सत्र आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस जागरूकता बढ़ाने के लिए ऑपरेटरों और कर्मचारियों के लिए यातायात सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित करेगी। बैठक में डिलीवरी प्लेटफॉर्म सक्रिय रूप से सवारियों द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन को ट्रैक करेंगे और उनका समाधान करेंगे ताकि सड़क सुरक्षा मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। नशे में गाड़ी चलाने से रोकने के लिए डिलीवरी कर्मियों की शिफ्ट की शुरूआत और अंत में अनिवार्य रूप से शराब की जांच की जाएगी। उल्लंघन करने वालों को कम असाइनमेंट, कम प्रोत्साहन और बार-बार अपराध करने पर संभावित बर्खास्तगी जैसे दंड का सामना करना पड़ेगा। अच्छे रिकॉर्ड वाले सवारों को सुरक्षित व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए उच्च प्रोत्साहन और मान्यता से पुरस्कृत किया जाएगा। डिलीवरी प्लेटफॉर्म और सवार यातायात उल्लंघनों को तुरंत हल करने और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए अधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे। अन्य सिफारिशों में जीपीएस-आधारित गति निगरानी एआई-सक्षम उल्लंघन अलर्ट को लागू करना और नागरिकों को समर्पित ऐप के माध्यम से उल्लंघनों की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल था। इस पहल का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण बनाना, डिलीवरी कर्मियों के बीच अनुशासन को बढ़ावा देना और सड़क सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को बढ़ाना है। इस बैठक में माधापुर ट्रैफिक डीसीपी साई मनोहर, साइबराबाद ट्रैफिक एडमिनिस्ट्रेटर बीएनएस रेड्डी और जी गुरुवैया और विभिन्न ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म और बाइक टैक्सी सेवाओं के प्रभारी शामिल हुए।

5 हजार रुपये का नकली नोट वायरल, आरबीआई ने दी सफाई

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया पर समय-समय पर नकली भारतीय नोटों का वायरल होना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में 75, 60, 150, 100, 20, 200, 1,000 रुपये के सिक्के और 2 रुपये, 350 रुपये, 5 रुपये, 5,000 रुपये के नोट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। फेसबुक पर हाल ही में एक फोटो शेयर की गई जिसमें दावा किया गया कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 5,000 रुपये का नोट जारी किया जाने वाला है। मूल रूप से हिंदी में कैप्शन में लिखा था : बहुत जल्द जारी होगा पांच हजार रुपये का नया नोट, आरबीआई ने दी जानकारी। तथ्य-जांच में पाया गया कि कई अन्य उपयोगकर्ताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर समान दावों के साथ वही तस्वीर साझा की थी।

जासूसों ने छिपकली मामले का किया खुलासा

> वन्यजीव अपराध का पर्दाफाश > नर बंगाल मॉनिटर छिपकली के गोनाड थे पौधे

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के फोरेंसिक जेनेटिक जासूसों ने एक वन्यजीव अपराध का पर्दाफाश किया है जिसमें रहस्यपूर्ण रहस्य शामिल है और यह भी कि कैसे भोले-भाले लोगों को शिकारियों द्वारा ठगा जा सकता है। हैदराबाद में डीएनए जांचकर्ताओं को विश्लेषण के लिए पौधों की सामग्री के छोटे-छोटे टुकड़े मिले।

पता चला कि ये पौधे वास्तव में नर बंगाल मॉनिटर छिपकली के गोनाड थे, जिसे तमिलनाडु में शिकारियों ने मार डाला था। स्प्रिंगर नेचर (सितंबर, 2024) में एक केस स्टडी के रूप में प्रकाशित, हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के शोधकर्ताओं के समूह ने अपने डीएनए विश्लेषण के माध्यम से तमिलनाडु के जांचकर्ताओं को रहस्य को सुलझाने और शिकारियों पर मुकदमा चलाने में मदद की। शिकारियों ने मॉनिटर छिपकलियों के कांटेदार लिंगों को काटा और उन्हें धोखे से लोगों को एक बहुत ही दुर्लभ पौधे मार्टिनिया एनुआ की जड़ों के रूप में बेच दिया, जिसका उपयोग विश्वासियों द्वारा गुप्त प्रथाओं में किया जाता है। शिकारियों ने मॉनिटर छिपकलियों के लिंगों को पौधे की जड़ों (जो मुड़े हुए हाथों की तरह दिखते हैं) जैसा दिखने के लिए संशोधित किया, और जांचकर्ताओं के लिए सटीक पहचान करना और भी जटिल बना दिया। सीसीएमबी शोधकर्ताओं ने कहा कि वन्यजीव अपराधों में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए फोरेंसिक आनुवंशिक साक्ष्य एक शक्तिशाली उपकरण है।

सीसीएमबी शोधकर्ताओं ने पेपर में कहा कि भारत में पाए जाने वाले मॉनिटर छिपकलियों की चार प्रजातियों में से किसी के द्विभाजित हेमिपेनेस (गोनाड) को 'हत्था जोड़ी' (मार्टिनिया एनुआ से एक पौधे की जड़) के नाम से अवैध रूप से बेचा जाता है। एक दुर्लभ पौधे की जड़ को एक शक्तिशाली ताबीज के रूप में गलत तरीके से पेश किया जाता है जो इसके मालिक को संपत्ति और सौभाग्य ला सकता है। परिणामस्वरूप, 'हत्था जोड़ी' के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारत में मॉनिटर का बड़े पैमाने पर अवैध शिकार होने का संदेह है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'भारत को 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार करने की कार्य योजना तैयार'

बोले खेल मंत्री मांडविया

भोपाल, 20 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत को 2036 ओलंपिक की मेजबानी को तैयार करने के लिए खेल के माहौल को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत योजना तैयार की गई है। मांडविया ने यहां राज्य के पहले फिट इंडिया क्लब को लॉन्च करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे।

मांडविया ने कहा, 'प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी जी ने कहा कि हम 2036 में ओलंपिक का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत को अगले दस वर्षों में अंतरराष्ट्रीय खेलों में एक से 10 की रैंकिंग हासिल करनी होगी।' उन्होंने कहा, 'जब देश स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष मनाएगा तो हमें खेल क्षेत्र में एक से पांच के पैमाने पर खेल रैंकिंग में सुधार करना होगा।'

मांडविया ने कहा कि यह सिर्फ एक नारा नहीं है बल्कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक मजबूत कार्य योजना तैयार की गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नौ से 15 वर्ष की आयु के लड़कों के लिए खेलो इंडिया स्कूल खेलो का आयोजन करके प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा रही है और उन्हें तराशा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि युवाओं को शामिल करके 2036 में भारत को दुनिया में शीर्ष दस में पहुंचाने के लिए खेल बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। मांडविया ने कहा, 'हम एक व्यापक योजना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है।'

यादव और मांडविया ने उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों की किट का अनावरण किया। उन्होंने मध्य प्रदेश में 'खेलो बढ़ो अभियान' का शुभारंभ किया और विभिन्न खेल बुनियादी ढांचे का उद्घाटन और भूमिपूजन किया। यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार युवाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया क्लब हर वर्ग और उम्र के खिलाड़ियों के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास की फिट इंडिया थीम का पालन करता है।

भारत-इंग्लैंड सीरीज- शमी ने पट्टी बांधकर प्रैक्टिस की

14 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी; पहला मैच 22 जनवरी को कोलकाता में

कोलकाता, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मोहम्मद शमी ने कोलकाता में अपने बाएं घुटने पर पट्टी बांधकर प्रैक्टिस के लिए उतरे। शमी इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में टीम इंडिया में शामिल हैं। उनकी 14 महीने के लंबे अंतराल के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी हुई है।

उन्होंने 2023 में भारत में हुए वनडे वर्ल्ड कप में 19 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मुकाबला खेला था। उसके बाद से वह चोट की वजह से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का पहला मुकाबला 22 जनवरी को कोलकाता में खेला जाएगा।

शमी ने एक घंटे से ज्यादा समय तक की गेंदबाजी

इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती मैच से पहले भारतीय टीम ने कोलकाता में तीन घंटे प्रैक्टिस की। शमी ने एक घंटे से अधिक समय तक पूरी लय में गेंदबाजी की।

उन्होंने अपने बाएं घुटने पर पट्टी बांधकर गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में शुरुआत में छोटे रन अप के साथ धीमी गेंदबाजी की और फिर पूरे रन अप के साथ गेंदबाजी की और गति को बढ़ाया। उन्होंने लगभग एक घंटे तक गेंदबाजी करने के बाद फील्डिंग प्रैक्टिस में भी हिस्सा लिया। उन्होंने अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे युवा बल्लेबाजों को अपनी गति और सटीक लाइन लेंथ से परेशान किया।

ध्रुव जुरेल ने शमी के खिलाफ लगाए शॉट

इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने उनके खिलाफ कुछ आक्रामक शॉट लगाए। गेंदबाजी प्रैक्टिस खत्म करने के बाद उन्होंने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल से बातचीत की।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इस प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा नहीं लिया। वह प्रैक्टिस के समय तक कोलकाता नहीं पहुंच पाए थे।

जोस बटलर की अगुआई वाली इंग्लैंड की टीम ने रेस्ट करने का फैसला किया। टीम सोमवार को अपने पहले प्रैक्टिस में भाग लेगी।

शमी ने डोमेस्टिक क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन किया

शमी ने चोट के बाद बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी के राउंड-1 में मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच से वापसी की। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली (टी-20) और विजय हजारे ट्रॉफी (वनडे) भी खेली थी।

पिछले साल जनवरी में एंकल सर्जरी कराई थी

शमी ने जनवरी-2024 में इंग्लैंड में एंकल की सर्जरी कराई थी। पिछले कई महीने से शमी बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब कैंप में थे।

भारतीय खिलाड़ियों को अलग से नहीं मिलेगी गाड़ी

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में दिखेगा बीसीसीआई की नई पॉलिसी का असर

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के लिए बीसीसीआई ने हाल ही में जो 10 पॉइंट की पॉलिसी बनाई है, उसे क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल यानी कैब ने लागू कर दिया है. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने अपनी बनाई नई नीतियों को उन सभी राज्यों की क्रिकेट एसोसिएशन को भेजा है, जिनके यहां भारत-इंग्लैंड टी20 सीरीज के मुकाबले हो रहे हैं. उसके बाद उस पर अमल का काम भी शुरू हो गया कैब ने इसकी शुरुआत की है, जहां भारत और इंग्लैंड के बीच 22 जनवरी से पहला टी20 मुकाबला खेला जाना है. क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कन्फर्म किया कि संघ की ओर से बीसीसीआई की बनाई नई गाइडलाइन्स के मुताबिक काम शुरू हो गया है.

किसी खिलाड़ी को अलग से गाड़ी नहीं- कैब अध्यक्ष

स्नेहाशीष गांगुली ने आगे बताया कि बीसीसीआई की 10 पॉइंट की पॉलिसी के मुताबिक कैब किसी भी खिलाड़ी के लिए अलग से गाड़ी नहीं करने वाली. उन्होंने पीटीआई से कहा कि भारतीय टीम के लिए बस टीम बस की व्यवस्था की जाएगी. उसके अलावा कोई भी निजी गाड़ी उन्हें मुहैया नहीं कराई जाएगी.

सभी खिलाड़ी टीम बस में करेंगे सफर- गांगुली

कैब के अध्यक्ष ने कहा कहा कि वो बस गाइलाइन्स को फॉलो करेंगे, जिसमें साफ कहा गया है कि सभी खिलाड़ी टीम के साथ ट्रेवल करेंगे. कोई भी खिलाड़ी टीम से अलग नहीं होगा. बीसीसीआई ने जो 10 पॉइंट की पॉलिसी बनाई है, उसमें एक ये भी है कि सभी खिलाड़ी टीम बस से ही मैच या प्रैक्टिस सेशन के लिए जाएंगे.

बीसीसीआई की नई पॉलिसी में टीम बस में ट्रेवल करने के अलावा खिलाड़ियों के लिए परिवार से जुड़े, घरेलू क्रिकेट में खेलने से जुड़े, कई नियम नए तरीके से बनाए गए हैं. पॉलिसी के बनने के बाद भारतीय टीम के ये पहली सीरीज खेली जा रही है, जिसका पहला मैच कोलकाता में हो रहा है. ऐसे में कैब उस पॉलिसी पर अमल करने वाला पहला राज्य क्रिकेट संघ बना है.

भारत-इंग्लैंड टी20 सीरीज का कार्यक्रम

भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच 22 जनवरी को कोलकाता में होने के बाद, दूसरा मुकाबला 25 जनवरी को चेन्नई में जबकि तीसरा और आखिरी टी20 मैच 28 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा.

कौन हैं हिमानी जिनके साथ नीरज ने लिए सात फेरे

अमेरिका में पढ़ीं, टेनिस से रहा रिश्ता

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शादी के बंधन में बंध गए हैं। उन्होंने इसका एलान अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा कीं और जीवन की नई शुरुआत का एलान किया। नीरज की पत्नी का नाम हिमानी है।

पानीपत के खंडरा गांव निवासी नीरज चोपड़ा ने गुपचुप शादी कर सबको चौंका दिया है। हालांकि परिवार पिछले कई दिन से शादी की तैयारी में था। नीरज चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शादी की फोटो साझा की। उनके चाचा भीम सिंह ने बताया कि नीरज चोपड़ा ने हिमानी के साथ शादी की है। चोपड़ा के चाचा भीम ने 'पीटीआई' को बताया कि विवाह देश में हुआ और यह जोड़ा हनीमून के लिए रवाना हो गया है। हिमानी वर्तमान में अमेरिका में पढ़ाई कर रही हैं। वह न्यू हैम्पशर में फ्रैंकलिन पियर्स यूनिवर्सिटी में 'स्पोर्ट्स मैनेजमेंट' की पढ़ाई कर रही हैं। वह दिल्ली के मिरांडा हाउस की पूर्व छात्रा हैं जहां उन्होंने राजनीति विज्ञान और शारीरिक शिक्षा में स्नातक की डिग्री पूरी की। भीम ने बताया, 'हां, विवाह दो दिन पहले भारत में हुआ। मैं यह नहीं बता सकता कि यह कहां हुआ।' उन्होंने कहा,

'लड़की सोनीपत की है और वह अमेरिका में पढ़ाई कर रही है। वे हनीमून के लिए देश से बाहर गए हैं और मुझे नहीं पता कि वे कहां जा रहे हैं। हम इसे ऐसे ही रखना चाहते थे।' अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) की वेबसाइट के अनुसार, 2018 में हिमानी की सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय रैंकिंग एकल में 42 और युगल में 27 थी। उन्होंने 2018 में ही एआईटीए स्पर्धाओं में खेलना शुरू किया। नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर दूर भाला फेंक रजत पदक जीता है। नीरज दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीता था।

विक्टर एक्सेलसेन बने इंडिया ओपन में पुरुष एकल के विजेता, महिलाओं में आन से यंग ने मारी बाजी

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले विक्टर एक्सेलसेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। एक्सेलसेन इससे पहले 2017 और 2019 में भी यहां चैंपियन रह चुके हैं। वहीं, महिलाओं में आन से यंग ने बाजी मारी और एकतरफा फाइनल में महिला एकल वर्ग का खिताब जीतने में सफल रहीं।

एक्सेलसेन ने ली चेउक को हराया

एक्सेलसेन ने पुरुष एकल में पिछले साल के उपविजेता हांगकांग के ली चेउक यियू को 21-16, 21-8 से हराया। दो बार के विश्व चैंपियन एक्सेलसेन ने पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 के शुरुआती दौर में इस प्रतिद्वंद्वी से मिली शिकस्त की निराशा को पीछे छोड़ दिया। पिछले सत्र के उपविजेता ली लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचने के बावजूद खिताब जीतने का सपना पूरा नहीं कर सके। हांगकांग ओपन 2019 के इस चैंपियन ने पहले गेम में 6-3 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन एक्सेलसेन ने वापसी करते हुए ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। ली ने इसके बाद संघर्ष करना जारी रखा लेकिन एक्सेलसेन की बराबरी नहीं कर सके।

एक्सेलसेन ने पांच गेम प्वाइंट हासिल किए और ली का शॉट कोर्ट से बाहर जाने के साथ ही उन्होंने पहले गेम को जीत लिया। एक्सेलसेन ने दूसरे गेम में भी अपना दबदबा जारी रखा। उन्होंने लगातार नौ अंक जुटाते हुए 10-6 की बढ़त को 19-6 में बदलकर ली के आत्मविश्वास को तोड़ते हुए आसानी से इस गेम को जीतकर मैच और खिताब जीत लिया।

आन यंग ने पी चोचुवोंग को दी आसानी से मात

महिला एकल में आन से-यंग ने टूर्नामेंट में अपना प्रभावशाली खेल जारी रखते हुए पी चोचुवोंग को आसानी से 21-12, 21-9 से हरा दिया। गोह सेज फेई और नूर इजुद्दीन की मलेशिया की पुरुष जोड़ी ने खिताबी मुकाबले में किम वोन हो और सियो सेउंग जे की कोरियाई जोड़ी को 21-15,13-21, 21-16 से हराया। मलेशिया की इस जोड़ी ने सेमीफाइनल में भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पराजित किया था।

महिला युगल के फाइनल में जापान की अरिसा इगाराशी और अयाको सकुरामोतो ने दक्षिण कोरिया की किम हये जांग और कोंग ही यंग को 21-15, 21-13 से हराया। चीन के जियांग जेन बैंग और वेई या शिन की मिश्रित युगल जोड़ी ने थॉम गिक्वेल और डेल्फिन डेलरू की जोड़ी को 21-18, 21-17 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

नाइजीरिया से हार गई न्यूजीलैंड, 2 रन पड़े भारी

खेल डेस्क, 20 जनवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट को अनिश्चिताओं का खेल ऐसे ही नहीं कहते. इसकी ताजा मिसाल आईसीसी अंडर 19 महिलाओं के T20 वर्ल्ड कप में देखने मिली है, जहां नाइजीरिया ने उलटफेर किया है. वर्ल्ड क्रिकेट को चौंका कर दिखाया है. उसने उम्मीद से परे जाकर न्यूजीलैंड को शिकस्त दी है. न्यूजीलैंड वाले टूर्नामेंट जीतने की दावेदारों की सूची में होते हैं. लेकिन महिला अंडर 19 वर्ल्ड कप में उनके लिए 2 रन भारी पड़ गए. नतीजा ये हुआ कि जीत का खाता खुलते-खुलते रह गया.

नाइजीरिया ने न्यूजीलैंड को हराकर किया उलटफेर

टूर्नामेंट के ग्रुप सी के मुकाबले में न्यूजीलैंड और नाइजीरिया दोनों का ये दूसरा मुकाबला था. इससे पहले न्यूजीलैंड को जहां अपने पहले मैच में साउथ अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा था. वहीं नाइजीरिया का मैच बेनतीजा रहा था. ऐसे में ये मुकाबला दोनों के लिए अहम था. नाइजीरिया से मुकाबला होने के चलते न्यूजीलैंड का पलड़ा भारी था. लेकिन, नाइजीरिया ने न्यूजीलैंड के भारी पलड़े को दबाते हुए अपनी जीत की शानदार स्क्रिप्ट लिखी.

2 रन से नाइजीरिया ने दर्ज की रोमांचक जीत

नाइजीरिया और न्यूजीलैंड का मैच बारिश से प्रभावित रहा. बारिश के चलते मैच में ओवर की कटौती भी हुई. दोनों टीमों के बीच 13-13 ओवर का मैच हुआ. नाइजीरिया की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी और उसने 13 ओवर में 6 विकेट पर 65 रन बनाए.

न्यूजीलैंड के सामने 66 रन का आसान लक्ष्य था. लेकिन इस स्कोर का पीछा करते हुए उसकी पारी 2 रन पहले ही थम गई. न्यूजीलैंड ने 13 ओवर पूरे खेलकर 6 विकेट पर 63 रन बनाए.

हार ने बनाई न्यूजीलैंड की राह मुश्किल

नाइजीरिया से हारने के बाद न्यूजीलैंड के लिए अब अगले राउंड में जाना मुश्किल लग रहा है. हर ग्रुप से 2 ही टीम टूर्नामेंट के अगले राउंड में जाएंगे. और उन दो टीमों लगातार दो हार के बाद न्यूजीलैंड की अंडर 19 महिला टीम के लिए जाना अब मुश्किल लग रहा है. न्यूजीलैंड को ग्रुप स्टेज पर अब एक मुकाबला और खेलना है.

उधर नाइजीरिया की टीम 2 मैचों में 1 जीत और 1 बेनतीजा के साथ अपने ग्रुप के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है. 2 मैचों के बाद उसके 3 अंक है. इस टीम को अगला मैच साउथ अफ्रीका से खेलना है. अगर नाइजीरिया साउथ अफ्रीका से हार भी जाती है तो भी उसके लिए अगले राउंड में जाने का मौका रहेगा. क्योंकि अगला मैच जीतकर भी न्यूजीलैंड के 2 ही अंक रहेंगे.

हैले मैथ्यूज वेस्टइंडीज के लिए वनडे में तोड़ा शतकों का रिकॉर्ड, टीम ने रचा इतिहास

वार्नर पार्क, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मल्टीटैलेंटेड. ये शब्द तो आपने सुना है ना. हम जिस खिलाड़ी की बात करने जा रहे है, उसके लिए अंग्रेजी का ये शब्द बिल्कुल परफेक्ट है. हाथ में जब भाला होता है तो वो नीरज चोपड़ा की तरह मेडल जीतने की कोशिश करती है. लेकिन, उन्हीं हाथों में जब बल्ला थाम लेती है तो फिर दुनिया की किसी भी पिच को गेंदबाजों का कब्रगाह बनाने का दम रखती है. हम बात कर रहे हैं हैले मैथ्यूज की, जो कि वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम की ना सिर्फ धाकड़ ओपनर हैं बल्कि कप्तान भी हैं. इन दोनों ही मोर्चों पर अपनी उपयोगिता को उन्होंने खूब साबित किया है. कैरेबियाई ओपनर ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में ना सिर्फ शतक जड़ा बल्कि अपने देश के लिए वो सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली खिलाड़ी भी बनीं.

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को पहले वनडे में रौंदा

बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम इन दिनों वेस्टइंडीज के दौरे पर है, जहां वो फिलहाल वनडे सीरीज खेलने में मशगूल है. पहले वनडे में बांग्लादेश को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी और इसकी एकमात्र और सबसे बड़ी वजह है हैले मैथ्यूज का प्रदर्शन. उनके बल्ले से निकला शतक, जिसने बांग्लादेश से मिले टारगेट को इतना बौना बना दिया कि जीत बस मजाक बनकर रह गई.

199 रन का पीछा करते हुए

मैथ्यूज ने जमाया शतक

पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की पहले वनडे में सबसे बड़ी कामयाबी यही रही कि वो किसी तरह पूरे 50 ओवर खेलने में कामयाब रहे. बांग्लादेश ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 198 रन बनाए. इस तरह वेस्टइंडीज की महिलाओं को 199 रन का लक्ष्य मिला. लक्ष्य छोटा था लेकिन इसे और भी हल्का बनाने का काम कैरेबियाई कप्तान मैथ्यूज ने अपने बल्ले से किया. 199 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने शतक जड़ा. साथ में वेस्टइंडीज के लिए महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा वनडे शतक जमाने का रिकॉर्ड भी तोड़ा.

मैथ्यूज का रिकॉर्ड, वनडे में टीम का इतिहास

हैले मैथ्यूज ने 93 गेंदों का सामना कर 16 चौकों की मदद से नाबाद 104 रन बांग्लादेश के खिलाफ बनाए. ये उनके वनडे करियर का 8वां शतक है. इसी के साथ वो महिला वनडे में वेस्टइंडीज में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाली खिलाड़ी बन गईं. मैथ्यूज के शतक की बदौलत वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ 199 रन 110 गेंद पहले ही चेज कर लिए, जो कि 100 प्लस गेंदों के शेष रहते वनडे में चेज किया उसका सबसे बड़ा स्कोर है.

नीरज चोपड़ा की तरह फेंकती थी भाला!

क्रिकेट से पहले जैवलिन थ्रोअर हैले मैथ्यूज अंडर-17 और अंडर-18 लेवल पर कई सारे मेडल जीत चुकी हैं. उन्होंने 2014 कैरिफ्टा गेम्स में सिल्वर मेडल जीता, जिसके रंग को अगले ही साल यानी 2015 में उन्होंने अपने भाले से निशाना लगा सोने में बदला. इसके अलावा जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनके नाम ब्रॉन्ज मेडल भी है.

'एक समाज के तौर पर बड़ी हार', सर्बिया में प्रदर्शन कर रहे युवाओं के समर्थन में आए जोकोविच

मेलबर्, 20 जनवरी (एजेंसियां)। टेनिस सुपरस्टार नोवाक जोकोविच ने सर्बिया में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों लोगों को अपना समर्थन भेजा और अपने हमवतन लोगों के खिलाफ हिंसा की निंदा की। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा ले रहे जोकोविच ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह यह दिखावा नहीं कर सकते कि कुछ नहीं हो रहा है। जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई करने के बाद कहा,'मेरा समर्थन युवाओं, छात्रों और उन सभी को जाता है जो हमारे देश के भविष्य के मालिक हैं।' सर्बिया के उत्तरी शहर नोवी साद में पिछले साल एक नवंबर को एक ट्रेन स्टेशन की छत गिरने के बाद छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शनों की लहर चल रही है। उस हादसे में 15 लोग मारे गए थे। इस मामले में पूर्व परिवहन मंत्री समेत 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले पर 37 वर्षीय जोकोविच ने कहा, 'मैं यह दिखावा नहीं कर सकता कि सर्बिया में कुछ नहीं हो रहा है और निश्चित रूप से ये चीजें मुझे प्रभावित करती हैं।' जोकोविच सर्बिया में कई लोगों के लिए एक राष्ट्रीय आदर्श हैं। वह 24 ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुके हैं और साथ ही 2024 ओलंपिक में स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया था। जोकोविच ने विशेष रूप से एक घटना का उल्लेख किया

जिसमें बेलग्रेड में एक चौराहे पर नाकाबंदी के दौरान गुरुवार को एक छात्र को एक कार ने टक्कर मार दी थी। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से, यह छात्रों और युवाओं के खिलाफ हिंसा की एकमात्र स्थिति नहीं है। यह एक समाज के रूप में हमारे लिए, सामान्य रूप से सर्बियाई समाज के लिए एक बड़ी हार है।' जोकोविच ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे सर्बिया में बड़े हों। मैं चाहूंगा कि जो युवा विदेश गए हैं वे सर्बिया लौट आएं और सर्बिया में रहें।' जोकोविच का ऑस्ट्रेलियन ओपन में अब तक का सफर शानदार रहा है। उन्होंने अपने पहले मुकाबले में भारतीय मूल के नीशेष बसावारेड्डी को 4-6, 6-3, 6-4, 6-2 से हराया था। इसके बाद उन्होंने जे फारिया को 6-1, 7-6, 6-3, 6-2 से शिकस्त दी थी। फिर जोकोविच ने टी मचाच को 6-1, 6-4, 6-4 से हराया।

भारत के लिए खेलना मेरे लिए गर्व की बात : साइना नेहवाल

खेलकूद शारीरिक शक्ति को बढ़ाते हैं : सीवी आनंद

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय खेलकूद तथा खेल मीट 2025 का उद्घाटन आज गोशाला महल पुलिस स्टेडियम में साइना नेहवाल, पी. कश्यप, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, सी.वी. आनंद, हैदराबाद पुलिस आयुक्त की उपस्थिति में हुआ।

इस अवसर पर पुलिस खिलाड़ियों द्वारा आयोजित मार्च फास्ट में सुश्री साइना नेहवाल, पी. कश्यप, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तथा सी.वी. आनंद, आई.पी.एस. डी.जी. तथा हैदराबाद के पुलिस आयुक्त की उपस्थिति रही, जिन्होंने खेल ध्वज फहराया, आकाश में कबूतर तथा गुब्बारे उड़ाए तथा पुलिस खेल मशाल प्रज्वलित की। इन खेलों के उद्घाटन समारोह के अवसर पर पुरुषों और महिलाओं के लिए आयोजित खेलकूद का उद्घाटन किया गया। सीपी हैदराबाद सीवी आनंद, सीपी, हैदराबाद, ने कहा कि 2025 वार्षिक खेलकूद एवं खेलकूद मीट का आयोजन 14 टुकड़ियों में 24 विभिन्न खेलकूद के साथ किया जा रहा है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त ने पुलिस से भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और पी. कश्यप की प्रेरणा के साथ खड़े होने का आग्रह किया है, जो अपने कर्तव्यों के उच्च दबाव के बावजूद खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। यह पहली बार है कि हैदराबाद सिटी पुलिस स्पोर्ट्स गेम्स मीट में 14 टीमें भाग ले रही हैं। वे शहर पुलिस के सभी विभागों से भाग ले रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि पुलिस स्पोर्ट्स एंड गेम्स मीट को हर साल एक नियमित कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बार टीमों की संख्या अधिक होने के कारण हम इसे 4 दिन तक आयोजित कर रहे हैं।

मैं भी खिलाड़ी हूं। अगर मैं बल्लेबाजी करता हूं तो मुझे शतक बनाना होता है और अगर मैं दौड़ता हूं तो मुझे सौ मीटर में स्वर्ण पदक जीतना होता है। अगर मैं खेलों में हार जाता हूं तो मुझे उस रात नींद नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि हमारे अंदर प्रतिस्पर्धा और लगन होनी चाहिए। पुलिस कमिश्नर ने इन खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के साथ-साथ खेल आयोजकों को भी बधाई दी। इन खेलों में प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ियों को जल्द ही होने वाले राज्य स्तरीय खेलों में हिस्सा लेना होगा। उन्होंने कहा कि खेलों में हार-जीत महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि आपने खेलों में कितनी प्रतिभा दिखाई है, यह महत्वपूर्ण है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि इन खेलों के जरिए आपकी शारीरिक शक्ति बढ़ेगी और आप काम के दबावों से उबरने के लिए स्वस्थ रहेंगे। पारुपल्ली कश्यप ने कहा कि पुलिस की नौकरी बहुत कठिन नौकरी है और खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से आप स्वस्थ और सतर्क रहेंगे। आप सभी फिटनेस पर ध्यान दे सकते हैं। साइना नेहवाल ने कहा कि मुझे हर तरह का खेल पसंद है। जब मैं भारत के लिए खेलती हूं तो मुझे बहुत गर्व महसूस होता है।

हमारे देश में कई प्रतिभाशाली लोग हैं। सभी को खेल खेलना चाहिए और फिट रहना चाहिए। मुझे इस खेल प्रतियोगिता में आमंत्रित किए जाने पर खुशी है। उन्होंने कहा कि खेलों में भाग लेने से दिमाग बहुत तरोताजा रहता है। इस कार्यक्रम में विक्रम सिंह मान आईपीएस एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर, पी विश्व प्रसाद एडिशनल सीपी ट्रैफिक, रक्षिता कृष्ण मूर्ति डीसीपी सीएआर मुख्यालय, हैदराबाद, अन्य जोनल, विंग डीसीपी और खेलों में भाग लेने वाले पुलिस कर्मी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री रेवंत के प्रतिनिधिमंडल का ज्यूरिख हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल सोमवार को स्विट्ज़रलैंड के ज्यूरिख में उतरा। मुख्यमंत्री के प्रतिनिधिमंडल का ज्यूरिख हवाई अड्डे पर तेलंगाना प्रवासियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में लोग हवाई अड्डे पर एकत्र हुए और दौरे की सफलता की कामना करते हुए मुख्यमंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल का अभिवादन किया। प्रतिनिधिमंडल दावोस में विश्व अर्थव्यवस्था मंच के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेगा। रेवंत रेड्डी के साथ आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू और वरिष्ठ अधिकारी भी हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल भी उसी समय हवाई अड्डे पर पहुंचा, जब तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की टीम उतरी। दोनों मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने संक्षिप्त बातचीत की और तस्वीरें भी खींचीं। दावोस सम्मेलन के पहले दिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कई उद्योगपतियों से मिलने वाले हैं। उनका प्रतिनिधिमंडल दावोस यात्रा पर केंद्रित है, जिसमें तेलंगाना राज्य को अंतर्राष्ट्रीय निवेश गंतव्य के रूप में दुनिया के सामने पेश करने की एक विशिष्ट भविष्य की योजना है। इसके हिस्से के रूप में, मुख्यमंत्री की टीम कई वैश्विक दिग्गज कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेगी और उन्हें तेलंगाना में बड़े पैमाने पर निवेश करने के लिए आमंत्रित करेगी।

बाल यौन शोषण सामग्री मामलों में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी साइबर अपराध इकाई ने इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिपोर्ट किए गए साइबर टिपलाइन मामलों के संबंध में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। ये मामले नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्स प्लॉइटेड चिल्ड्रन (एनसीएमईसी) पोर्टल से प्राप्त इनपुट के आधार पर दर्ज किए गए थे, जो बच्चों के खिलाफ अपराधों को संबोधित करने के लिए एक विशेष मंच है। आईपी पते, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसे सुरागों का उपयोग करके प्रारंभिक सत्यापन किया गया, जिसमें हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के तहत आरोपियों का पता लगाया गया। जांच रिपोर्ट, सहायक दस्तावेजों के साथ, आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए साइबर अपराध इकाई की एनसीएमईसी आईडी को भेज दी गई है। साइबर टिपलाइन रिपोर्ट के माध्यम से उपलब्ध कराए गए साक्ष्य और सुरागों की पुष्टि की जा रही है, ताकि बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) बनाने, साझा करने या प्रसारित करने में शामिल व्यक्तियों की पहचान की जा सके। इस मामले में आरोपी : 35 वर्षीय पुरुष हैं और मेदक का एक निजी कर्मचारी है। आरोपी ने विभिन्न वेबसाइटों से बाल पोर्नोग्राफ़ी डाउनलोड की, उसे देखा और इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने दोस्तों को भेजा। इस मामले की इंस्पेक्टर एम. सीता रामुलु मामले की जांच कर रहे हैं।

दूसरे मामले में आरोपी : 36 वर्षीय पुरुष है हैदराबाद का एक वेल्डर है। आरोपी ने विभिन्न वेबसाइटों से बाल पोर्नोग्राफ़ी डाउनलोड की, उसे देखा और स्नैपचैट पर दोस्तों के साथ साझा किया। इस प्रकरण की इंस्पेक्टर एस. मट्टम राजू मामले की जांच कर रहे हैं। तीसरे मामले का आरोपी हैदराबाद का 22 वर्षीय छात्र है। आरोपी ने विभिन्न वेबसाइटों से चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड की, उसे देखा और इंस्टाग्राम के माध्यम से शेयर किया। इस मामले की इंस्पेक्टर के. प्रसाद राव मामले की जांच कर रहे हैं। हैदराबाद सिटी साइबर क्राइम यूनिट ने कहा है कि ऑनलाइन दुर्व्यवहार और सीएसएएम के बढ़ते खतरे के खिलाफ सार्वजनिक सतर्कता के महत्व पर जोर देती है। सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाए रखने के लिए संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करें। बच्चों के खिलाफ अपमानजनक या अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली किसी भी सामग्री या खातों की तुरंत कानून प्रवर्तन या संबंधित प्लेटफॉर्म को रिपोर्ट की जानी चाहिए। संवेदनशील सामग्री साझा करने से बचें। किसी भी परिस्थिति में अनुचित सामग्री साझा न करें, क्योंकि अनजाने में प्रसारित होने पर भी कानूनी परिणाम हो सकते हैं। माता-पिता का मार्गदर्शन : माता-पिता को सलाह दी जाती है कि वे अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों की निगरानी करें, उन्हें इंटरनेट सुरक्षा के बारे में शिक्षित करें, गोपनीयता सेटिंग सक्षम करें और आवश्यक होने पर अभिभावकीय नियंत्रण उपकरणों का उपयोग करें। रिपोर्टिंग टूल का उपयोग करें और ऑनलाइन बाल शोषण के मामलों की रिपोर्टिंग के लिए एनसीएमईसी जैसे प्लेटफ़ॉर्म का लाभ उठाएं।

स्कूल में फीस बकाया को लेकर प्रदर्शन से अफरा-तफरी

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को एलबी नगर में उस समय हल्का तनाव उत्पन्न हो गया जब अभिभावकों और स्थानीय कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने एक निजी स्कूल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें कथित तौर पर फीस बकाया न चुकाने पर बच्चों को कक्षाओं में आने की अनुमति नहीं दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कूल प्रबंधन ने करीब 7000 रुपये की फीस जमा न कर पाने वाले विद्यार्थियों को गेट के बाहर खड़ा कर दिया। लिंगोजीगुडा के पार्षद दारपल्ली राजशेखर रेड्डी और कांग्रेस नेताओं ने स्कूल प्रबंधन से छात्रों को स्कूल के अंदर भेजने का अनुरोध किया। स्थानीय नेताओं, छात्र संघों और स्कूल स्टाफ के बीच बहस छिड़ गई, जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता स्कूल परिसर में घुस आए और फर्नीचर, कंप्यूटर, प्रिंटर को नुकसान पहुंचाया, जिससे दहशत फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया।

जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए : जीएचएमसी आयुक्त

> जीएचएमसी में जन शिकायतों की सुनवाई हुई

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती ने अधिकारियों को जनता से प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता देने और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पहल करने का निर्देश दिया है।

सोमवार को जीएचएमसी प्रधान कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई के हिस्से के रूप में, आयुक्त ने उपमहापौर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी के साथ ग्रेटर हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों से उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन प्राप्त किए। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी समय-समय पर सार्वजनिक रेडियो में प्राप्त आरजी का समाधान करने का ध्यान रखें तथा समस्या का समाधान कर संबंधित आवेदक को सूचित करें। याचिकाकर्ताओं को बार-बार जनता के बीच न जाकर एक ही समस्या का समाधान करना चाहिए और यदि समाधान नहीं होता है तो कारण बताना चाहिए। डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि अधिकारियों को समय-समय पर जनता से प्राप्त आरजी की जांच करने और समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की सलाह दी। लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारी विशेष पहल करें। प्रजावाणी फोन इन कार्यक्रम के माध्यम से 3 अनुरोध प्राप्त होने पर उन्हें त्वरित समाधान हेतु संबंधित विभागों को भेजा गया। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में 55 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से टाउन प्लानिंग विभाग से 30, कर विभाग से 5, एफए विभाग से 4, यूबीडी से 3, इंजीनियरिंग (रखरखाव), स्वच्छता से 2-2 शिकायतें प्राप्त हुईं। स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा और संपदा विभाग, भूमि अधिग्रहण, सतर्कता और प्रशासन विभाग को एक-एक शिकायत मिली। जीएचएमसी के तहत छह क्षेत्रों में कुल 108 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से कुकटपल्ली जोन में 47, सिकंदराबाद जोन में 24, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 14, चारमीनार जोन में 9, एलबीनगर जोन में 6 और खैरताबाद जोन में 8 आरजी प्राप्त हुए। अतिरिक्त आयुक्त शिव कुमार नायुडू, नलिनी पद्मावती, पंकजा, गीता राधिका, रघु प्रसाद, अशोक सम्राट, वेणुगोपाल रेड्डी, सतर्कता एएसपी श्रीनिवास, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, संपदा अधिकारी उमा प्रकाश, सी.एम. डॉ. पद्मजा, सीई कोटेश्वर राव, प्रमुख पशु चिकित्सा अधिकारी अब्दुल वकील, डिप्टी सीईओ पनासा रेड्डी, राजस्व जेसी महेश कुलकर्णी, संबंधित विभागों के अधिकारियों और अन्य ने भाग लिया।

मानसिक और शारीरिक विकास के लिए खेल आवश्यक : सीपी सुधीर बाबू

राचकोंडा पुलिस स्पोर्ट्स मीट-2025 शुरू

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस स्पोर्ट्स मीट-2025 का छठा संस्करण सरूर नगर इंडोर स्टेडियम में शुरू हुआ। राचकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू ने कहा कि खेल व्यक्तियों के मानसिक और शारीरिक विकास में मदद करते हैं।

आज सरूर नगर स्टेडियम में आयोजित छठी राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय वार्षिक खेल प्रतियोगिता-2025 के उद्घाटन पर मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और हम विभिन्न प्रकार के मानसिक और शारीरिक तनाव को कम कर सकते हैं। ऐसा कहा जाता है कि खेल से उबरने में बहुत मदद मिलती है। राचकोंडा पुलिस कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अथक प्रयास कर रही है और अधिकतम सजा दर हासिल करने, उन्हें कर्तव्य के निर्वहन में आने वाले दबावों और विभिन्न चुनौतियों से राहत देने और नए जोश के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए बहुत अच्छा काम कर रही है। भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से विभिन्न पुलिस विभागों के बीच सौहार्द और एकता का माहौल बनेगा। उन्होंने कहा कि इन तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं में सभी प्रकार के प्रमुख खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी और खेलों में भागीदारी जीतने की बजाय लड़ने पर केंद्रित होनी चाहिए।

इन प्रतियोगिताओं में न केवल पुलिस कर्मियों की टीमें बल्कि मंत्रालयिक कर्मियों की भी एक विशेष टीम होगी, सभी टीमों को खेल भावना दिखानी होगी और खेलों में किसी भी तरह की हेराफेरी नहीं करनी होगी। प्रतियोगिताएं हर साल नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और रचाकोंडा क्षेत्र में कार्यरत सभी पुलिस विभाग के कर्मचारियों और मंत्रालयिक कर्मचारियों को इन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेने की सलाह दी जाती है।

डीसीपी यदाद्री राजेश चंद्रा, डीसीपी एलबीनगर प्रवीण कुमार, डीसीपी मल्काजगिरी पद्मजा, डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, डीसीपी महेश्वरम सुनीता रेड्डी, डीसीपी एसओटी 1 रमना रेड्डी, डीसीपी एसओटी 2 मुरलीधर, डीसीपी ट्रैफिक श्रीनिवास, डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी साइबर क्राइम नागलक्ष्मी, डीसीपी महिला सुरक्षा उषा विश्वनाथ, एसीपी आईटी सेल नरेंद्र गौड़ समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रैतु महाधरने की अनुमति देने से पुलिस का इनकार

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा पुलिस ने सोमवार को बीआरएस द्वारा आयोजित प्रस्तावित रैतु महाधरना के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया। यह धरना राज्य सरकार द्वारा पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान किसानों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने के विरोध में आयोजित किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ संकल्पित बीआरएस नेता अब अनुमति के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की योजना बना रहे हैं।

17 जनवरी को बीआरएस के शहर अध्यक्ष भुवनगिरी देवेंद्र ने पुलिस को एक आवेदन दिया था कि नलगोंडा के क्लॉक टॉवर सेंटर में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक 1,500 किसानों के साथ विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाए। 4 दिनों तक आवेदन लंबित रखने के बाद, पुलिस ने विरोध शुरू होने से 24 घंटे से भी कम समय पहले इसे खारिज कर दिया। उन्होंने विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने के लिए यातायात की भीड़ को एक कारण बताया। रैतु महाधरना बीआरएस द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शनों की श्रृंखला का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कांग्रेस सरकार द्वारा अपने वादों को पूरा करने में विफलताओं को उजागर करना है। उन्होंने हाल ही में रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला निर्वाचन क्षेत्र के शाबाद में भी इसी तरह का विरोध प्रदर्शन आयोजित किया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद- 500 004

ई-निविदा: मुख्य कार्यालय परिसर और एनेक्सी बिल्डिंग, आरबीआई, हैदराबाद में हाउसकीपिंग सेवाएं और वॉशरूम सफाई प्रदान करने के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध

1. भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद बैंक के मुख्य कार्यालय परिसर और एनेक्सी बिल्डिंग में हाउसकीपिंग सेवाएं और वॉशरूम की सफाई प्रदान करने के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए ई-टेंडर आमंत्रित करता है। कार्य की अनुमानित लागत ₹1,98,00,000/- (केवल एक करोड़ अट्ठानवे लाख रुपये) है। पूर्व-योग्यता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया MSTC Ltd के ई-टेंडरिंग पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in पर "टेंडर" के अंतर्गत 20 जनवरी, 2025, 15:00 बजे से टेंडर नोटिस के साथ टेंडर दस्तावेज़ देखें।
2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 24 फरवरी, 2025 को 14:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र निविदाकारों को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हस्ताक्षर/-
20 जनवरी, 2025 क्षेत्रीय निदेशक, हैदराबाद

हैदराबाद में ध्यान भटकाने वाले गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

7.60 लाख रुपये नकद बरामद

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने सोमवार को 18 मामलों में कथित रूप से शामिल पांच सदस्यीय ध्यान भटकाने वाले गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 7.60 लाख रुपये नकद, 105 एटीएम कार्ड, एक कार, एक मोटरसाइकिल, पुलिस का एक फर्जी पहचान पत्र और तीन मोबाइल फोन बरामद किए।

एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स (दक्षिण) टीम ने रविवार शाम को हरियाणा के वकील अली (45), उत्तर प्रदेश के फरमान (23) और हैदराबाद के ओबैद आरिफ (30) को पकड़ लिया। तीनों अपने दो अन्य साथियों इस्लामी और गुल्लू के साथ, जो फरार हैं, व्यस्त इलाकों में स्थित एटीएम केंद्रों पर जाते थे और वरिष्ठ नागरिकों को नकदी निकालने में मदद करने के बहाने एटीएम कार्ड को डुप्लीकेट कार्ड से बदल देते थे, जिसे गिरोह के सदस्य अपने साथ रखते थे। डीसीपी (दक्षिण) स्नेहा मेहरा ने बताया कि गिरोह के सदस्य फिर असली एटीएम कार्ड का इस्तेमाल एटीएम या पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों से नकदी निकालने के लिए करते थे और पैसे का इस्तेमाल आलीशान जीवनशैली को बनाए रखने के लिए करते थे। यह गिरोह तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और कर्नाटक में 18 मामलों में शामिल है। गिरोह के दो फरार सदस्यों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.